E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 104 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 10 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 104 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 10 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

प्रधानमंत्री ने मतदाताओं से कांग्रेस को सौ साल तक सत्ता से वंचित करने ... पेज 4

उप्र के ज्योग्राफिकल इनफॉर्मेशन सस्टिम को और मुस्तैद बनाएगी योगी सरकार पेज 5

योगी राज में विधायिका पर भारी है यूपी की कार्यपालिका पेज 6

हमारी सात गारंटियां ही कांग्रेस के वचन, 36 कौम को साथ लेकर चलती... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

पहले वो आप पर ध्यान नहीं देंगे, फिर वो आप पर हंसेंगे, फिर वो आप से लड़ेंगे, और आप जीत जाएंगे।

– अज्ञात

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कांग्रेस की सरकार में लूट का कंपटीशन हुआ था : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि मध्य प्रदेश में 15 महीने के कमलनाथ सरकार के कार्यकाल में लूट का कंपटीशन हो गया था। कौन कितना लूट सकता है सभी इसमें लगे हुए थे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की जनता ने दिग्विजय सिंह की सरकार को भी देखा है, जिसके राज्य के कैसी स्थिति थी यह सबको पता है। मुख्यमंत्री आज मध्य प्रदेश में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनता को हर महीने घर में राशन मिलता है। दवा और ईलाज के लिए पांच लाख रुपए तक की व्यवस्था होती है। महिलाओं को घर में गैस सिलेंडर दी गई है। बेरोजगारों को रोजगार करने के लिए रुपए दिए जाते हैं। महिलाओं द्वारा स्व-नियोजन के लिए लिए गए लोन को माफ किया गया है। लोगों के घरों में बिजली /बत्ती की व्यवस्था की गई है। जिस राज्य में ऐसा होता है, उसे बीमारू राज्य नहीं, बल्कि विकासशील राज्य कहा जाता है। मुख्यमंत्री ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए जहां भाजपा शासित राज्यों में हो रही कार्यों की चर्चा की, वहीं कांग्रेस शासित राज्यों की असलियत से भी लोगों के को अवगत कराया। उधर मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि महाभारत काल में दुर्योधन कपड़ा फाड़ने की बात करता था और आज मध्य प्रदेश में कमलनाथ दिग्विजय सिंह का कपड़ा फाड़ने की बात करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब मध्य प्रदेश में सड़क नहीं थी और मध्य प्रदेश देश का सबसे रुग्न राज्य हुआ करता था, लेकिन आज मध्य प्रदेश राज्य का सबसे विकसित राज्य है। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने राज्य में आर्थिक क्रांति शुरू की है, यही वजह है कि आज राज्य में प्रति व्यक्ति आय डेढ़ लाख रूपए है। राज्य की वार्षिक आय 13 लाख करोड़ रुपए होती है। भाजपा कार्यकाल में राज्य में 40 सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान का कार्यकाल मध्य प्रदेश की राजनीति के इतिहास में स्वर्णिम काल के रूप में हमेशा के लिए जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि झूठे वादे करके कमलनाथ 15 माह के लिए सत्ता में आए थे, लेकिन घोटालों के सिवा कुछ नहीं किया। मुख्यमंत्री आज मध्य प्रदेश में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस राज्य की पहचान मां नर्मदा और महाबल से होती है, उस राज्य में कपड़ा फाड़ने की राजनीति करना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि वे कामरूप प्रदेश कामाख्या की धरती से नर्मदा की धरती पर संदेश लेकर आए हैं। राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी और इसी प्रकार विकास की धारा अक्षुण्ण रहेगी।

मणिपुर में फिर बढ़ा मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध

इंफाल। मणिपुर सरकार ने राज्य में मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध को 13 नवंबर तक बढ़ा दिया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि प्रतिबंध उन चार पहाड़ी जिला मुख्यालयों में लागू नहीं किया जाएगा जो जातीय संघर्ष से प्रभावित नहीं हैं। राज्य सरकार ने कहा कि इस आशंका के कारण प्रतिबंध को बढ़ाया गया है कि कुछ असामाजिक तत्व जनता की भावनाओं को भड़काने वाली तस्वीरें, नफरत भरे वीडियो प्रसारित करने के लिए बड़े पैमाने पर इंटरनेट मीडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिसका कानून व्यवस्था पर गंभीर असर हो सकता है। आदेश में कहा गया है, राज्य सरकार ने पहले से ही कुछ जिला मुख्यालयों में कुछ मोबाइल टावरों को चालू किया है जो हिंसा से प्रभावित नहीं हैं। परीक्षण के आधार पर अन्य जिला मुख्यालयों में मोबाइल टावरों को चालू करने पर विचार कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर सरकार ने मंगलवार को अस्थायी आधार पर उखरूल, सेनापति, चंदेल और तामेंगलोंग जिला मुख्यालयों, जो नागा-बहुल क्षेत्र हैं में मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध हटा दिया। इससे पहले मणिपुर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को उन सभी जिला मुख्यालयों में परीक्षण के आधार पर मोबाइल टावरों को चालू करने का निर्देश दिया था, जो जातीय संघर्ष से प्रभावित नहीं हैं। सितंबर में कुछ दिनों को छोड़कर मणिपुर में तीन मई से जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री महंत से सिंघल ने की मुलाकात

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के आवास एवं शहरी कार्य तथा सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री प्रफुल्ल कुमार महंत से मुलाकात की। विधायक निवास पर मंत्री सिंघल पूर्व मुख्यमंत्री और उनके परिवार से मिले और उनसे बातचीत की। इस दौरान सिंघल ने पूर्व मुख्यमंत्री महंत के स्वास्थ्य के हाल जाने और उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। उल्लेखनीय है कि असम के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके महंत पिछले दिनों गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। वर्तमान में उनकी सेहत दुरुस्त बतायी गई है।

जिले की सीमा निर्धारण को लेकर मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक

बजाली (हि.स.)। बजाली, भवानीपुर, सरभोग तथा बरपेटा रोड विधानसभा सीट के 70 से अधिक दलों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने बरपेटा रोड, भबानीपुर और सरभोग विधानसभा क्षेत्र को बजाली जिले में शामिल करने की मांग को लेकर मंत्रिमंडलीय उपसमिति के साथ बैठक की। बैठक के अंत में उप-समिति के तीन कैबिनेट मंत्री चंद्र मोहन पटवारी, जयंतमल्ल बरुवा और अतुल बोरा ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। चंद्र मोहन पटवारी ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर आज इस तरह की बैठक हुई। इसके बाद उपसमिति बरपेटा के लोगों से मुलाकात करेगी। बरपेटा के लोगों की राय लेने के कुछ दिन बाद फैसला लेकर बजाली की सीमा तय की जाएगी। बैठक सुबह 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक चली। उल्लेखनीय है कि भवानीपुर, बरपेटा रोड और सरभोग की कई पार्टियों और संगठनों ने भी आज बजाली जिले के अंतर्गत लाने की मांग को लेकर मंत्रिमंडलीय उप-समिति को एक ज्ञापन भी सौंपा।

अल्फा के नाम पर धनउगाही : दो बदमाश हथियारों के साथ गिरफ्तार

शोणितपुर (हि.स.)। जिले के ढेकियाजुली के पानबाड़ी इलाके में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन अल्फा (स्वाधीन) के नाम पर धन उगाही करने पहुंचे दो लोगों को स्थानीय लोगों ने हथियार के साथ पकड़ लिया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार इन दोनों को स्थानीय लोगों ने दाव से काटकर जख्मी कर पकड़ लिया। उसके बाद लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। यह पूरा दृश्य सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जानकारी के अनुसार करीब एक सप्ताह पहले ढेकियाजुली के पानबाड़ी के दालंग रिस्जू नामक शख्स से अल्फा (स्वा) के नाम पर सात लाख रुपए की मांग की गई थी। आज दोनों फर्जी अल्फाई बलोराम बसुमतारी और दाजिया नार्जारी अल्फा के नाम पर पिस्तौल दिखाकर मांगे गए रुपए की वसूली करने आए थे। रिस्जू ने अल्फा के नाम पर पैसे मांगने वाले दोनों लोगों पर दाव से हमला कर दिया। जिसमें वे गंभीर रूप से वे घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही वहां पहुंची भीड़ ने दोनों की जमकर पिटाई कर डाली। घटना की सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दोनों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने उनके पास से एक पिस्तौल, 8 कारतूस, दो मैगजीन, एक मोबाइल फोन और जबरन वसूली में इस्तेमाल की गई एक स्कूटी जब्त की है। गिरफ्तार किये गए बलोराम बसुमतारी का घर ढेकियाजुली के घाघरा कछारी गांव में है, जबकि दाजिया नार्जारी का घर चिरांग जिले के रूनीखाता पुलिस स्टेशन के तहत दोई नामक गांव में है। इस सिलसिले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

बोगीबील पुल पर भयंकर हादसा, सेना के जवानों की मुस्तैदी से बची कई जान

डिब्रूगढ़। असम के डिब्रूगढ़ जिले में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने बोगीबील पुल पर तीन माल ढोने वाले वाहनों और एक यात्री वैन के बीच बुधवार सुबह भयंकर हादसा हो गया। इस कारण पुल पर लंबा जाम लग गया। सेना के जवानों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंच कर मदद की, फंसे हुए घायलों को निकाला और रास्ते को यातायात के लिए खोला। सेना के जवानों की इस त्वरित कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने जमकर तारीफ की। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कोलकाता में बताया कि बुधवार सुबह लगभग सुबह 10.10 बजे, तीन माल ढोने वाले वाहनों और एक यात्री वैन टकराने से भयंकर हादसा हो गया। इससे असम में राष्ट्रीय राजमार्ग 15 के साथ बोगीबील ब्रिज पर यातायात अवरुद्ध हो गया। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि रेड शील्ड डिवीजन के सैन्य काफिले ने कमांडर के नेतृत्व में तेजी से प्रतिक्रिया दी और क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे दो लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से निकाला। एक वाहन का चालक वाहन के अंदर फंसा हुआ था, जिसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं। सेना के रिकवरी वाहन ने घायल चालक को सुरक्षित बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, क्योंकि केबिन संरचना को मोड़ने और घायल चालक को निकालने के लिए ईएमई से सेना के जवानों द्वारा सिंथेटिक नली के साथ एक मेक शिफ्ट व्यवस्था का उपयोग किया गया। दुर्घटना में शामिल एक अन्य चालक को भी सेना के जवानों ने उसके वाहन से बाहर निकाला, जिसके शरीर के निचले हिस्से में चोटें आईं थीं।

ट्रैक्टर हटाने को लेकर पुलिस और ग्रामीणों में झड़प

शिवपुरी। मध्य प्रदेश में एक ओर मामा शिवराज सिंह चौहान मंच से चिल्ला चिल्लाकर लाड़ली बहनाओं के कल्याण की दुहाई दे रहे हैं वहीं दूसरी ओर आज शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम में उनकी लाड़ली बहनाओं से पुलिस झगड़ा करती हुई दिखाई दे रही है। बता दें कि आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कोलारस से भाजपा प्रत्याशी महेंद्र राम सिंह यादव के समर्थन में एक आमसभा को संबोधित करने आए थे इस दौरान आमसभा के रास्ते में लगे एक ट्रैक्टर को हटाने को लेकर पुलिस और कुछ ग्रामीणों में झड़प हो गई। इसी बीच बचाव में आई महिलाओं को पुलिस ने पीट दिया। ट्रैक्टर पर बैठी महिला फूल बाई ने बताया की वे अनंतपुर से मानीपुरा कोलारस आ रहे थे तभी रास्ते में पुलिस कर्मियों ने ट्रैक्टर रोका। और ट्रैक्टर साइड से लगाने को कहा। लेकिन जब तक ड्राइवर ट्रैक्टर को साइड से लगाता तब तक पुलिस कर्मियों का पारा ऊपर हो गया। और आठ दस पुलिस कर्मियों ने ट्रैक्टर के उपर बैठे पुरुषों और महिलाओं की पिटाई कर दी। अब क्या मामा इन पुलिस कर्मियों पर कोई कार्यवाही करेंगे। इस पूरी घटना का वीडियो मौके पर मौजूद लोगों ने बना लिया और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

नीतीश के बयान से बैकफुट पर विपक्षी गठबंधन

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा में प्रजनन दर पर बयान देने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चौतरफा घिर गए हैं। भाजपा एवं उसके सहयोगी दलों ने उन्हें निशाने पर ले रखा है, जबकि लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के पैरोकार दलों ने चुप्पी साध रखी है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में नुकसान के डर से कांग्रेस की जुबान भी बंद है। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद भी कांग्रेस की तरफ से किसी बड़े नेता का अभी तक कोई बयान नहीं आया है। राजद और समाजवादी पार्टी ने बचाव जरूर किया है। हालांकि, नीतीश कुमार का वक्तव्य सदन के अंदर का है। एक प्रक्रिया के तहत विधानसभा एवं विधान परिषद की कार्यवाही से इसे हटाया जा सकता है। नीतीश ने सदन में माफी मांगने के साथ-साथ यह भी आग्रह किया है कि उनके बयान को कार्यवाही से हटा दिया जाए। ऐसे में इस विवाद का अब उतना मतलब नहीं रह जाएगा। समय के साथ अपने आप विराम लग जाएगा। तीन दिनों में देश भर से कड़ी प्रतिक्रिया सिर्फ राजग खेमे से आ रही है। पांच राज्यों के चुनाव प्रचार में न तो मल्लिकार्जुन खरगे और न ही प्रियंका गांधी ने इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया दी है। इसका संकेत साफ है कि पांच राज्यों के चुनाव में जुटी कांग्रेस किसी झंझट में नहीं पड़ना चाहती है। हालांकि, जदयू के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि चुनाव वाले राज्यों में नीतीश कुमार प्रचार करने नहीं जा रहे हैं। न ही उन राज्यों के लिए जदयू का कांग्रेस के साथ गठबंधन है। ऐसे में इसे फायदा या नुकसान से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। कांग्रेस ने भी इसीलिए स्वयं को अलग कर रखा है। करीब हफ्ते भर पहले पटना में वामदलों के एक कार्यक्रम में नीतीश कुमार ने विपक्षी एकता के प्रयासों में कांग्रेस की मंशा पर सवाल खड़े किए थे। इसके बाद कांग्रेस की ओर से लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव के माध्यम से नीतीश को लाइन पर रखने की तत्काल पहल की गई थी, ताकि पांच राज्यों के चुनाव में गलत संदेश न जाए। मगर इस बार लालू प्रसाद की ओर से भी ऐसी पहल नहीं की गई है। नीतीश सरकार में शामिल राजद की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी इसे तूल देने के पक्ष में नहीं हैं।

पति ने की दाव से काटकर पत्नी की हत्या

कामरूप (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के उत्तर गुवाहाटी में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की दाव से काटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आज बताया कि यह घटना उत्तर गुवाहाटी के मणिकेश्वर देवालय के निकट हुई। मामूली सी कहासुनी के बाद हुए झगड़े में व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर दाव चला दिया। जिसमें महिला बुरी तरह से जख्मी हो गई। बताया जाता है कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। मृतक महिला दो बच्चे की मां थी। आरोपित दंपति का घर शोणितपुर जिले के ढेकियाजुली निकटवर्ती सिंगड़ी में है। दोनों मणिकेश्वर देवालय के निकट एक किराए के घर में रह रहे थे। दोनों पति-पत्नी दैनिक मजदूरी का काम

न्यूज गैलरी

संसद का शीतकालीन सत्र चार दिसंबर से

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद का शीतकालीन सत्र 04 दिसंबर से शुरू होगा और 22 दिसंबर तक चलेगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर नए संसद भवन का फोटो साझा करते यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शीतकालीन सत्र के 19 दिनों में 15 बैठकें होंगी। उन्होंने कहा कि अमृत काल के बीच सत्र के दौरान विधायी कामकाज और अन्य विषयों पर चर्चा होगी।

एपीएससी अनियमितताओं के खिलाफ सरकार का कदम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार ने वर्ष 2013 के लिए असम पब्लिक सर्विस कमीशन (एपीएससी) के असम सिविल सर्विस (एसीएस), असम पुलिस सर्विस (एपीएस) और अन्य सेवाओं के लिए चुने गए 34 अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करने के लिए कदम उठाया है। न्यायमूर्ति बीके शर्मा आयोग की रिपोर्ट के आधार पर मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा के निर्देश पर सरकार ने यह पहल की है। सरकार ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने पूरे मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश जारी किया है।

चुनाव से पहले ही *इंडिया* गठबंधन में खींचतान शुरू

गुवाहाटी (हि.स.)। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर असम में बने *इंडिया* गठबंधन में अभी से ही खींचतान शुरू हो गई है। जहां एक ओर, कांग्रेस पार्टी राज्य की 14 लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की पहले ही घोषणा कर चुकी है, वहीं इसके घटक दलों में भी टिकट को लेकर उहापोह की स्थिति बनी हुई है। जबकि, राइजर दल के नेता तथा शिवसागर के विधायक अखिल गोगोई भी अंदरखाने अपने लिए सीट की मांग कर रहे हैं। साथ ही असम जातीय परिषद के नेता लुरिन ज्योति गोगोई कम से कम तीन सीटों को लेकर अड़े हुए हैं। इसी बीच तृणमूल कांग्रेस ने पांच सीटों की मांग कर दी है। तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रिपुन बोरा ने खुले तौर पर कहा है कि असम में कांग्रेस के बाद तृणमूल कांग्रेस की स्थिति ही मजबूत है। ऐसे में पांच सीटों से कम पर मानने का कोई सवाल ही नहीं पैदा होता है। उन्होंने कहा कि असम में कांग्रेस निश्चित रूप से इन सभी घटक दलों में मजबूत स्थिति रखती है, इसीलिए कांग्रेस को सबसे अधिक सीटें मिलनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों इंडिया गठबंधन की गुवाहाटी में हुई बैठक में सीटों की साझेदारी के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा को अधिकृत किया गया था। लेकिन, भूपेन बोरा इस बैठक से पहले ही 14 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा स्वयं कर चुके हैं। इस बैठक में सरकार के विरुद्ध मुद्दे तैयार करने, खासकर सरकार पर लगाए जाने वाले आरोपों की चार्जशीट तैयार करने का जिम्मा कांग्रेस नेता तथा राज्य के पूर्व मंत्री रकीबुल हुसैन को दिया गया था। जबकि, रकिबुल हुसैन स्वयं शुरू से ही भ्रष्टाचार के अनेक आरोपों से घिरे हुए हैं। वहीं, एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल के सहयोग से राज्यसभा में पहुंचे विपक्ष के साझा उम्मीदवार अजीत भुइयां एआईयूडीएफ को भी इस गठबंधन में जोड़ने की कोशिश में लगे हुए हैं। उनका तर्क है कि एआईयूडीएफ के सहयोग के बिना यह गठबंधन चुनाव में पूरी तरह धराशाई हो जाएगा। जबकि, कांग्रेस नेता भूपेन बोरा तथा तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष रिपुन बोरा का कहना है कि इंडिया गठबंधन का मुकाबला सांप्रदायिकता के खिलाफ है ऐसे में एआईयूडीएफ जैसे सांप्रदायिक पार्टी के साथ गठबंधन करने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है। उन्होंने कहा कि किसी भी हालत में यह आईयूडीएफ को इस गठबंधन में शामिल नहीं किया जाएगा, क्योंकि एआईयूडीएफ अंदर ही अंदर भाजपा के साथ मिली हुई है।

मंत्री रंजीत दास ने की हरित दिवाली मनाने की अपील

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के पंचायत एवं ग्रामीण विकास, खाद्य, जन आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, विधि एवं न्याय, सामान्य प्रशासन मंत्री रंजीत कुमार दास ने दीपावली को हरित दिवाली के रूप में मनाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को रोशनी के पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर मंत्री दास ने लोगों से आग्रह किया कि वे सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, असम प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और प्रशासन के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए रोशनी के त्योहार को हरित दिवाली के रूप में मनाएं। मंत्री दास ने आशा व्यक्त की कि दिवाली के आयोजन का आध्यात्मिक महत्व और उत्साह समाज से अमंगल, घृणा, विद्वेष, आसुरी आदि बुरी शक्तियों को समाप्त कर सभी के मन और आत्मा को प्रकाशित करेगा।

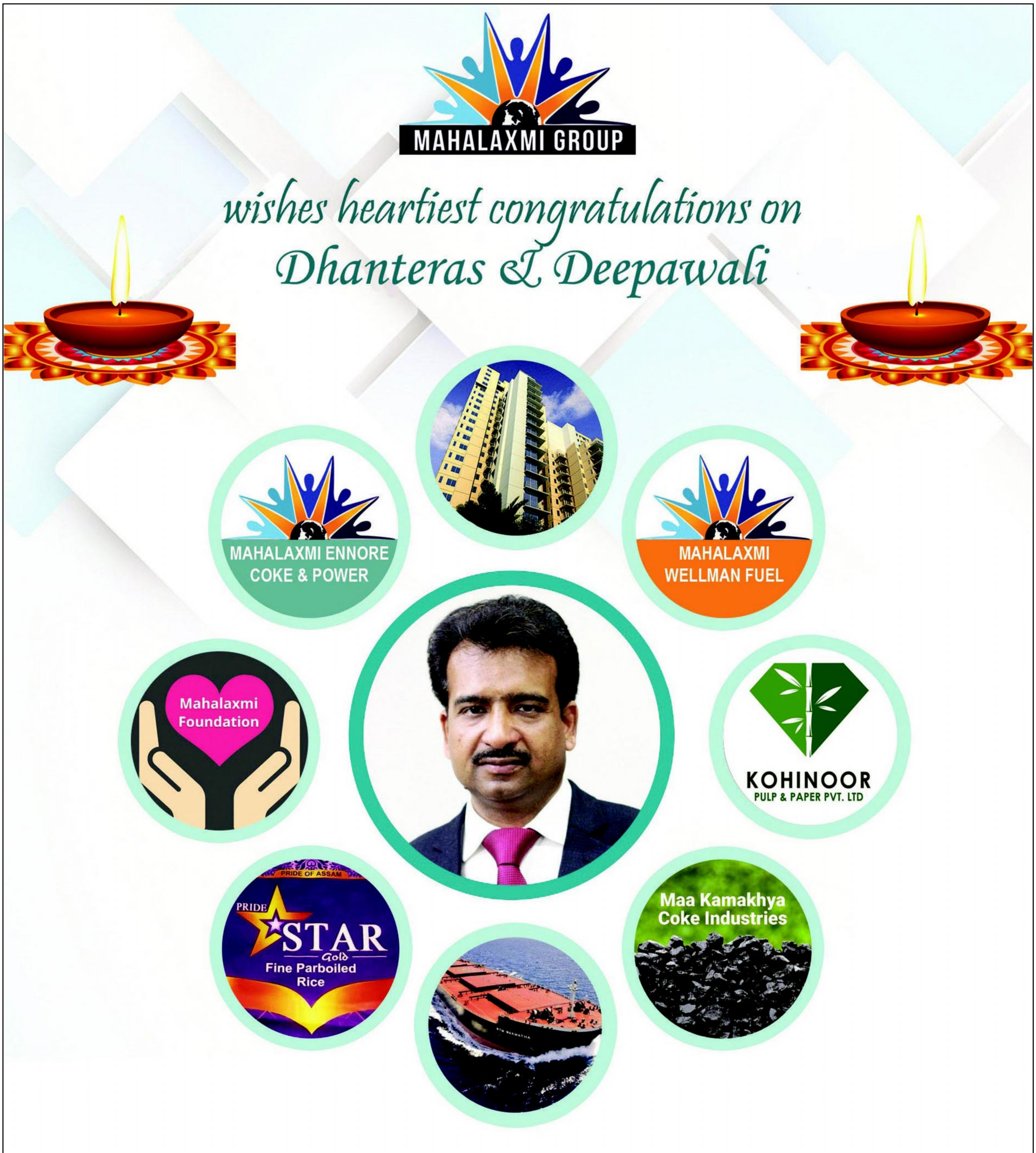

Mr. Naveen Singhal, CMD

The Cube, 5th Floor, G.S. Road, Christian Basti, Guwahati – 781005, Assam

Phone: +91 361 2347848 / 49, +91 9435194281

Email: info@mahalaxmigrp.com, Web: www.mahalaxmigrp.com

Kolkata | New Delhi | Mumbai | Paradeep (Odisha) | Haldia (W.B.) | Meghalaya | Nagaland | Roorkee (Uttarakhand) | Ludhiana (Punjab) | Meerut (U.P.) | Gandhidham (Gujarat)

International offices: USA | Singapore | Dubai

प्रधानमंत्री ने मतदाताओं से कांग्रेस को सौ साल तक सत्ता से वंचित करने का किया आह्वान

– कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर न बने, इसके लिए भगवान राम को काल्पनिक बताया : मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर गरीबी और विकास को लेकर निशाना साधा और मध्य प्रदेश के मतदाताओं से कांग्रेस को कम से कम 100 साल के लिए सत्ता से वंचित रखने का आह्वान किया। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस इसके भी विरोध में थी। मध्य प्रदेश के छतरपुर में गुरुवार को अपनी दूसरी चुनावी रैली में मोदी ने कांग्रेस की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा, अयोध्या में भगवान राम का मंदिर न बने, इसके लिए कांग्रेस ने भगवान राम को काल्पनिक बता दिया था। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने का भी विरोध किया था। कांग्रेस ने देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति का भी विरोध किया था। मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई भारत की भाषाओं में हो, कांग्रेस इसका भी विरोध करती है। मोदी ने भारत की समृद्ध विरासत के बारे में कांग्रेस की समझ की कमी और देश के गौरव एवं उसको बढ़ाने में उसकी विफलता पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने भारत के सांस्कृतिक सार और इसकी मिट्टी की ताकत के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की समृद्ध मिट्टी भी बहुमूल्य सीख देती है। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस पर इस क्षेत्र की विरासत की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। मोदी ने कहा, कांग्रेस सरकार का ध्यान पूरी तरह से दिल्ली पर था, योजनाएं, प्रमुख विदेशी नेताओं के दौरे और प्रमुख कार्यक्रम सभी राजधानी में केंद्रित थे। कांग्रेस के नेता अपने विदेशी मित्रों को भारत की गरीबी दिखाने के लिए लाते थे।ह्व उन्होंने कहा कि पहले, ये कांग्रेस नेता अपने विदेशी दोस्तों को भारत की गरीबी दिखाते थे। उन कांग्रेस नेताओं के लिए जो चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए थे, गरीबी पर्यटन थी। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस के शासन की तुलना रिवर्स गियर वाली कार से की, जो कुशलता से देश को पीछे ले जाती है। उन्होंने कांग्रेस पर देश के कल्याण पर अपने स्वार्थों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी नीतियां बनीं जिन्होंने देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न की। प्रधानमंत्री ने कहा कि गाड़ियों में एक रिवर्स गियर होता है जो उन्हें पीछे की ओर ले जाता है। कांग्रेस रिवर्स गियर में माहिर है। कांग्रेस मध्य प्रदेश की विकास यात्रा को पलट देगी। मोदी ने कहा कि जब कांग्रेस सूरज और चांद लाने का वादा करे तो समझ जाइए कि कुछ तो गड़बड़ है। जब भी कांग्रेस बड़े वादे करे, ये मान लीजिए कि वो मीठा जहर देने की तैयारी कर रही है। देश के कई राज्यों में ऐसा हो चुका है। इसके अलावा मोदी ने विभिन्न राज्यों में अधूरी प्रतिबद्धताओं के उदाहरणों का हवाला देते हुए जनता को कांग्रेस द्वारा किए गए बड़े-बड़े वादों के झांसे में न आने की चेतावनी दी। उन्होंने उन मामलों पर प्रकाश डाला जहां कांग्रेस ने मुफ्त बिजली का वादा किया था लेकिन बाद में कीमतें बढ़ा दीं और गंभीर बिजली कटौती शुरू कर दी, जिससे आर्थिक चुनौतियां पैदा हुईं और नौकरियां चली गईं।

शाह ने अंतरराष्ट्रीय मानव तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ करने पर एनआईए की टीम को दी बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय मानव तस्कर गिरोह का पदार्फाश करने वाली राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम को बधाई दी है। शाह ने गुरुवार को एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी के सुरक्षित भारत के सपने को साकार करते हुए एनआईए की टीम ने पांच अंतरराष्ट्रीय मानव तस्कर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। उन्होंने कहा कि दस राज्यों में एक साथ चलाए गए ऑपरेशन के परिणामस्वरूप 44 गिरफ्तारियां हुईं हैं। इसके लिए वह टीम एनआईए को बधाई देते हैं। मोदी सरकार अवैध आप्रवासन के प्रति गंभीर है। हम देश को इस खतरे से बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय है कि मानव तस्करी के मामले में एनआईए ने बुधवार को देश के दस राज्यों में छापेमारी कर 44 लोगों को गिरफ्तार किया था। ये छापेमारी त्रिपुरा, असम, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक , तमिलनाडु , तेलंगाना , हरियाणा, राजस्थान, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर व पुडुचेरी में चल रहे मानव तस्करी नेटवर्क के सिलसिले में की गई।

प्रारंभिक मामला 09 सितंबर, 2023 का असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने दर्ज किया था। यह भारत-बांग्लादेश सीमा के पार अवैध प्रवासियों की घुसपैठ और पुनर्वास के लिए जिम्मेदार मानव तस्करी नेटवर्क से संबंधित था, जिसमें रोहिंग्या मूल के लोग भी शामिल थे। इस नेटवर्क का संचालन देश के विभिन्न हिस्सों तक फैला हुआ है, जिसमें भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे क्षेत्र भी शामिल हैं। मामले के अंतरराष्ट्रीय और अंतर-राज्य संबंधों और इसकी जटिलता को पहचानते हुए एनआईए ने गुवाहाटी स्थित एनआईए पुलिस स्टेशन में 6 अगस्त, 2023 को मामला दर्ज कर औपचारिक रूप से जांच का कार्यभार संभाला था।

महाराष्ट्र सरकार के शिवसेना गुट में पड़ी फूट

– दीपावली के बाद कभी भी गिर सकती है सरकार

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में भारी तूफान के आसार नजर आने लगे हैं। मराठा आरक्षण को लेकर जो प्रतिक्रिया महाराष्ट्र सरकार मे हो रही है। उसमें पिछड़ा वर्ग समुदाय ने आग में घी डालने का काम कर दिया है। ओबीसी के नेताओं ने छगन भुजबल को ओबीसी वर्ग की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। ओबीसी नेतृत्व के दबाव में छगन भुजबल ओबीसी समुदाय के पक्ष में खड़े हो गए। उन्होंने ओबीसी के पक्ष में बयान दिया। इसी बीच महाराष्ट्र के आबकारी मंत्री शंभू राज देसाई ने छगन भुजबल को इस मामले में राजनीति करने का आरोप लगाते हुए, दोनों समुदायों के बीच में फूट डालने की बात कहते हुए इस्तीफा देने की बात कह दी। इसके बाद शिवसेना कोटे से बने मंत्री और विधायकों में ही मराठा और ओबीसी आरक्षण को लेकर विवाद बढ़ गया है। ओबीसी समुदाय ने दिवाली के बाद जालना से आरक्षण को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी है। यहीं से मराठा आरक्षण आंदोलन शुरू हुआ था। यहां पर दंगा भी भड़का था। अब वहीं से पिछड़े वर्ग का आंदोलन शुरू होगा, तो महाराष्ट्र में इसका बहुत बड़ा असर होगा। मराठा समुदाय के आंदोलन में मराठा विधायकों के घर जला दिए गए थे। पिछड़े वर्ग समुदाय का कहना है कि उसके कोटे से मराठा आरक्षण का कोटा नहीं दिया जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो हुआ है अपने आंदोलन को तेज करेंगे। ओबीसी समुदाय भी उग्र आंदोलन पर उतारू हो गया है। पिछड़े वर्ग समुदाय के आंदोलनकारी ने अपने मंत्रियों और विधायकों को इस आशय की चेतावनी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष को भी शिवसेना के विधायकों के दल बदल मामले में फैसला लेना है। इसी बीच महाराष्ट्र सरकार में मंत्रियों के बीच मे ही आपस में तनातनी शुरू हो गई है। मराठा और पिछड़ा वर्ग आंदोलन को लेकर महाराष्ट्र में दोनों तरफ से तलवारें निकाल ली गई हैं। जिसके कारण यह कहा जा रहा है कि अब कुछ ही दिनों की मेहमान महाराष्ट्र सरकार रह गई है।

सांसद व विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक केस के तेज निपटारे के लिए सुप्रीम कोर्ट ने जारी किए निर्देश

सभी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को स्वतः संज्ञान लेकर मामलों की निगरानी को कहा

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक केस के तेज निपटारे के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने सभी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया है कि वे स्वतः संज्ञान लें और विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे मामलों की निगरानी करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिला जज से समय-समय पर रिपोर्ट ली जाए। साथ ही हाईकोर्ट वेबसाइट में एमपी-एमएलए के लंबित केस का ब्यौरा डाला जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट समय-समय पर ट्रायल की रिपोर्ट मांगे। सांसदों और विधायकों पर ट्रायल के लिए और स्पेशल कोर्ट हों। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि हम विशेष अदालतों में प्रत्येक मामले की निगरानी नहीं कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौत की सजा के आरोपों के मामलों को प्राथमिकता मिले। याचिका भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है। याचिका में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए सांसदों और विधायकों को दोषी पाए जाने पर उनके आजीवन चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग की गई थी। जबकि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत जघन्य अपराधों में दोषी आए जाने पर सांसद या विधायकों के केवल छह साल के लिए चुनाव लड़ने तक रोक है।

तेलंगाना में कांग्रेस उम्मीदवार पी. श्रीनिवास रेड्डी के ठिकानों पर आयकर की छापेमारी

हैदराबाद/नई दिल्ली, (हि.स.)। आयकर विभाग ने तेलंगाना जिले के पलेयर विधानसभा सीट के कांग्रेस उम्मीदवार पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के ठिकानों पर छापेमारी की है। वे हाल ही में बीआरएस से कांग्रेस में शामिल हुए हैं। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के हैदराबाद और खम्मम स्थित आवासों और कार्यालयों की तलाशी ली है। जानकारी के मुताबिक पलेयर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी आज अपना नामांकन पत्र दाखिल करने वाले थे। रेड्डी ने एक दिन पहले बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में संकेत दिया था कि आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियां उन्हें निशाना बनाकर छापेमारी कर सकती हैं। तेलंगाना में 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होने वाला है। उल्लेखनीय है किं आयकर विभाग के अधिकारियों ने पिछले हफ्ते ही महेश्वरम विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के लक्ष्मण रेड्डी और बदंगपेट नगर निगम के महापौर चिगुरंथा पारिजात नरसिम्हा रेड्डी के ठिकानों पर छापे मारे थे।

गोवा में राष्ट्रीय खेल आयोजन स्थलों पर पेशेवर तरीके से किया जा रहा है कचरा प्रबंधन

पणजी, (हि.स.)। 37वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन की तारीखों की घोषणा के साथ ही गोवा सरकार ने कचरा प्रबंधन को लेकर उच्च स्तरीय संवेदनशीलता दिखाई और इसी का नतीजा है कि किसी भी आयोजन स्थल पर चाहे सूखा हो या गीला-कचरे का नामोनिशान नहीं दिखाई देता। गोवा सरकार ने सुनिश्चित किया कि आयोजन स्थलों पर कचरे का कोई पद चिन्ह नहीं दिखाई दे क्योंकि साफ माहौल में ही अच्छी सोच पनपती है और यह 20 हजार से अधिक खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों की मौजूदगी वाले राष्ट्रीय खेलों की सफलता के लिए बहुत जरूरी थी। पहली बार राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी कर रही गोवा सरकार ने खेल विभाग की सचिव स्वेतिका सचान को 37वें राष्ट्रीय खेल आयोजन समिति (एनजीओसी) का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया। एनजीओसी चेयरमैन ने गोवा वेस्ट मैनेजमेंट कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक लेविंसन मार्टिंस की देखरेख में कचरा प्रबंधन और इससे जुड़ी गाइडलाइन तैयार करने और इसकी देखरेख के लिए एक समिति बनाई। इस समिति ने गाइडलाइन तय किए, जिसमें प्रमुखता से यह निर्णय लिया गया कि खेलों के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं होगा। स्वेतिका सचान कहती हैं, हमने वेस्ट मैनेजमेंट कमेटी बनाई, जिसकी कमान लेविंसन जैसे काबिल अधिकारी को सौंपी। फिर हमने कचरा प्रबंधन और वेन्यूज पर साफ-सफाई के लिए गाइडलाइन तैयार किए। इसके बाद गोवा राष्ट्रीय खेलों की इवेंट मैनेजमेंट कंपनी-एसएफए ने गीले और सूखे कचरे के प्रबंधन के लिए वीएमपी को नियुक्त किया। सचान ने आगे कहा कि इस बात पर पूरा जोर रहा कि केटरिंग वेस्ट को अच्छी तरह सेग्रिगेट किया जाए और किसी भी वेन्यू पर किसी भी प्रकार का गीला या सूखा कचरा खुले में न दिखाई दे।

अगले दो दिनों में दिल्ली में हो सकती है हल्की बारिश, पश्चिमी विक्षोभ का दिख सकता है असर

नई दिल्ली, (हि.स.)। पिछले कई दिनों से दिल्ली के लोग खतरनाक प्रदूषण से मुश्किल में है। हालांकि 10 नवंबर से राजधानी के लोगों को राहत मिलने वाली है। भारतीय मौसम विभाग ने 10 नवंबर को दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में हल्की बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के चलते अगले दो दिनों में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में बारिश की संभावना है। इसका असर मैदानी इलाकों में भी देखा जा सकता है। यानी 10 नवंबर को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में हल्की बारिश हो सकती है। इसके साथ 10 नवंबर के बाद अगले दो दिनों तक हवा की रफ्तार तेज रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिणी प्रायद्वीप में अगले दो दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना जताई है। अगले 24 घंटे में तमिलनाडु, केरल, गोवा, तटीय कर्नाटक में भारी बारिश की संभावना है। 11 नवंबर से इन राज्यों में बारिश कम होनी शुरू हो जाएगी। इसके साथ पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में भी बर्फ बारी की संभावना जताई है। यानी 8 से 10 नवंबर तक जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में बारिश होने की संभावना है।

सांबा के रामगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान रेंजर्स की अकारण गोलीबारी

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू संभाग के सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पास बुधवार देर रात पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा की गई अकारण गोलीबारी में बीएसएफ जवान बलिदान हो गया। जानकारी के अनुसार जिले के रामगढ़ सेक्टर में स्थित सीमांत चौकियों को निशाना बनाकर पाकिस्तानी रेंजर्स ने बुधवार देर रात संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। बीएसएफ जवानों ने भी पाकिस्तानी गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। इस दौरान पाकिस्तान द्वारा की गई गोलीबारी में बीएसएफ जवान घायल हो गया और उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि घायल जवान को जीएमसी अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान जवान बलिदान हो गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि देर रात पाकिस्तान रेंजर्स ने रामगढ़ इलाके में अकारण गोलीबारी की, जिसका बीएसएफ जवानों ने माकूल जवाब दिया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 28 अक्टूबर को पाकिस्तान रेंजर्स ने आईबी पर लगभग सात घंटे तक भारी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप बीएसएफ के दो जवान और एक महिला घायल हो गए थे। इसके अलावा 17 अक्टूबर को अरनिया सेक्टर में पाकिस्तानी रेंजर्स द्वारा की गई अकारण गोलीबारी में बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए थे। 25 फरवरी, 2021 को दोनों पक्षों द्वारा युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद से यह छठा समग्र उल्लंघन है।

भारत-यूएस टू प्लस टू वार्ता 10 नवंबर को, द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे अमेरिकी रक्षा मंत्री

– राजनाथ सिंह के साथ द्विपक्षीय बैठक में कई रक्षा सौदे फाइनल होने की उम्मीद
– टू प्लस टू वार्ता से पहले गुरुकुल नामक इंडस-एक्स शैक्षिक श्रृंखला शुरू की गई

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत और अमेरिका के बीच 10 नवंबर को नई दिल्ली में टू प्लस टू वार्ता होगी। मंत्रिस्तरीय वार्ता की सह-अध्यक्षता करने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन 09 नवंबर को नई दिल्ली पहुंचेंगे और उनका स्वागत पालम तकनीकी क्षेत्र में तीनों सेनाओं के गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया जाएगा। ऑस्टिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे, जिसमें कई रक्षा सौदों के फाइनल होने की उम्मीद है। टू प्लस टू वार्ता से पहले गुरुकुल नामक इंडस-एक्स शैक्षिक श्रृंखला शुरू की गई है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन 10 नवंबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ मंत्रिस्तरीय टू प्लस टू वार्ता की सह-अध्यक्षता करेंगे। इसके बाद रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी। टू प्लस टू वार्ता और द्विपक्षीय बैठक के दौरान कई रणनीतिक, रक्षा और प्रौद्योगिकी मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। अमेरिकी सचिव लॉयड ऑस्टिन ने इससे पहले जून, 2023 में भारत का दौरा किया था और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मुलाकात की थी। भारत और अमेरिका के बीच टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय वार्ता से पहले बुधवार को नई दिल्ली में प्रथम इंडस-एक्स निवेशक सम्मेलन आयोजित किया गया। रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग और अमेरिकी रक्षा विभाग के अंतर्गत रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार ने इस कार्यक्रम के दौरान इंडस-एक्स शैक्षिक श्रृंखला (गुरुकुल) भी शुरू की। अमेरिकी रक्षा विभाग के अंतर्गत रक्षा नवाचार इकाई (डीआईयू) के निदेशक डौग बेक ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विवेक विरमानी ने किया। पहले इंडस-एक्स निवेशक सम्मेलन के दौरान रक्षा क्षेत्र में काम कर रहे स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम में निवेशकों की रुचि और इंडस-एक्स पहल के अंतर्गत उभरते अवसरों को प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में स्टार्ट-अप, निवेशकों, सरकारी अधिकारियों और रक्षा उद्योग के व्यापारिक प्रतिनिधियों सहित 50 चुनिंदा उपस्थित लोगों के साथ पैनल चर्चा पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। पैनल ने 'रक्षा क्षेत्र में निवेश के अवसरों' पर चर्चा की, जिसमें रक्षा सहयोग और सह-उत्पादन के लिए एक स्थायी वाणिज्यिक आधार स्थापित करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

दुबई एयर शो में लड़ाकू विमान तेजस और ध्रुव हेलीकॉप्टर दिखाएंगे भारत की ताकत

– वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम एयरोबेटिक्स कौशल का प्रदर्शन करेगी
– दुबई एयर शो में भीड़ को मंत्रमुग्ध करने का भारत के लिए यह लगातार दूसरा मौका

नई दिल्ली, (हि.स.)। दुबई में 13-17 नवंबर तक होने वाले एयर शो में भारत की वायु सेना अपनी आसमानी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंच चुकी है। भारतीय टीमें सबसे पहले 13 नवंबर को उद्घाटन समारोह में प्रदर्शन करेंगी और उसके बाद दुनिया की अन्य प्रमुख हवाई प्रदर्शन टीमों के साथ हवाई क्षेत्र साझा करेंगी। इस एयर शो में स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस और एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। विंग कमांडर आशीष मोघे ने बताया कि भारतीय वायु सेना की टुकड़ी 13 से 17 नवंबर तक होने वाले द्विवार्षिक दुबई एयर शो में भाग लेने के लिए दुबई के अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी है। वायु सेना की टुकड़ी में दो स्वदेशी प्लेटफॉर्म लड़ाकू विमान एलसीए तेजस और एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर शामिल हैं। एयर शो के दौरान तेजस जमीनी और हवाई प्रदर्शन दोनों का हिस्सा होगा। सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम अपने एयरोबेटिक्स कौशल का प्रदर्शन करेगी। दुबई एयर शो के 2021 संस्करण में भी भाग लेने के बाद तेजस और सारंग प्रदर्शन टीमों के लिए दुबई एयर शो में भीड़ को मंत्रमुग्ध करने का यह लगातार दूसरा अवसर है। उन्होंने बताया कि वायु योद्धाओं और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम परिवहन विमान सी-17 ग्लोबमास्टर से दुबई पहुंची है। भारत की टीमें सबसे पहले 13 नवंबर को उद्घाटन समारोह में प्रदर्शन करेंगी और उसके बाद दुनिया की अन्य प्रमुख हवाई प्रदर्शन टीमों के साथ हवाई क्षेत्र साझा करेंगी। यह अंतरराष्ट्रीय एयर शो तेजस और ध्रुव जैसे स्वदेशी प्लेटफार्मों की भागीदारी के माध्यम से भारतीय विमानन उद्योग की तीव्र प्रगति को प्रदर्शित करने का भी एक सुनहरा मौका है। एयर शो के दौरान तेजस अपना प्रदर्शन दिखाएगा। सारंग हेलीकॉप्टर अपने बारे में जानकारी प्रस्तुत करेगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इसके बारे में जान सकें। भारत का हल्का लड़ाकू विमान दुनिया के कई देशों की पसंद है। इसकी खूबियों के चलते कई अफ्रीकी और एशियाई देशों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई है।

इसीलिए इस एयर शो में दुनिया के देशों का भारत के लड़ाकू विमान 'तेजस' और जंग में खास काम आने वाले खतरनाक 'ध्रुव' पर खास फोकस रहेगा। तेजस विमान भारत के विमानन इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सबसे बड़ी खासियत है कि ये विमान एक साथ 10 टारगेट को ट्रैक करते हुए हमला कर सकता है। इसे टेकऑफ के लिए ज्यादा बड़े रनवे की जरूरत नहीं होती। यह समुद्र तल से लेकर हिमालय की ऊंची ऊंचाइयों पर संचालन के लिए एक आदर्श है।

भाजपा महिला मोर्चा ने फूंका नीतीश कुमार का पुतला

गाजियाबाद, (हि.स.)। जनसंख्या नियंत्रण के संबंध में विवादास्पद बयान से आक्रोशित भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने गुरुवार को घंटाघर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला फूंका। इस दौरान महिला कार्यकताओं ने नीतीश के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकताओं ने नीतीश के बयान को शर्मनाक एवं अश्लील बताया। महिला मोर्चा की उत्तर प्रदेश इकाई के आह्वान पर महिला मोर्चा के महानगर पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने घंटाघर रामलीला मैदान में एकत्रित होकर नीतीश कुमार के बयान का विरोध करते हुए पुतला फूंका। क्षेत्रीय मंत्री डॉ उदिता त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लायक नहीं हैं। यदि उनमें थोड़ी भी शर्म बाकी हो तो उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। महानगर महामंत्री रेनू चंदेला ने कहा किसी राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा सदन में की गई ऐसी फूहड़ टिप्पणी जनता दल यूनाइटेड की महिला विरोधी मानसिकता को प्रदर्शित करता है। इस अवसर पर महानगर उपाध्यक्ष रनीता सिंह, सुनीता नागपाल, प्रीति चंद्रा, ऋचा भदौरिया, लवली कौर, वर्षा हजेला, पूनम सिंह पार्षद, अंजली, ऋषिका, पुष्पा पांडे, वंदना, सीमा सिंह, सीमा त्यागी, कुंती, अनिता, कांता, बबीता पाल, विनीता पाल आदि भारी संख्या में महिला मौजूद रहीं।

लखनऊ में आयुर्वेद दिवस पर निकाली गयी मोटरसाइकिल रैली

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में आयुर्वेद दिवस की आठवीं तिथि पर आयुष चिकित्सकों, युवाओं, समाजसेवी संस्थाओं के लोगों ने संयुक्त रुप से मोटरसाइकिल रैली निकाली। मोटरसाइकिल रैली को आयुष राज्यमंत्री डा.दयाशंकर मिश्र ने हरी झंडी दिखायी। मोटरसाइकिल रैली में सम्मिलित हुए युवाओं से आयुष राज्यमंत्री डा.दयाशंकर ने कहा कि विश्व के पटल पर आयुर्वेद ने अपनी पहचान बनायी है। आयुर्वेद से जटिल बीमारियों को समाप्त किया गया है। आयुर्वेद को जीवन में उतार चुके युवाओं को बीमारी होती ही नहीं है। आयुष विभाग उत्तर प्रदेश के अधिकारी आयुर्वेद से जुड़ी योजनाओं को लोगों की सुविधाओं के लिए पहुंचा रहे हैं। हर दिन, हर किसी के लिए आयुर्वेद उपलब्ध है। आयुष विभाग की प्रमुख सचिव लीना और जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने भी आयुर्वेद के फायदे बताये। जिलाधिकारी सूर्यपाल ने कहा कि आठवें आयुर्वेद दिवस की पूर्व संध्या पर आयुर्वेद के प्रति जन जागरूकता के लिए मोटरसाइकिल रैली निकाली गयी है। इस रैली के माध्यम से आयुर्वेद से लोगों को जोड़ने का प्रयास है। रैली में आये तमाम नौजवानों ने आयुष विभाग की चल रही योजनाओं से जन जन को मिल रहे फायदे को साझा किया। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी और होम्योपैथी की चिकित्सा पद्धति से लाखों लोगों का उपचार हुआ है और वे स्वस्थ्य हैं।

श्री काशी विश्वनाथ धाम में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने लगाई हाजिरी

वाराणसी, (हि.स.)। केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने श्री काशीपुराधिपति के दरबार में हाजिरी लगाई। बुधवार की देर शाम केन्द्रीय मंत्री बाबतपुर एयरपोर्ट से सीधे बाबा के दरबार में शयन आरती में शामिल हुए। केन्द्रीय मंत्री ने मंदिर के गर्भ गृह के पश्चिमी द्वार पर खड़े होकर बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग को प्रणाम किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। दर्शन पूजन के पश्चात केंद्रीय मंत्री को कमिश्नर कौशल राज शर्मा ने अंग वस्त्र, रुद्राक्ष की माला और प्रसाद भेंट की। इसके बाद मंदिर में दर्शनार्थियों की सुविधाओं के बारे में उनको अवगत कराया। मंदिर से केंद्रीय मंत्री गंगा घाट स्थित भैरव द्वार पर पहुंचे। जहां बजरे पर बैठ कर उन्होंने लाइट एंड साउंड शो को देखा। ललिता घाट और भैरव गेट पर लगाए गए शो में मां ललिता गौरी के इतिहास और श्री काशी मंदिर से लेकर विश्वनाथ धाम बनने तक का सफर को इसमें दशार्या गया। केंद्रीय मंत्री ने पूरे धाम को देखने के बाद देर रात एयरपोर्ट को रवाना हो गए। इस दौरान जिलाधिकारी एस. राज लिंगम, मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार वर्मा सहित अन्य अफसर भी मौजूद रहे।

झारखंड स्थापना दिवस 15 नवंबर को, मुख्यमंत्री करेंगे कई योजनाओं का ऐलान

रांची, (हि.स.)। झारखंड स्थापना दिवस 15 नवंबर को है। राज्य सरकार अपने कार्यकाल के चौथे वर्ष में झारखंड के 25वें स्थापना दिवस को समारोहपूर्वक, भव्य एवं आकर्षक तरीके से मनाएगी। इसकी तैयारी भी शुरू हो चुकी है। इस स्थापना दिवस पर होनेवाले समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कई तरह की योजनाओं का एलान करेंगे। इसकी भी तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इन योजनाओं का होगा ऐलान

-खाद्य आपूर्ति विभाग की ओर से गरीबों की दाल वितरण योजना 15 नवंबर से शुरू करने की तैयारी है।

-झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम अभियान-3 की शुरूआत करेंगे।

- अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के साथ सरकार एमओयू करेगी। अजीम प्रेमजी विवि एक ही कैंपस में तकनीकी शिक्षा से लेकर मेडिकल, बिजनेस आदि की सुविधा देगी।

-रांची स्मार्ट सिटी परिसर में अपोलो मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल चेन्नई की आधारशिला रखी जाएगी, जहां पहले चरण में ओपीडी शुरू होगी। बाद में 250 बेड का अस्पताल बनेगा।

-रांची में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगायी जाएगी। लाभुकों को ऑन स्पॉट लाभ देने की सुविधा भी होगी। जिलों में भी प्रदर्शनी लगेगी।

-राज्य सरकार ने अपने कर्मियों की कार्यक्षमता में वृद्धि के लिए प्रशिक्षण नीति 2023 तैयार की है। इसकी घोषणा की तैयारी है।

-झारखंड आंदोलनकारियों के लिए विशेष पैकेज का ऐलान होगा। अब तक चिन्हित आंदोलनकारियों को सरकार सम्मानित कर सकती है, उन्हें सम्मान राशि भी मिल सकती है।

- इस बार राज्य गठन का 24 साल खत्म होकर 25 वें साल में प्रवेश करेगा। इसलिए इस बार जिला एवं प्रखंड वार स्थापना दिवस मनाने की भी तैयारी चल रही है।

-सभी चौक चौराहों की होगी आकर्षक विद्युत सज्जा।

इस बार स्थापना दिवस समारोह के दौरान शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, सचिवालय, स्वतंत्रता सेनानियों, झारखंड के शहीदों के नाम से बने चौक को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। इसकी विशेष तैयारी नगर निगम और जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है।

सिमरिया पहुंचे विदेशी सैलानियों ने कहा ''धन्य है भारत और अद्भुत है सनातन धर्म''

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के बेगूसराय जिला में मिथिला और मगध के संगम स्थल सिमरिया गंगा धाम में लगे कुंभ ने एक नया इतिहास रच दिया है। कुंभ के द्वितीय शाही पर्व स्नान के अवसर पर गुरुवार को सिमरिया में ना केवल देश के सनातन धर्मावलंबियों की भीड़ जुटी। बल्कि विदेश से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। सिमरिया में कल्पवास कर रहे पड़ोसी देश नेपाल के सैकड़ो श्रद्धालु सहित विशेष पर्व स्नान के लिए आए बड़ी संख्या में नेपाली श्रद्धालुओं ने जहां गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। वहीं, विशेष क्रूज से फ्रांस, जर्मनी, इटली, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के भी 20 पर्यटक पहुंचे। इन लोगों ने ना केवल गंगाजल से मंत्र स्नान किया, बल्कि कुंभ और कल्पवास मेल पर क्षेत्र का भी भ्रमण किया। विदेश से कुंभ के पावन अवसर पर पहुंचे पर्यटकों ने कहा कि धन्य है भारत और धन्य हैं भारत के सनातन धर्मावलंबी जो किसी ना किसी पावन अवसर पर एकत्रित होते हैं। धन्य है भारत की यह भूमि जिसे खुद पापनाशनी मां गंगा ने सींचा है। भारत में बहुत जगह भ्रमण किया, लेकिन आज सिमरिया आने का मौका मिला, यहां लगा कुंभ अद्भुत है। उन्होंने कहा कि सिमरिया गंगा धाम पर्यटन के हिसाब से एक अच्छी जगह है, इसका और समुचित विकास होना चाहिए। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि सिमरिया जैसे स्थल का भ्रमण करने का मौका मिला।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अच्छे व्यक्तित्व के व्यक्ति हैं, भारत को उन पर गर्व होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की डिफेंस नीति काफी अच्छी है। इन लोगों ने कहा कि भारत के हरिद्वार और वाराणसी में गंगा तट पर काफी भीड़ होती थी। आज सिमरिया में भी अद्भुत भीड़ देखा है, सिमरिया अद्भुत है। सिमरिया धाम में लगने वाले अगले कुंभ में परिजनों के साथ आएंगे। कोलकाता की ओर से आए इन सभी सैलानियों का स्वामी चिदात्मन जी ने अंग वस्त्र से स्वागत किया। इसके बाद सिमरिया घाट बाजार का भ्रमण करते हुए सभी विदेशी सैलानी पटना की ओर रवाना हो गए। वहीं, दूसरी ओर स्पेशल जहाज के सिमरिया पहुंचते ही गोताखोर टीम के अनिल सहित सभी सदस्य मोटर बोट के साथ इन लोगों की निगरानी में रहे तथा गंगा के अगले टर्निंग पॉइंट तक जाकर छोड़ा। वहीं, इन लोगों को देखने के लिए भी भारी भीड़ जुटी रही।

उप्र के 'ज्योग्राफिकल इनफॉर्मेशन सिस्टम' को और मुस्तैद बनाएगी योगी सरकार

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के ज्योग्राफिकल इनफॉर्मेशन सिस्टम (जीआइएस) को और चाक-चौबंद व मुस्तैद बनाने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसके लिए एक विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है, जिसके जरिए उत्तर प्रदेश में सर्वे, डिजिटलाइजेशन व मैपिंग जैसी 17 से ज्यादा प्रक्रियाओं के एकीकृत सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट का कार्य प्रारंभ हो गया है। इस दिशा में, श्रीट्रॉन इंडिया लिमिटेड (एसआईएल) को सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट का जिम्मा सौंपा गया है, जिसने अपने यहां इंपैनल्ड सॉफ्टवेयर कंपनियों से रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल के जरिए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि श्रीट्रॉन इंडिया लिमिटेड उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक सार्वजनिक क्षेत्र की आईएसओ 9001: 2008 कंपनी के तौर पर कार्यरत है। श्रीट्रॉन इंडिया लिमिटेड राज्य की विभिन्न सरकारी एजेंसियों के लिए हार्डवेयर, नेटवर्किंग, सॉफ्टवेयर और आईटी समाधानों के कार्यान्वयन, आईटी प्रशिक्षण और अन्य संबंधित कार्यों जैसे आईटी व आईटीईएस परियोजनाओं को पूर्ण करने लिए भी श्नोडल एजेंसीश के तौर पर कार्यरत है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि श्रीट्रॉन इंडिया लिमिटेड को जिस विशिष्ट एकीकृत सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट का कार्य सौंपा गया है। वह कई खूबियों से लैस होगा। माना जा रहा है कि प्रदेश की ज्योग्राफिकल इनफॉर्मेशन सिस्टम को अधिक सुविधाजनक व आसान बनाने के लिए बनने वाला यह सॉफ्टवेयर सर्वे, डिजिटलाइजेशन व मैपिंग जैसी 17 से ज्यादा प्रक्रियाओं को पूर्ण करने में सक्षम होगा। जीआईएस सर्वे के लिहाज से यह सॉफ्टवेयर बिजली के खंभों, सड़कों, हैंडपंप, सबमर्सिबल पंप, कुएं, सरकारी प्रतिष्ठान, बस अड्डे व रेलवे स्टेशन आदि के आंकड़ों का संकलन करेगा। वहीं, नगर पालिका परिषद के अंतर्गत घरों, ब्लॉकों व शहरी सीमाओं के निर्धारण व डोर टू डोर प्रॉपर्टी सर्वे जैसी प्रक्रियाओं को पूर्ण करने में सक्षम होगा। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन प्रॉपर्टी डिटेल सॉफ्टवेयर के तौर पर फॉर्म्स पर प्राइमरी डेट भरने, अंकित डाटा को सही प्रकार से संचित रखने, रिपोर्ट्स संकलन व खोज में सक्षम होगा। इसके अलावा, इस सॉफ्टवेयर सैटेलाइट इमेजिंग का भी इस्तेमाल किया जाएगा जिससे मैपिंग की प्रक्रिया को रियलटाइम में एक्सेस करने में मदद मिलेगी। प्रवक्ता ने बताया कि श्रीट्रॉन इंडिया लिमिटेड (एसआईएल) को 1 फरवरी 1979 को कंपनी अधिनियम 1956 के तहत एक कंपनी के रूप में अपट्रॉन श्रीट्रॉनिक्स लिमिटेड के नाम से निगमित किया गया था। बाद में 24 अप्रैल 1984 को कंपनी का नाम बदलकर श्रीट्रॉन इंडिया लिमिटेड कर दिया गया। उन्होंने बताया कि श्रीट्रॉन इंडिया लिमिटेड डीबीटी व अन्य परियोजनाओं (जहां आधार प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है) के लिए आधार प्रमाणीकरण सेवाओं (एयूए/केयूए) के लिए भी राज्य नोडल एजेंसी के तौर पर भी काम करती है।

अयोध्या में डेढ़ सौ करोड़ से बनेगा मेगा फाउंटेन

- देश विदेश के पर्यटकों को लुभाएगा अयोध्या का मेगा फाउंटेन

अयोध्या, (हि.स.)। योगी सरकार ने अयोध्या में एक मेगा फाउंटेन पार्क की स्थापना करने का निर्णय लिया है। मंडलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि इसकी स्थापना के लिए विकास प्राधिकरण द्वारा कार्यादेश जारी किया गया है। इस पार्क की लागत लगभग 150 करोड़ होगी जो राजस्व शेयरिंग मॉडल के तहत स्वयं एजेंसी द्वारा वहन किया जाएगा। इस प्रस्तावित मेगा फाउंटेन पार्क में पानी, प्रकाश और ध्वनि के मनोरम मिश्रण के माध्यम से आगंतुकों का आध्यात्मिक अनुभव बढ़ाया जाएगा। यह मेगा फाउंटेन पार्क नवीनता, भव्यता, श्रद्धा, आध्यत्मिकता और आधुनिकता का एक विशिष्ट प्रतीक होगा, जो शहर के समग्रता को समृद्ध करेगा तथा इस फाउंटेन पार्क की वास्तुकला भारत के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुष्प कमल के फूल के आकार से प्रेरित होगी, जो भारतीय संस्कृति की सात प्रतिष्ठित पवित्र नदियों के रूप में फूल की सात पंखुड़ियों पर आधारित होंगी।

राज्य में पर्व-त्योहार पर पटाखे फोड़ने का समय निर्धारित

रांची, (हि.स.)। झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद ने पटाखे फोड़ने का समय तय किया है। दीपावली पर्व पर रात 8-10 तक पटाखे चलाने की इजाजत होगी। छठ में सुबह छह से आठ बजे तक ही ऐसा संभव होगा। क्रिसमस और नव वर्ष के दिन मध्य रात्रि 11.55 से 12.30 बजे तक पटाखे दागे जा सकते हैं। सदस्य सचिव यतींद्र कुमार दास ने गुरुवार को बताया कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी, नई दिल्ली) ने वायु प्रदूषण की रोकथाम के संबंध में आदेश जारी कर रखा है। इसके आधार पर प्रदूषण नियंत्रण परिषद अपनी शक्तियों का उपयोग करेगा। ऐसे में जरूरी है कि दीपावली के दिन लोग शाम के आठ बजे से रात 10 बजे तक ही पटाखे फोड़ें। इसके अलावा छठ, क्रिसमस, नव वर्ष आदि त्योहारों के समय भी पटाखे मात्र दो घंटे चलाए जाएंगे। इस निर्देश के उल्लंघन पर आईसीसी की धारा 188 एवं वायु प्रदूषण निवारण और नियंत्रण एक्ट 1981 की धारा 37 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के तहत विधि सम्मत कार्रवाई जिले के डीसी स्तर से की जाएगी। परिषद के मुताबिक झारखंड के सभी जिलों के शहरी क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता स्तर इस वर्ष अच्छी या संतोषप्रद स्थिति में है। ऐसे में वायु गुणवत्ता बनाए रखने के लिहाज से ऐसे ही पटाखों की बिक्री यहां होगी जिनकी ध्वनि सीमा 125 डीबी (ए) से कम हो।

ईडी कार्यालय पहुंचे केंद्रीय कारागार के जेल अधीक्षक, पूछताछ शुरू

रांची, (हि.स.)। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के जेल अधीक्षक हामिद अख्तर गुरुवार को रांची के हिनू स्थित ईडी कार्यालय में उपस्थित हुए। ईडी के खिलाफ साजिश रचने के मामले में ईडी के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मंगलवार को ईडी ने जेल के हेड क्लर्क से पूछताछ की थी। इसके बाद बुधवार को जेलर नसीम खान से पूछताछ की थी। ईडी ने इस मामले में बीते छह नवम्बर को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के जेल अधीक्षक हामिद अख्तर, जेलर नसीम खान और हेड क्लर्क मो. दानिश को समन भेजा था। ईडी ने सात को हेड क्लर्क, आठ को जेलर और नौ नवम्बर को जेल अधीक्षक को पूछताछ के लिए ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने को कहा था।

भाजपा-राजद विधायक के बीच विधानसभा के बाहर जोरदार बहस

पटना, (हि.स.)। बिहार विधानसभा में शीतकालीन सत्र के चौथे दिन गुरुवार को भाजपा विधायक कुंदन कुमार की राजद विधायक विजय मंडल से विधानसभा के बाहर जमकर बहस हो गई। इसी दौरान कुंदन सिंह ने यह सुझाव दे डाला कि आपलोग अब विधानसभा में कंडोम का प्रचार कराइए। राजद विधायक विजय मंडल और भाजपा विधायक कुंदन कुमार के बीच बहस की शुरूआत आरक्षण के मुद्दे को लेकर हुई। दोनों विधायक सदन से बाहर आए तो इसी मुद्दे पर एक दूसरे से बहस करते नजर आए। इस दौरान राजद विधायक ने आरोप लगाया कि मंडल कमीशन की सिफारिश लागू होने के बाद भाजपा ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। इसका कुंदन कुमार ने प्रतिकार किया। दोनों के बीच जोरदार बहसबाजी खुले आसमान के नीचे होने लगी। इसी दौरान कुंदन कुमार ने कहा कि राजद विधायक विजय मंडल को कुछ जानकारी नहीं है। सच्चाई यह है कि वीपी सरकार द्वारा मंडल कमिशन की सिफारिश को लागू करते समय भाजपा ने समर्थन दिया था। जब भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को बिहार में गिरफ्तार किया गया तब भाजपा सरकार से अलग हुई लेकिन राजद वाले गलत बयानबाजी कर रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने सीएम नीतीश के सेक्स ज्ञान प्रकरण पर कटाक्ष करते हुए राजद विधायक को कहा कि जाइये आपलोग अब विधानसभा में कंडोम का प्रचार कराइए।

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री समेत भाजपा नेताओं ने आशुतोष टण्डन के निधन पर जताया शोक

लखनऊ, (हि.स.)। उ.प्र. सरकार के पूर्व मंत्री एवं लखनऊ पूर्व के विधायक आशुतोष टंडन गोपालजी के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत सरकार के अनेक मंत्रियों व भाजपा के नेताओं ने शोक जताया है। योगी आदित्यनाथ ने शोक प्रकट करते हुए लिखा कि आशुतोष टण्डन का निधन अत्यंत दुःखद है। एक जनप्रिय, कर्मठ, जुझारू राजनेता के रूप में वे सदैव याद किए जाएंगे। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने अपने शोक संदेश में कहा है कि यह हमारी निजी क्षति है। आशुतोष टण्डन के निधन से प्रदेश की राजनीति में शून्यता आई है। मैं जो महसूस कर रहा हूं, उन भावों को शब्दों से वर्णन नहीं कर सकता हूं। वरिष्ठ भाजपा नेता व उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर लिखा कि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं लखनऊ पूर्वी विधानसभा क्षेत्र से लोकप्रिय वर्तमान विधायक आशुतोष टंडन "गोपाल" के असामयिक निधन से अत्यंत दुःखी हूँ। प्रदेश और पार्टी की सेवा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले जननेता के रूप में उनका निधन हमारी पार्टी तथा राजनीतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने एक्स पर लिखा कि आशुतोष टंडन 'गोपालजी' के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायी है। टंडन जी अपने कर्तव्यनिष्ठता, सादगी, सरलता और ऊर्जावान नेता के रूप सदैव याद किये जाते रहेंगे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश और पार्टी की सेवा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले जननेता के रूप में उनका निधन हमारी पार्टी तथा राजनीतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतृप्त परिजनों व समर्थकों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने एक्स पर लिखा कि आशुतोष टण्डन का जाना हम सभी के लिए अपूर्णीय क्षति है, उनकी जनसेवा व भाजपा के प्रति अतुलनीय योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि गोलोकवासी पुण्यात्मा को शांति तथा परिजनों व समर्थकों को संबल प्रदान करें।

सीआईडी ने 95 लाख की साइबर ठगी मामले में आरोपित को किया गिरफ्तार

रांची, (हि.स.)। अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने 95 लाख दो हजार रुपये की ठगी करने के मामले में एक साइबर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपित जीवन गोपीनाथ गलधर महाराष्ट्र के औरंगाबाद का रहने वाला है। इसके पास से दो मोबाइल, दो सिम कार्ड, चार एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड, एक पैन कार्ड, दो क्रेडिट कार्ड, एक पासपोर्ट, ताइवान डॉलर 3,300 और 48,400 रुपये बरामद किया गया। साथ ही ठगी किए गए 67 लाख रुपये को फ्रिज करवा दिया गया है। सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने सीआईडी मुख्यालय में गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि धनबाद जिले के साइबर क्राइम थाने में पांच जुलाई को ठगी को लेकर प्राथमिकी की दर्ज कराई गई थी। इस मामले में जीवन साथी डॉट कॉम पर उपलब्ध एक प्रोफाइल में संपर्क किया गया। उन्हें क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर अधिक पैसा कमाने के लिए कहा। इसके लिए पीड़ित को एक फर्जी वेबसाइट पर रजिस्टर्ड करने को कहा गया। फिर फर्जी वेबसाइट से अलग-अलग बैंक खाताओं में यूपीआई के माध्यम से पैसे डालने को कहा गया। पीड़ित को फर्जी वेबसाइट पर प्रॉफिट दिखाया जाता था। जांच के क्रम में इस फर्जी वेबसाइट का मूल स्थान हांगकांग, चाइना और कंबोडिया में पाया गया। फाइनेंशियल ट्रायल एनालिसिस में फेक कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड महाराष्ट्र, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के बैंक के खाता पाए गए। इसमें करोड़ों रुपये के ट्रांजेक्शन किए गए थे। पीड़ित से कुल 95 लाख 2000 का साइबर ठगी कर लिया गया। इसमें सीआईडी की ओर से त्वरित कार्रवाई करते हुए 67 लाख रुपये को फ्रिज करवाया गया। डीजी ने बताया कि अनुसंधान के क्रम में संलिप्तता के बिंदु पर अनुसंधान करते हुए भारतीय अपराध समन्वय केंद्र, केंद्रीय गृह मंत्रालय और महाराष्ट्र की साइबर पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करते हुए घटना में शामिल साइबर अपराधी के ठिकाने का पता चला, जो ताइवान में रहकर चीन के नागरिक के साथ मिलकर भारत के मूल अकाउंट का बंदोबस्त करता था। उन्होंने बताया कि पार्ट टाइम जॉब और क्रिप्टो करेंसी फ्रॉड के माध्यम से आए पैसों को यह भारत से बंदोबस्त किए गए विभिन्न खातों में मंगवाता था और उन पैसे को क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज पर विभिन्न ब्लाकचेन वॉलेट एड्रेस पर भेज दिया करता था। इस अपराधी के खिलाफ लुक आउट नोटिस निर्गत किया गया और जब यह ताइवान से भारत आया तो इसे महाराष्ट्र में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पूर्व में इस मामले में इसके दो सहयोगी प्रतीक संतोष रावत और अभिषेक तुबे को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया जा चुका है।

प्रधानाध्यापकों को नेतृत्व क्षमता संवर्द्धन में सहयोग करेगा एससीईआरटी की हस्त पुस्तिका

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के प्रारंभिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक के 80 हजार सरकारी स्कूल में कार्यरत प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व क्षमता संवर्द्धन में सहयोग के लिए एससीईआरटी बिहार द्वारा प्रधानाध्यापक हस्तपुस्तिका विकसित किया गया है। यह प्रधानाध्यापक हस्तपुस्तिका राज्य के सभी प्रारंभिक से उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व क्षमता संवर्द्धन में काफी सहायक सिद्ध होंगे। यू-ट्यूब के लाइव सेशन में इस हस्तपुस्तिका का अनावरण करते हुए एससीईआरटी के निदेशक डॉ. सज्जन आर ने कहा कि लंबे समय से राज्य के विद्यालय प्रधानों को विद्यालय के नियमन, प्रबंधन एवं संचालन के लिए उपयुक्त एवं मार्गदर्शक हस्तपुस्तिका की आवश्यकता महसूस हो रही थी। एससीईआरटी की संयुक्त निदेशक डॉ. रश्मि प्रभा के निर्देशन में शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों की टीम ने निष्ठा से काम करते हुए काफी कम समय और संसाधन में यह हस्तपुस्तिका तैयार की है। निदेशक डॉ. सज्जन ने कहा है कि विद्यालय के सुव्यवस्थित संचालन में प्रधानाध्यापक की जिम्मेवारी काफी महत्वपूर्ण होती है। एक प्रधानाध्यापक, विद्यालय स्तर पर सभी तरह के कार्यों, निर्णयों, कार्रवाइयों से और व्यवस्थाओं के लिए सर्वाधिक जवाबदेही का निर्वहन करने वाला प्रशासनिक पद है। यह हैंडबुक उन्हें अपने अधिकारों, दायित्वों और कर्तव्यों के प्रति हमेशा ना केवल सजग रखेगा, बल्कि समय समय पर सम्यक मार्गदर्शन के लिए हमेशा उनके साथ भी रहेगा। एससीईआरटी के संयुक्त निदेशक डॉ. रश्मि प्रभा ने पूरे बिहार के विद्यालय प्रमुखों का आह्वान करते हुए कहा है कि अभी यह हस्त पुस्तिका ड्राफ्ट प्रारूप में सबों के बीच अवलोकन, अध्ययन तथा आवश्यक सुझावों के लिए एससीईआरटी की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया गया है। सभी विद्यालय प्रधान इस हैंडबुक प्रारूप का अध्ययन कर निदेशक एससीईआरटी के ईमेल पर अपने सुझाव अगले माह तक दे सकते हैं। ड्राफ्टिंग टीम सुझावों का अध्ययन कर हस्तपुस्तिका को अंतिम रूप प्रदान करेगी। ड्राफ्टिंग टीम के सदस्य राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित प्रधानाध्यापक हरिदास शर्मा (कैमूर), व्याख्याता पप्पू हरिजन (मुंगेर), अनिल कुमार (कैमूर) एवं गुड्डी कुमारी (किशनगंज), बेहतर विद्यालयी व्यवस्था का राज्य में उदाहरण प्रस्तुत करनेवाले प्रधानाध्यापक आलोक कुमार (नालंदा), उमाकांत कुमार (बांका), मुदित कुमार (मुंगेर), चंचला कुमारी (छपरा), रंजन कुमार (बेगूसराय), राजकीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित रविरौशन कुमार (दरभंगा), एसआरजी से जुड़े टीओबी के फाउंडर शिव कुमार ने विषय संदर्भों पर विचार रखे। ड्राफ्टिंग टीम में बेगूसराय से शामिल मध्य विद्यालय बीहट के प्रधानाध्यापक रंजन कुमार सहित सभी सदस्यों ने एससीईआरटी की इस पहल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि विद्यालय के नियमन प्रबंधन और संचालन में ढ़ेर सारी जटिल समस्याएं आती है। इनके सरल समाधान तक पहुंचने में काफी मददगार साबित होनेवाली अपनी तरह की पहली हस्तपुस्तिका का प्रकाशन बहुत ही गर्व की बात है। एससीईआरटी की वेबसाइट पर एक क्लिक में विद्यालय व्यवस्था से जुड़े कोई भी हितधारक इसे डाउनलोड कर सकते हैं।

संपादकीय

समाज से कानून की मुठभेड़

बदलते सामाजिक व्यवहार से हिमाचल पुलिस का मुकाबला अगर यूं ही कानून व्यवस्था को गच्चा देता रहा, तो सुकून की ये गलियां नहीं बचेंगी। कानून के दायरे और परिभाषा को गढ़ते पुलिस इंतजाम ने मान लिया कि एक भोला-भाला हिमाचल उसकी नोक के नीचे रहेगा, लेकिन अब मसले परेशान करने लगे हैं। समाज अब सामुदायिक संगत से बाहर निकल कर अपने मनोरथ के लिए निरंकुश हो रहा है। यह समाज अब 'मुंडू' नहीं, प्रगति की हर स्पर्धा में संसाधनों की प्राप्ति के लिए नए कदम रखने लगा है। जीवन के संघर्ष हिमाचल में भी बदले हैं और बदला है आर्थिकी का संचार, इसलिए रियल एस्टेट अपनी छेनी से पर्वत को काट रहा है। जमीनों के सौदे और सौदों की तहजीब में सत्ता, राजनीति, बड़े संपर्कों की कानाफूसी तथा प्रभाव का अधिकार बढ़ रहा है। संतोषगढ़ में बारात के स्वागत में सजी महफिल खून की लकीरें खींच देती है, तो वहां संघर्ष ऐसे अहंकार से पैदा होता जो सार्वजनिक चरित्र में खूंखार वर्चस्व का प्रदर्शन बन जाता है। नगरोटा बगवां में दो भाइयों के बीच गोलीबारी से धरती लाल हो गई, तो इसका अर्थ यह भी है कि हमारा संघर्ष अब घातक इरादे रखता है या हम कानून की परिभाषा से ऊपर अपने दिलो दिमाग में •हर रखते हैं। ऐसे अनेकों अपराधों के बीच हमारी उपलब्धियों का एक भयानक चेहरा समाज के भीतर भोलेपन का चीरहरण कर रहा है। दूसरी ओर सियासी दखल ने समाज के बीच अगर अपने लठैत पैदा किए, तो पुलिस की निष्पक्षता को निकम्मा बना दिया। सवाल तो अब कानून व्यवस्था से ऊपर उठकर न्याय की प्रक्रिया तक लाचार मजमून हो गए। यह इसलिए भी कि समाज अपने सामने के अति निर्लज्ज व घातक घटनाक्रम के किनारे हो गया। पिछले तीन दशक में आई संपन्नता की मीनारों पर कई संदेहों के छींटे हैं और अगर इन्हीं बुलदियों पर समाज का एक हिस्सा बेकाबू हो रहा है, तो मुर्दाघरों में पहाड़ी परंपराओं की चीख कौन सुनेगा। पालमपुर-धर्मशाला के एक व्यवसायी द्वारा शुरू हुआ न्याय का संघर्ष उस संघर्ष से ऊपर है, जो एक आम हिमाचली के सपनों में पिघल कर पसीना बनता है, लेकिन यह पहला अवसर है जब एक व्यक्ति के तमाम गिले पुलिस व्यवस्था के सर्वेसर्वा से हैं। इस तनातनी को हम न झुठला सकते हैं और न ही पचा सकते। आरोप लगाने वाला न तो हवा में तीर मारने का संकेत दे रहा है और न ही कानून व्यवस्था पर उठे प्रश्न अतार्किक हैं। कुछ तो है इस धुएं के पीछे, वरना आसमां यूं ही काला न•र न आता। यहां सीधे प्रश्न पुलिस विभाग के मुखिया से हैं और जवाब सुक्खू सरकार को देना पड़ेगा। बेशक अब कानून के हिसाब में भी खेल बहुत है, मगर न•रों में जो आए इंकलाब वही है। कानून से जिरह अगर कानून की बस्ती में होने लगे, तो हर अंधेरे से पूछना पड़ेगा कि आखिर पहरेदार सो कहां रहा। यहां कानून की रक्षक हिमाचल सरकार को होना पड़ेगा ताकि व्यवसायी के आरोपों की सच्चाई सामने आए। आरोपों की सत्यता अभी साबित होनी है, लेकिन व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता में पुलिस का व्यवहार एकपक्षीय हो जाए या किसी एक का सहयोगी न•र आए तो आने वाले दिन समाज के सांचे में भी सौदेबाजी करेंगे। हिमाचल की आर्थिक प्रगति से जुड़ी चुनौतियों में संगठित हो रहे आपराधिक तत्वों को समझना होगा। कारोबार, उद्योग, पर्यटन व छोटे-छोटे व्यवसायों में सपनों का एक नया संसार उभर रहा है, जहां बैंकिंग क्षेत्र, सरकारी अनुमतियां व कानून व्यवस्था की देखरेख जरूरी है। साइबर अपराधों के साथ-साथ प्रदेश में परिवहन की दृष्टि से भी पुलिस की भूमिका बदल रही है। कम्युनिटी पुलिसिंग, ट्रैफिक नियंत्रण के अलावा पर्यटन की दृष्टि से स्मार्ट पुलिस बल की परिभाषा को मुकम्मल बनाने के लिए संवेदनशीलता, आधुनिक गतिशीलता, नियुक्तियों में पारदर्शिता तथा पुलिस-पब्लिक रिलेशन में निखार की अति आवश्यकता है। पुलिस व्यवस्था के शिखर संबोधन राजधानी शिमला से जो कहते हैं, उससे कहीं अलग अंतरराज्यीय सीमाओं पर स्थितियां बदल रही हैं। आज की तारीख में पर्यटन स्थलों, व्यावसायिक व धार्मिक स्थलों एवं शहरीकरण को जिस तरह की सतर्कता में पुलिस व्यवस्था चाहिए, उसका इंतजाम करना होगा। बहुत सारे पुलिस के पद शिमला में अव्यावहारिक व अप्रासंगिक हो चुके हैं, जिन्हें नई चुनौतियों के तहत विकेंद्रीकृत करना होगा। नगर निगम क्षेत्रों के लिए पुलिस आयुक्तालय तथा सीमांत चौकसी के लिए बीबीएन में एक अतिरिक्त डीजीपी का पद सृजित करके इसके तहत पांवटा साहिब, कालाअंब से आगे बीबीएन, ऊना तथा कांगड़ा के नूरपुर तक की जिम्मेदारी सुनिश्चित करनी होगी।

जीवन के संघर्ष हिमाचल में भी बदले हैं और बदला है आर्थिकी का संचार, इसलिए रियल एस्टेट अपनी छेनी से पर्वत को काट रहा है। जमीनों के सौदे और सौदों की तहजीब में सत्ता, राजनीति, बड़े संपर्कों की कानाफूसी तथा प्रभाव का अधिकार बढ़ रहा है। संतोषगढ़ में बारात के स्वागत में सजी महफिल खून की लकीरें खींच देती है, तो वहां संघर्ष ऐसे अहंकार से पैदा होता जो सार्वजनिक चरित्र में खूंखार वर्चस्व का प्रदर्शन बन जाता है। नगरोटा बगवां में दो भाइयों के बीच गोलीबारी से धरती लाल हो गई, तो इसका अर्थ यह भी है कि हमारा संघर्ष अब घातक इरादे रखता है या हम कानून की परिभाषा से ऊपर अपने दिलो दिमाग में •हर रखते हैं। ऐसे अनेकों अपराधों के बीच हमारी उपलब्धियों का एक भयानक चेहरा समाज के भीतर भोलेपन का चीरहरण कर रहा है।

कुछ अलग

'डीपफेक' के भयानक खतरे

फिल्म अभिनेत्रियों रश्मिका मंधाना औा कैटरीना कैफ के 'डीपफेक' वीडियो बनाकर दुनिया भर में जिस तरह प्रसारित किए गए, उससे लगता है कि हम, मनुष्य, कितने असहाय और असुरक्षित हैं। कृत्रिम बौद्धिकता किस तरह हमें छल सकती है और अपना शिकार बना सकती है। इस प्रौद्योगिकी पर विश्व इतरा रहा है और सार्वजनिक इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। मनुष्य अहंकार में है कि उसने एक और मानव-जाति की रचना कर ली है। वह नहीं जानता कि यह मानवता के लिए कितना खौफनाक खतरा है, संकट है! 'डीपफेक' बनाना मुश्किल नहीं है। उसके रचयिता चेहरे और आवाज की नकल करने में सक्षम हैं। यह किसी की भी गरिमा, पहचान और स्वायत्तता का ही संकट नहीं है, बल्कि इस धोखाधड़ी से राष्ट्रीय विद्रोह पनप सकता है। दो देशों के संबंधों में तनाव फैल सकता है। सांप्रदायिक दंगे फैल सकते हैं। अफवाहें एक सच बनकर समाज और देश में व्याप्त हो सकती हैं और उनके फलितार्थ कितने भी भयानक हो सकते हैं। धोखा और दुष्प्रचार एक लोकतंत्र को पलट भी सकते हैं। वित्तीय फ्रॉड किए जा सकते हैं। कुल मिलाकर राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवता के लिए गंभीर संकट पैदा हो सकते हैं। दरअसल हमें आसान और बनी-बनाई जिंदगी की आदत पड़ गई है। आखिर कृत्रिम बौद्धिकता की जरूरत ही क्या है? जब यह नहीं थी, तो क्या नए आविष्कार नहीं किए गए? क्या मनुष्य अंतरिक्ष में नहीं गया? क्या नए और सशक्त साहित्य की रचना नहीं की गई? हम स्वावलंबी थे, तो क्या हमारी हड्डियां, बाहें-टांगें टूट गई थीं? आज इतने पराश्रित क्यों हो रहे हैं हम? क्योंकि हम आलसी होते जा रहे हैं। उसी का गलत फायदा 'डीपफेक' जैसी प्रौद्योगिकी उठा रही है। जिसकी रचना ही 'कृत्रिम' है, वह एक जीते-जागते मनुष्य का विकल्प कैसे हो सकती है? 'डीपफेक' ने यहां तक साजिश रची थी कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को 'नकली' बनाया और सेनाओं को आदेश दिया कि वे रूसी सेनाओं के सामने आत्म-समर्पण कर दें। इस आदेश से यूक्रेनी सेना में अपने ही राष्ट्रपति के प्रति असंतोष भडक़ उठा। वक्त रहते असलियत समझ में आई और हालात पर काबू पा लिया गया। अलबत्ता 'डीपफेक' ने तो अराजकता और विद्रोह के बीज बो ही दिए थे। ब्रिटेन की एक ऊर्जा कंपनी के मुखिया नकद पैसा भेजने की धोखाधड़ी के शिकार हो गए, क्योंकि कंपनी के जर्मन सीईओ ने फोन किया था। दरअसल वह फोन कॉल ही 'डीपफेक' थी और आवाज नकली बना कर फोन किया गया था। बहरहाल अब भारत में भी नकलीपन की यह बीमारी जड़ें फैला चुकी है, लेकिन हमारे देश में कड़ी सजा की कोई कानूनी धारा नहीं है। अलबत्ता सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने निर्देश दिए हैं कि सोशल मीडिया और इंटरनेट कंपनियां, जिनमें आईटी मध्यस्थ कंपनियां भी शामिल हैं, रूल 3(2)(बी) के तहत किसी भी फर्जी वीडियो और पोस्ट को शिकायत के 24 घंटे के भीतर ही हटाएं अथवा उस तक किसी की पहुंच संभव न हो सके। मंत्रालय ने यह भी घोषणा की है कि 'डीपफेक' के दोषियों को 3 साल की अधिकतम जेल और एक लाख रुपए का आर्थिक दंड भुगतना पड़ेगा। यह अधिकतम सजा है, जिसे न्यायाधीश कम करके भी सुना सकते हैं। सवाल यह है कि एक बार किसी का 'डीपफेक' वीडियो सार्वजनिक हो गया, तो वह अल्पकाल में ही करोड़ों लोगों तक पहुंच सकता है। उसकी निजता, गरिमा, पहचान को नुकसान हो जाएगा।

उत्तर प्रदेश में अफसरशाही के चलते केवल आम आदमी ही नहीं मंत्री सांसद और विधायक भी परेशान हैं

योगी राज में विधायिका पर भारी है यूपी की कार्यपालिका

अजय कुमार

करीब साढ़े छह: साल के शासनकाल में योगी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। यह एक अच्छी बात है। जनता भी ऐसी ही सरकार चाहती है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि योगी को छोड़कर यूपी के अन्य सभी राजनेता बेईमान और भ्रष्टाचारी हैं। सभी दलों में अच्छे-बुरे दोनों किस्म के नेता मौजूद हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का भी यही 'मिजाज' है। यहां भी अन्य दलों की तरह दोनों किस्म के नेता देखने को मिलते हैं। मगर बीजेपी आलाकमान को अपने किसी भी नेता पर भरोसा नहीं है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल सख्त शासक हैं। उनकी छवि काफी साथ-सुथरी है। करीब साढ़े छहः साल के शासनकाल में योगी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। यह एक अच्छी बात है। जनता भी ऐसी ही सरकार चाहती है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि योगी को छोड़कर यूपी के अन्य सभी राजनेता बेईमान और भ्रष्टाचारी हैं। सभी दलों में अच्छे-बुरे दोनों किस्म के नेता मौजूद हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का भी यही 'मिजाज' है। यहां भी अन्य दलों की तरह दोनों किस्म के नेता देखने को मिलते हैं। मगर बीजेपी आलाकमान को अपने किसी भी नेता पर भरोसा नहीं है। यहां तक की योगी सरकार के मंत्री भी सरकारी मशीनरी के सामने 'पंख कटे' नजर आते हैं। इसकी वजह है कि बीजेपी में सभी नेताओं को एक ही तराजू में तौला जा रहा हैं। कहने को तो उसके तमाम नेता जनप्रतिनिधि होने का भी रूतबा रखते हैं, लेकिन इन्हें पूरी तरह से दंतविहीन बना दिया गया है। यह न तो कभी अपने क्षेत्र में पुलिस उत्पीड़न के शिकार लोगों के पक्ष में थाने जा सकते हैं, न शासन-प्रशासन में बैठे अधिकारी उनकी सुनते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी मशीनरी को आदेश दे रखा है कि यदि कोई बीजेपी नेता उनके पास किसी की सिफारिश लेकर आये तो उसकी बात सुनने की आवश्यता नहीं है, बल्कि अधिकारी अपने विवेक से सही गलत का फैसला लें। यह सब बातें किसी फाइल में तो नहीं कोड की गई हैं, परंतु राजनीति के गलियारों में यह चर्चा आम है कि जिस तरह से समाजवादी पार्टी की सरकार के समय उसके (सपा) सांसद/मंत्री/विधायक आदि जनप्रतिनिधि पुलिस और सरकारी मशीनरी पर दबाव बना लेते थे, वैसा दबाव बीजेपी के जनप्रतिनिधि नहीं बना पाते हैं। होता यह है कि जब भी बीजेपी का कोई नेता किसी सरकारी अधिकारी या पुलिस के पास पहुंचता है तो उसे सीएम योगी का फरमान याद दिला दिया जाता है। या यों कहें उन्हें अपमानित करके वापस भेज दिया जाता है। हालात यह है कि यूपी सरकार के अधिकारी बीजेपी के किसी भी जनप्रतिनिधि को भाव नहीं देते हैं तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास भी ऐसे नेताओं से मिलने का टाइम नहीं रहता है। इसको लेकर योगी के पिछले शासन में बीजेपी के जनप्रतिनिधियों ने विधानसभा के अंदर प्रदर्शन भी किया था,

लेकिन सीएम योगी आदित्यनाथ की अपने ही जनप्रतिनिधियों से दूरी हमेशा चर्चा में रहती है। यहां तक की दिल्ली भी इस मामले में कुछ नहीं कर पा रहा है, क्योंकि आज की तारीख में पार्टी के अंदर योगी का कद काफी बढ़ा हुआ है, इसलिए उन्हें कहीं से चुनौती भी नहीं मिलती है। इसी के चलते पीड़ितों व आम लोगों से पुलिसकर्मियों के दुर्व्यवहार के मामले तो आए दिन सामने आते रहते हैं। पुलिस अधिकारियों व कर्मियों द्वारा माननीयों से भी अच्छा व्यवहार न किए जाने की शिकायतें बढ़ रही हैं। कहने को तो सीएम योगी आदित्यनाथ अक्सर कहते मिल जाते हैं कि जनप्रतिनिधियों का पूरा सम्मान किया जाये। इस बार भी योगी द्वारा माननीयों के प्रति शिष्टाचार व अनुमन्य प्रोटोकाल का अनुपालन सुनिश्चित कराए जाने के कड़े निर्देश दिए गए हैं, लेकिन इसका असर होते नहीं दिख रहा है। उत्तर प्रदेश में अफसरशाही के चलते केवल आम आदमी ही नहीं मंत्री सांसद और विधायक भी परेशान हैं। यह लोकसेवक लम्बे समय से कार्यपालिका के चलते होने वाली अपनी परेशानी शिकायतों के रूप में सामने रखते रहते हैं। ज्ञातव्य हो, उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने इंटीग्रेटेड ग्रीवॉन्स रिड्रेसल सिस्टम लागू कर रखा है, जिसे आइजीआरएस पोर्टल के रूप में जाना जाता है। इसमें कोई भी सीधे मुख्यमंत्री से शिकायत कर सकता है। इस पोर्टल पर पिछले दो वर्षों में आम जनता के अलावा योगी के कई मंत्रियों, सांसदों और विधायकों ने भी कार्यपालिका की शिकायत दर्ज कराके अपनी लाचारी सार्वजनिक की है। जिसमें काफी चौंकाने वाली बाते सामने आई है। इन माननीयों की शिकायत से पता चलता है कि प्रदेश में तमाम अफसर आमजन तो दूर मंत्रियों, सांसदों और विधायकों की बात को भी तवज्जो नहीं देते हैं और उनके सुझाए गए कार्यों को बेहद लेटलतीफी करते हैं। इस बारे में नेता और विधायक कई बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कभी कोई हल नहीं निकल पाया। गौरतलब हो हाल ही में भी शासन व डीजीपी मुख्यालय द्वारा पुलिसकर्मियों को इसे लेकर निर्देश दिए गये हैं। प्रमुख सचिव, गृह संजय प्रसाद ने सभी पुलिस आयुक्तों, एसएसपी व एसपी को सांसदों व विधानमंडल के सदस्यों के प्रोटोकाल का अनुपालन कराए जाने को कहा हैं। उन्होंने कहा है कि शासन व संसदीय अनुश्रवण समिति के समक्ष प्रोटोकाल उल्लंघन के मामले लगातार आ रहे हैं। संजय प्रसाद द्वारा कहा गया है कि सभी अधिकारी सांसदों व विधानमंडल के सदस्यों के सीयूजी नंबर अथवा उनके द्वारा नोट कराया गया अन्य मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से अपने मोबाइल में फीड करेंगे तथा काल आने पर उसे रिसीव करेंगे। किसी बैठक में होने अथवा उपलब्ध न होने की स्थिति में काल की जानकारी होने पर प्राथमिकता पर जनप्रतिनिधि को संदेश भेजने के साथ ही काल कर बात करेंगे। जनप्रतिनिधियों द्वारा फोन पर बताए गए प्रकरणों का यथाशीघ्र निस्तारण कराकर उन्हें जानकारी भी देंगे। इसके साथ ही जिले के अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों व कर्मियों के मोबाइल पर उनके क्षेत्र के माननीय का फोन नंबर फीड कराएंगे। संजय प्रसाद द्वारा यह भी कहा गया है कि जनप्रतिनिधि यदि किसी जनहित से जुड़े कार्यों के संबंध में उनसे (अधिकारी व कर्मचारी) से भेंट करते हैं तो उनका सीट से खड़े होकर यथोचित सम्मान किया जाए.इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों से वार्ता में यदि उनके अनुरोध अथवा सुझाव को स्वीकार करने में असमर्थ हों तो अधिकारी उसके कारणों से जनप्रतिनिधियों को विनम्रतापूर्वक अवगत कराएंगे। किसी अनुचित आचरण अथवा जानबूझकर की गई गलती को दुराचरण माना जाएगा और कार्रवाई होगी. जिलों में प्रोटोकाल से जुड़े मामलों के लिए हर दो माह में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक किए जाने का निर्देश भी दिया गया है, मगर यह आदेश कितना प्रभावशाली रहेगा, इसको लेकर लोगों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों को भी संदेह है। जबकि लोकतंत्र में जरूरी है कि जनप्रतिनिधियों की आवाज को उसके सरकारी नौकर न केवल सुने बल्कि गंभीरता से भी लें, क्योंकि हर जनप्रतिनिधि गलत नहीं होता है। जनता उसे चुनती है और उसे जनता को जबाव देना होता है।

कैसे बनाएं साख

बड़े लेखकों, गायकों, अभिनेताओं के मूड के चर्चे अखबारों व पत्रिकाओं में छपते रहते हैं और लोग चटखारे ले-लेकर उन्हें पढ़ते भी हैं, इससे कला अथवा लेखन से जुडऩे वाले नए लोग यह मान लेते हैं कि लेखक अथवा कलाकार का मूडी होना स्वाभाविक ही है। यह सही है कि किसी काम में मन न हो तो काम का स्तर बढिय़ा हो ही नहीं सकता। इसमें भी दो राय नहीं है कि हमारे आसपास के लोगों, घटनाओं और वातावरण का प्रभाव हमारी मनोस्थिति यानी मूड पर पड़ता है और कई बार किसी एक छोटी-सी बात से भी बना बनाया मूड बिगड़ जाता है। हम किसी काम में पूरी तन्मयता से लगे होते हैं कि कोई व्यक्ति ऐसा कुछ कह देता है या कर देता है कि हमारा मन एकदम से उखड़ जाता है। लेखक भी आम आदमियों की हर कमजोरी का शिकार है और उसके लिए उसे दोष नहीं दिया जाना चाहिए।

कला के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों तथा लेखन में रत लोगों के मन में अक्सर यह विचार घर कर जाता है कि चूंकि वे कलाकार हैं, लेखक हैं, रंगकर्मी हैं, चित्रकार हैं अथवा शिल्पकार हैं, इसलिए बढिया काम के लिए 'मूड बनने' की आवश्यकता रहती है, अतः कलाकार का मूडी होना उसका गुण है, या उसका अधिकार है। बड़े लेखकों, गायकों, अभिनेताओं के मूड के चर्चे अखबारों व पत्रिकाओं में छपते रहते हैं और लोग चटखारे ले-लेकर उन्हें पढ़ते भी हैं, इससे कला अथवा लेखन से जुडऩे वाले नए लोग यह मान लेते हैं कि लेखक अथवा कलाकार का मूडी होना स्वाभाविक ही है। यह सही है कि किसी काम में मन न हो तो काम का स्तर बढिय़ा हो ही नहीं सकता। इसमें भी दो राय नहीं है कि हमारे आसपास के लोगों, घटनाओं और वातावरण का प्रभाव हमारी मनोस्थिति यानी मूड पर पड़ता है और कई बार किसी एक छोटी-सी बात से भी बना बनाया मूड बिगड़ जाता है। हम किसी काम में पूरी तन्मयता से लगे होते हैं कि कोई व्यक्ति ऐसा कुछ कह देता है या कर देता है कि हमारा मन एकदम से उखड़ जाता है। लेखक भी आम आदमियों की हर कमजोरी का शिकार है और उसके लिए उसे दोष नहीं दिया जाना चाहिए। परंतु इसी प्रकार यह भी याद रखा जाना चाहिए कि कोई लेखक, लेखक होने के कारण ही महामानव नहीं हो जाता कि वह अनावश्यक आदतें पाल ले जो उसकी कमजोरी बन जाएं। यानी सिर्फ लेखक अथवा कलाकार हो जाने मात्र से किसी व्यक्ति को काम से बचने की बहानेबाजी के लिए मूड का सहारा नहीं लेते रहना चाहिए, वरना हमें पता भी नहीं चलेगा कि कब हमारी यह आदत हमारी कमजोरी बन गई। अक्सर जब हम व्यवस्थित नहीं होते अथवा योजनाबद्घ ढंग से काम नहीं करते तो यह समझ नहीं आता कि काम कहां से शुरू करें और काम शुरू करना चाहते हुए भी हम काम शुरू नहीं कर पाते। मूड न बनने का यह एक बड़ा कारण है। यह एक अनुभूत सत्य है कि यदि हम एक नियत दिनचर्या के हिसाब से चलें और योजनाबद्घ ढंग से कार्य करें तो मूड की परेशानी स्वतः ही समाप्त हो जाती है। अतः मूड न बनने का बहाना मन में आते ही आत्म-निरीक्षण कीजिए और देखिए कि कहीं आप व्यवस्थित न होने अथवा समुचित कार्य-योजना न होने के कारण तो काम से नहीं बच रहे। इस आत्म-निरीक्षण से सत्य आपके सामने होगा और फिर मूड का इलाज करना आपके लिए आसान हो जाएगा, अन्यथा आप को पता भी नहीं चलेगा और आप मूड के नाम पर खुद ही स्वयं को धोखा देते रहेंगे। प्रयत्नपूर्वक कार्य आरंभ कर देना और उसमें लगे रहना मूड बनाने का सर्वोत्तम उपाय है। आप जब चाहें, जहां चाहें इसे आजमा सकते हैं। इस संबंध में यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि मूड न बन पाने का एक बड़ा कारण हमारा अव्यवस्थित होना है और दूसरा कारण काम की बारीकियों की जानकारी न होना होता है। अव्यवस्थित होने का मतलब यह है कि हमारे आसपास इतने कागज, फाइलें या किताबें पड़ी हों कि काम करने के लिए जगह ही न बचे, या यह न समझ आये कि काम कहां से शुरू करें। अव्यवस्थित होने का दूसरा परिणाम यह है कि हम काम शुरू करने से पहले उस काम से संबंधित सारी आवश्यक चीजें अपने पास न रखें और हमें उन चीजों के लिए बार-बार उठना पड़े जिससे काम में अनावश्यक व्यवधान पड़ता हो, इससे भी या तो मूड उखड़ जाता है या मन भटक जाता है और काम में एकाग्रता नहीं बन पाती जिससे काम या तो गलत हो जाता है या फिर देर से संपन्न होता है। ऐसे ही काम शुरू करने से पहले काम की सांगोपांग जानकारी न होना, काम की बारीकियों को न समझना भी हमारा मूड बिगाडऩे के लिए काफी है। काम शुरू कर देने के बाद जब कठिनाइयां आयें और उनका हल न सूझे तो अक्सर हम बेजार हो जाते हैं और हमारे मन को काम से भागने का बहाना मिल जाता है। अतः काम शुरू करने से पहले काम की बारीकियों को समझना भी आवश्यक है ताकि काम बीच में न रुके या उसमें कठिनाइयां न आयें। कलाकारों और लेखकों में अक्सर यह धारणा पायी जाती है कि कला से जुड़े होने के कारण वे आम आदमी से ज्यादा संवेदनशील हैं। कई बार तो वे अन्य लोगों को अपने से कम काबिल और स्वयं को अपेक्षाकृत ज्यादा संस्कारित अथवा सुसंस्कृत भी मानने लग जाते हैं। एक बार यह भावना मन में आ जाए तो आदमी दूसरों से सीखना बंद कर देता है। हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि लोहार का हथौड़ा चलाना और नाई का बाल काटना भी एक कला है। चित्रकार, मूर्तिकार, रंगकर्मी और लेखक ही नहीं, बल्कि नक्शानवीस, बढ़ई, कुम्हार और लोहार भी कलाकार हैं। कलाकार बनने के लिए अक्षरज्ञान लाभदायक तो है, परमावश्यक नहीं। बढिया से बढिया कलाकार भी घटिया इनसान हो सकता है। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। हम सब जानते हैं कि अच्छा इनसान बनने के लिए कलाकार होना कोई शर्त नहीं है। बल्कि इतिहास में ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे जहां अच्छे माने जाने वाले लोगों ने कला को फालतू लोगों का शौक माना। इसी प्रकार अधिकारी के रूप में, नियोक्ता के रूप में, पूंजीपति अथवा राजनीतिज्ञ के रूप में लेखकों और पत्रकारों की बेईमानियों के उदाहरण भी कम नहीं हैं। अतः हमें स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि लेखन अथवा किसी भी प्रकार की कला विशेषज्ञता का एक अन्य क्षेत्र मात्र है। लेखक अथवा कलाकार होकर कोई व्यक्ति महामानव नहीं बन जाता, अतः इस बारे में हमें किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए। हां, यह अवश्य हो सकता है कि कोई कलाकार, कोई अभिनेता, कोई गायक अपनी कला के कारण आम आदमी से ज्यादा मशहूर हो जाए, लेकिन यह किसी कलाकार को महामानव मान लेना भूल है। कलाकारों की आदतों का जिक्र इसलिए कि बहुत से लोग दूसरे सफल लोगों की नकल करने लगते हैं और उनमें जो नखरे सफलता के बाद आए, उन नखरों की नकल भी करने लगते हैं। हमें यह समझना चाहिए कि किसी भी क्षेत्र में सफल व्यक्ति अपनी सफलता के कारण अपना मूल्य बढ़ा सकता है।

दृष्टिकोण

शिक्षा और परोपकार

बिन विद्या नर पशु समान। न जाने कितने बरसों से सुनते आ रहे हैं। देश आजाद हुआ तो शिक्षा क्रांति की घोषणा कर दी गई थी। अब इस अशिक्षित भीड़ भरे देश में कोई पढ़े-लिखे बिना नहीं रहेगा। पढ़ाई का प्रमाणपत्र, डिग्रियां हर बच्चे के हाथ में होंगी। वे नौकरी के लिए कतार लगा बरसों इन्तजार नहीं करेंगे। रोजगार दफ्तरों की धूल फांक-फांक कर आखिर उनके चक्कर लगाना बंद नहीं कर देंगे। हालात कुछ इस कद्र हो जाएंगे कि नौजवान पढ़-लिख कर इनके चक्कर लगाने के बजाय ठेके पर विदेश भिजवाने के संदिग्ध दफ्तरों के बाहर चक्कर लगाना शुरू कर देंगे। फिर भी कोई नहीं पूछता कि इतने लोग रोजी रोटी की तलाश में अपना देश छोड़ कर दूसरे देश कैसे पहुंच गए? अवैध रूप से वहां पहुंचे लोग नम्बर दो के असामान्य प्रवासियों के रूप में जीवन जीने के लिए तैयार हैं, लेकिन अपने देश में अव्वल दर्जे का नागरिक बन जाने के लिए प्रस्तुत नहीं। क्योंकि वहां अव्वल दर्जे का नागरिक बन कर जीने का अर्थ है, रोजगार मेलों में नौकरी मांगने के लिए भटकते रहना, फिर हास्यास्पद वेतन पर काम करने के लिए हामी भरना। मनरेगा के नाम पर ऐसी दिहाडियों को सिर माथे पर लेना जो इन्हें नौकरी करते हुए भी भुखमरी की सौगात दे सकें। नहीं तो भला बताइए देश की तरक्की के निरन्तर दावों के बीच देश भुखमरी सूचकांक में कुछ पायदान नीचे क्यों उतर गया? जो भूख से मरे उनमें पढ़े-लिखे कितने थे, और अनपढ़ कितने? भूख से आई मौत तो शिक्षित अशिक्षित का अन्तर नहीं करती। पढ़ा-लिखा काम करने को न जाने कब से तैयार बैठा है, और सरकारी तौर पर उसे पकौड़े बेचने की सलाह दी जा रही है। विद्या मंदिर, जिन्हें शिक्षालय कहा जाता है, जहां सरस्वती की पूजा होनी चाहिए, वहां पूजक नदारद होते जा रहे हैं। उनके इर्द-गिर्द आईलैट्स अकादमियां कुकुरमुत्तों की तरह उग आई हैं। वहां पढने वालों की नहीं विदेश भाग सकने वालों की भीड़ लगी है। ऐसे विशेषज्ञ मिल जाते हैं, जो बताते हैं कि मान्य पलायन के लिए अपेक्षित बैंड न भी मिले तो भी उन्हें परदेस भिजवा दिया जाएगा। यह दीगर बात है कि चाहोगे अमरीका या विलायत जाना, और पहुंचोगे अरब और अफ्रीकी देशों में। चांद सितारों को छूती अटारियां पाने की तमन्ना के साथ विदेश पलायन की होड़ लगायी थी, अब यहां पहुंचे तो छुप-छुप कर जीना पड़ता है। आखिर यहां भी तो सेना क्षेत्रों के नाम पर क्रीत दासों की जरूरत पड़ती रहती है, अतः स्वागत। वहां पहुंच गए तो पीआर से लेकर ग्रीन कार्ड की जरूरत पड़ती रहेगी। जो अपना आधार कार्ड न कर सके, शायद वे ग्रीन कार्ड कर सकें। उम्मीद रखो। और इधर यह देश जो युवाशक्ति का देश है, वहां किंकत्र्तव्य-विमूढ़ अपने नौजवान हैं। मुख्यमंत्री कहते हैं, 'उनके राज्य की सबसे बड़ी विलक्षणता यह है कि अब यहां नौकरी पाने के लिए रिश्वत नहीं देनी पड़ती' और विश्व का भ्रष्टाचार सूचकांक बताता है कि भारत का भ्रष्टाचार सूचकांक चारों खाने चित्त है। भ्रष्टाचार उन्मूलन के ऊंचे नारों के बावजूद आज भी वह उसी निम्नतम स्तर पर खड़ा है, जैसे कल खड़ा था, बल्कि अब तो यह हालत हो गई है कि देश में कोई काम केवल सम्पर्क के बल पर नहीं होता।

देश दुनीया से

त्योहारों की वेला में महंगाई का सितम

आजकल भारत में प्याज की बढ़ती कीमतों ने गृहणियों की आंखों में आंसू ला रखे हैं। इससे पहले टमाटर लाल पीला हो रखा था। भारत में कुल प्याज उत्पादन का लगभग 30 फीसदी महाराष्ट्र राज्य में पैदा होता है। महाराष्ट्र में भी सबसे ज्यादा प्याज पैदा करने वाले तीन जिले नासिक, अहमदनगर और पुणे हैं। इस राज्य का लाल प्याज अपने स्वाद और तेज गंध के लिए प्रसिद्ध है। त्योहारी सीजन से पहले टमाटर के दामों में राहत मिले अभी कुछ ही दिन हुए थे कि अब प्याज की कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं। पिछले 20 दिनों में प्याज के दामों में जबरदस्त इजाफा हुआ है और यह मूल्य वृद्धि लोगों की जेब पर भारी पड़ रही है। प्याज की बढ़ती हुई कीमतों पर सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि बढ़ती कीमतों के पीछे बाजार में प्याज की कमी है और जब प्याज की पर्याप्त आपूर्ति बढ़ेगी तो कीमतें नियंत्रण में आ जाएंगी। लेकिन फिलहाल तो आशंका है कि प्याज की कीमतें 100 रुपए प्रति किलो तक पहुंच सकती हैं। तब तक व्यापारियों के वारे न्यारे हो चुके होंगे और आम आदमी की जेबें खूब ढीली हो गई होंगी। कहीं कहीं सरकार द्वारा 25 रुपए किलो की दर से प्याज उपलब्ध करवाया जा रहा है, लेकिन इससे पूरे देश-प्रदेश के नागरिकों को तो राहत नहीं मिल रही है। इस बात से भी सभी भली-भांति परिचित ही हैं कि आम आदमी तक खाद्य सामग्री पहुंचने से पहले दलालों, बिचौलियों और आढ़तियों की जेबें गर्म हो चुकी होती हैं, जबकि किसानों को कभी भी उनके उत्पादों के सही दाम नहीं मिलते हैं। उल्टे खून पसीना बहाने वाले इन किसानों की कमर कर्ज की मार से झुकी रहती है। रिटेल बाजार में खाद्य पदार्थों और सब्जियों के दाम चाहे कितने भी क्यों न बढ़ जाएं, लेकिन किसान वर्ग को इसका फायदा कभी भी नहीं मिलता है। इसके विपरीत जमाखोरों-स्टोरियों द्वारा जमकर खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी की जाती है और बाजार में वस्तुओं का कृत्रिम अभाव पैदा कर महंगाई को बढ़ाकर चोखा मुनाफा कमाया जाता है। हिमाचल प्रदेश के सरकारी आंकड़ों में पिछले कुछ दशकों से घरेलू सब्जी उत्पादन एवं अनाज की पैदावार में बढ़ोतरी दर्ज की गई है तो वहीं दूसरी तरफ बंदरों के उत्पाद और बेसहारा पशुओं की टोलियों के चलते अधिकतर जगहों पर कृषि कार्यों में आ रही परेशानियों के चर्चे भी अक्सर सुनने को मिलते रहते हैं। जो छोटे किसान अपनी मेहनत के बलबूते थोड़ा बहुत अन्न एवं सब्जी उत्पादन कर भी रहे हैं तो उनकी सबसे बड़ी समस्या अपनी वस्तुओं की बिक्री को लेकर है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन को यह पता ही नहीं है कि बाजारों में सब्जियों के दामों और अन्य खाद्य वस्तुओं का क्या हाल है और अधिकारी वर्ग अपनी कुर्सियों तक सीमित होकर रह गए हैं। आज से 30-35 वर्ष पूर्व जब कभी भी महंगाई का जिन्न अपना सिर उठाता था तो विपक्षी दलों द्वारा जरूर धरना प्रदर्शन और विरोध प्रदर्शन की खबरें देखने सुनने को मिलती थीं। लेकिन अब जैसे राजनीतिक दलों को आम जनता को होने वाली परेशानियों से कोई लेना देना ही नहीं है। हिमाचल प्रदेश में नवम्बर महीने की शुरुआत तक सब्जियों की पैदावार बढने के साथ ही इनके दाम नीचे आ जाते थे, लेकिन इस बार ऐसा होता दिखाई नहीं पड़ रहा है। बाजार में टमाटर 40, तो हरा मटर 140 रुपए पार बिक रहा है। अदरक 160 रुपए तो बाकी सब्जियों के मूल्य भी लगभग 60 रुपए पार ही हैं और खुदरा दुकानदार मोटा मुनाफा कूटने में जुटे हुए हैं। मूल्य सूची तो शायद ही कोई दुकानदार लगाता होगा, बिल देना तो दूर की कौड़ी समझिए। बाजारवाद की लूट में अधिकांश व्यापारियों की मौज लगी हुई है और वस्तुओं के मूल्यों पर सरकारी नियंत्रण कहीं नहीं दिखलाई पड़ रहा है। आम ग्राहक सरेआम लुट रहा है।

त्योहारी सीजन से पहले टमाटर के दामों में राहत मिले अभी कुछ ही दिन हुए थे कि अब प्याज की कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं। पिछले 20 दिनों में प्याज के दामों में जबरदस्त इजाफा हुआ है और यह मूल्य वृद्धि लोगों की जेब पर भारी पड़ रही है। प्याज की बढ़ती हुई कीमतों पर सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि बढ़ती कीमतों के पीछे बाजार में प्याज की कमी है और जब प्याज की पर्याप्त आपूर्ति बढ़ेगी तो कीमतें नियंत्रण में आ जाएंगी। लेकिन फिलहाल तो आशंका है कि प्याज की कीमतें 100 रुपए प्रति किलो तक पहुंच सकती हैं। तब तक व्यापारियों के वारे न्यारे हो चुके होंगे और आम आदमी की जेबें खूब ढीली हो गई होंगी। कहीं कहीं सरकार द्वारा 25 रुपए किलो की दर से प्याज उपलब्ध करवाया जा रहा है, लेकिन इससे पूरे देश-प्रदेश के नागरिकों को तो राहत नहीं मिल रही है।

पाकिस्तान ने देश में हो रहे हमलों के बीच अफगान तालिबान से बनाई दूरी, अब से नहीं देगा यह सुविधा

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान में लगातार आतंकी हमले हो रहे हैं। ऐसे में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकवादी समूह को निष्प्रभावी करने में काबुल की विफलता के बाद देश ने एक बड़ा फैसला लिया है। उसने नीतिगत बदलाव के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अफगान तालिबान का समर्थन नहीं करने या उसे कोई अन्य सहायता नहीं देने का फैसला किया है।

नहीं देगा कोई विशेष सुविधा- एक रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद अब अंतरिम अफगान तालिबान सरकार को कोई विशेष सुविधा नहीं देगा, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में गिरावट का संकेत देता है। टीटीपी, जिसका अफगान तालिबान के साथ वैचारिक संबंध है और जिसे पाकिस्तान तालिबान के रूप में भी जाना जाता है, को 2007 में कई आतंकवादी संगठनों के एक समूह के रूप में स्थापित किया गया था।

पाकिस्तान में इस्लाम के सख्त नियमों को लागू...- समूह को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य पूरे पाकिस्तान में इस्लाम के अपने सख्त नियमों को लागू करना था। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि सत्ता में आने के बाद अफगान तालिबान टीटीपी के गुर्गों को निष्कासित करके पाकिस्तान के खिलाफ अपनी धरती का इस्तेमाल बंद कर देगा, लेकिन उन्होंने इस्लामाबाद के साथ संबंधों को तनावपूर्ण करने की कीमत पर ऐसा करने से इनकार कर दिया है।

अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिलने की संभावना कम- रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की नीति में हुए बदलाव से एक बात तो साफ है कि अफगान तालिबान सरकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिलने की संभावना पहले से भी कहीं अधिक कम हो गई है।

साल 2021 में हुई थी तालिबान की वापसी- आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि अगस्त 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद, पाकिस्तान इसके मुख्य समर्थक के रूप में उभरा था, जिसने अंतरराष्ट्रीय समुदायों विशेष रूप से पश्चिमी देशों से काबुल में नए शासकों के साथ जुड़े रहने का आग्रह किया था।

अफगान की मदद करने पर होती रही है आलोचना- अफगान अंतरिम सरकार के प्रवक्ता के रूप में कार्य करने की पाकिस्तान की नीति की अक्सर देश के भीतर और बाहर कड़ी आलोचना होती रही है। हालांकि, अधिकारियों ने इसका बचाव करते हुए कहा कि अफगान तालिबान के साथ काम करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं था।

न्यूज ब्रीफ

दिवाली से पहले पीएम सुनक ने की विशेष कार्यक्रम की मेजबानी; सभी को दी दीपावली की शुभकामनाएं

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने ऋषि सुनक ने दिवाली से पहले 10 डाउनिंग स्ट्रीट में एक विशेष कार्यक्रम की मेजबानी की। उन्होंने ब्रिटेन और दुनियाभर में हिंदू समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पीएम सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति और कई विशेष मेहमान शामिल हुए। ब्रिटिश प्रधानमंत्री की ओर से एक्स पर लिखा गया, ' आज रात प्रधानमंत्री ऋषि सनक ने अंधेरे पर प्रकाश की विजय का उत्सव दिवाली से पहले डाउनिंग स्ट्रीट में हिंदू समुदाय के मेहमानों का स्वागत किया। ब्रिटेन और दुनियाभर के लोगों को शुभ दिवाली!' सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट में सुनक और मूर्ति अपने आधिकारिक आवास पर पारंपरिक दीपक जलाते हुए दिखे। उनकी तस्वीरों को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक दिवाली पूरी दुनिया में धूमधाम से मनाया जाता है। ऋषि सुनक पंजाबी मूल के हैं और हिंदू धर्म का अनुसरण करते हैं। उनका जन्म साउथेम्प्टन में हुआ था। वे यहां के मंदिर में नियमित रूप से जाते हैं। जी20 शिखर सम्मेलन के लिए अपनी हालिया भारत यात्रा के दौरान सुनक दंपती ने दिल्ली के प्रसिद्ध अक्षरधाम मंदिर में पूजा-अर्चना भी की थी। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा था कि मैं एक गौरवांवित हिंदू हूं। इसी तरह मेरा पालन-पोषण हुआ है। मैं ऐसा ही हूं। हमने अभी रक्षा बंधन मनाया। मेरी बहनों ने मुझे राखियां भेजी थी।

पाब्लो पिकासो की 'वुमन विद अ वॉच' की नीलामी; दूसरी सबसे बड़ी बोली लगी, 14 करोड़ डॉलर में बिकी

लंदन। स्पेन के महान चित्रकार पाब्लो पिकासो की बेहतरीन कृतियों में से एक को करीब 14 करोड़ डॉलर (139.3 मिलियन डॉलर) में बिकी है। सबसे खास बात यह है कि पिकासो की इस खास पेंटिंग को अभी तक दूसरी सबसे बड़ी कीमत मिली है। बता दें, यह पेंटिंग बुधवार रात न्यूयॉर्क में सोथबी द्वारा नीलामी में बेची गई है। नीलाम हुई पेंटिंग की बात करें तो इसका नाम 'वुमन विद ए वॉच' है। ये करीब 14 करोड़ डॉलर में बेची गई है। इस पेंटिंग में बनी महिला स्पेनिश कलाकार के साथियों और संगीतकारों में से एक, फ्रांसीसी चित्रकार मैरी-थेरेसी वाल्टर हैं। सोथबी के अनुसार, ब्लॉक पर जाने से पहले इसकी कीमत 120 मिलियन डॉलर से अधिक थी। न्यूयॉर्क की दिवंगत एमिली फिशर लैंडौ के संग्रह से पाब्लो पिकासो की 1932 की एक पेंटिंग, जिसका शीर्षक 'वुमन विद ए वॉच' था, बुधवार रात को सोथबी में 139.3 मिलियन डॉलर में बेची गई। यह पेंटिंग एक खास निलामी का हिस्सा रही। आधुनिक कला के प्रमुख जूलियन डावेस ने पिकासो की पेंटिंग को हर पैमाने पर उत्कृष्ट कहा। उन्होंने कहा कि सन् 1932 में बनाई गई पेंटिंग आनंदमय, भावुक त्याग से भरी हुई है। बता दें, वाल्टर को पिकासो का गोल्डन म्यूज माना जाता था। गुरुवार को क्रिस्टीज में उनकी एक और कृति की नीलामी चल रही थी, जिसका नाम फेमे एंडोर्मी या स्लीपिंग वुमन था। बताया जा रहा है कि यह पेंटिंग 25 से 35 मिलियन डॉलर में बिकी है।

शादी के तोहफे के विवाद में समधी की चाकू घोंपकर हत्या, दोषी को उम्रकैद

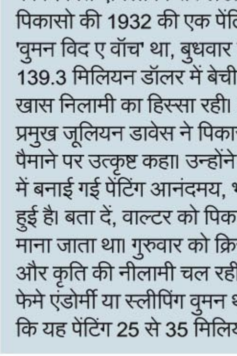

लंदन। ब्रिटेन में एक व्यक्ति ने शादी के तोहफों के विवाद में अपनी बेटी के ससुर यानी कि अपने समधी की चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया और अब उसे अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। खबर के अनुसार, अहमद अलसिनो (43 वर्षीय) ने अपने समधी मोहम्मद सलेम इब्राहिम (55 वर्षीय) की उनके घर पर चाकू से वारकर हत्या कर दी थी। घटना ब्रिटेन के बर्मिंघम के कास्टे वाले इलाके की है। दरअसल दोनों समधियों के बीच शादी के तोहफों को लेकर विवाद हुआ था। जब अलसिनो ने हमला किया तो अपने पिता को बचाने के चक्कर में अलसिनो का दामाद भी घायल हो गया। बर्मिंघम पुलिस ने घटना का वीडियो भी जारी किया है, जिसमें अलसिनो हाथ में चाकू लेकर इब्राहिम पर हमला करते नजर आ रहा है। हमले के बाद अलसिनो आराम से अपनी कार में बैठकर अपने घर पहुंचा, जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अलसिनो की कार से हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है।

इजराइली पीएम नेतन्याहू ने कहा-

बंधकों को छोड़े बगैर नहीं होगा युद्ध विराम, गाजा में 24 घंटे में 214 मरे

यरूशलम।
इजराइल और हमास के बीच गाजा में पिछले एक महीने से संघर्ष जारी है। इजराइली सेना गाजा के रिहायशी इलाकों में लगातार बमबारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों में गाजा में इजराइल की बमबारी में 214 लोगों की मौत हुई है। इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में युद्धविराम की किसी भी संभावना को एक बार फिर खारिज कर दिया है। युद्धविराम पर बातचीत की खबरों पर नेतन्याहू ने कहा, मैं सभी तरह की झूठी अफवाहों पर विराम लगाना चाहता हूं। मैं एक बात स्पष्ट रूप से दोहराना चाहता हूं कि इजराइली बंधकों की रिहाई के बिना कोई युद्धविराम नहीं होगा।

वहीं, गाजा में युद्धविराम की मांग को लेकर दुनिया भर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बुधवार को अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के कर्मचारियों ने गाजा में युद्धविराम की मांग को लेकर वॉकआउट किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 100 से अधिक कर्मचारियों ने यूएस कैपिटल बिल्डिंग के सामने इकट्ठे होकर प्रदर्शन किया। उन्होंने एक संयुक्त बयान में कहा, हम अब और चुप नहीं रह सकते हैं। हम गाजा में संघर्षविराम की अपील कर रहे हैं, क्योंकि संसद में बैठे अधिकांश प्रतिनिधि उन लोगों की बातों को अनसुना कर रहे हैं, जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। हमारी मांग है कि हमारे नेता संघर्षविराम के लिए ठोस पहल करें। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में कुछ सांसदों ने युद्धविराम का आह्वान किया है। हालांकि, बाइडन प्रशासन ने

युद्धविराम के आह्वान का समर्थन करने के दबाव को खारिज कर दिया है।

उत्तरी गाजा में हमास का नियंत्रण खत्म

वहीं, इजराइली सेना ने दावा किया है कि उत्तरी गाजा में हमास का नियंत्रण खत्म हो गया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इजराइली सेना के प्रवक्ता ने कहा, हमने 50,000 गाजावासियों को उत्तरी गाजा पट्टी से दक्षिण की ओर जाते देखा। गाजावासी भाग रहे हैं क्योंकि उन्हें समझ में आ गया है कि हमास ने उत्तरी गाजा में नियंत्रण खो दिया है। प्रवक्ता ने कहा कि कोई युद्धविराम नहीं होगा, लेकिन हम गाजा में फलस्तीनियों को दक्षिण हिस्से में जाने की अनुमति दे रहे हैं। वहीं, मानवा अधिकार समूहों का कहना है कि दक्षिण गाजा की ओर भाग रहे लोगों के काफिलों पर हमला किया गया है, जिससे लोग डरे हुए हैं।

युद्ध के बीच हजारों नागरिकों ने उत्तरी गाजा छोड़ा

भीषण युद्ध के बीच हजारों नागरिक इजराइल के वायु और जमीनी हमलों से बचने के लिए उत्तरी गाजा से पलायन कर गए हैं। दरअसल इजराइल ने आम नागरिकों को उत्तरी गाजा खाली करने के लिए चार घंटे की मोहलत दी थी। इजराइली सैनिकों ने गाजा के काफी अंदर तक पहुंच कर चारों ओर से उसे घेर लिया है। फलस्तीन के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि नुसेरत के शरणार्थी शिविर पर बुधवार को इजराइली हवाई हमले में 18 लोगों की मौत हो गई। वहीं, सात अक्तूबर को इजराइल पर हमास के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध में गाजा में अब तक 10,569 फलस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। जबकि इजराइल में 1,400 से अधिक नागरिकों की मौत हुई है।

गाजा शहर के बीचोंबीच घुसी इजराइली सेना

गाजा पट्टी में बुधवार को इजराइल के हवाई हमलों में हमास के एक हथियार निर्माता महसीन अबू जिना समेत कई लड़ाकों की मौत हो गई है। इजराइली सेना के हवाई और जमीनी हमलों से घिरे फलस्तीनी क्षेत्र में आतंकियों के सुरंग नेटवर्क को निशाना बनाकर यह कार्रवाई की। इस बीच, गाजा शहर के बीचोंबीच घुसकर इजराइली सेना हमास के आतंकियों पर बुरी तरह टूट पड़ी। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने बताया, उसके नाहल इन्फेंट्री ब्रिगेड ने गाजा में एक मस्जिद में छिपे आतंकी दस्ते को हवाई सहायता से खत्म कर दिया। हमास आतंकियों ने एक अस्पताल समेत कई जगहों से सैनिकों पर टैंक-रोधी मिसाइलें भी दागीं। उधर, 401वीं बख्तरबंद ब्रिगेड ने एक स्कूल में छापे के दौरान कई आतंकियों को मार गिराया। ब्रिगेड ने स्कूल मैदान से रॉकेट-लॉन्चर और कई हथियार भी बरामद किए।

जी-7 की युद्ध पर एक रुख अपनाने की घोषणा

जापान में जी-7 देशों ने बुधवार को इजराइल-हमास युद्ध पर एकजुट रुख अख्तियार करने की घोषणा करते हुए हमास की निंदा की। जी-7 ने इजराइली आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया और गाजा पट्टी में निराश नागरिकों की मदद की गति बढ़ाने में 'मानवीय रुकावटों' को दूर करने का आह्वान भी किया।

अमेरिका, चीन के खिलाफ सख्ती नहीं बरत सकता', रामास्वामी ने बताई इसकी वजह

वॉशिंगटन।
अमेरिका में 2024 में होने वाले राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी पेश कर रहे भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने कहा कि अमेरिका, चीन के खिलाफ सख्ती नहीं बरत सकता क्योंकि अमेरिका अपनी आधुनिक जीवन शैली के लिए चीन पर निर्भर है। विवेक रामास्वामी ने कहा कि अमेरिका को चीन पर अपनी आर्थिक निर्भरता कम करने की जरूरत है। 38 वर्षीय विवेक रामास्वामी ने ये बातें रिपब्लिकन पार्टी की राष्ट्रपति पद की तीसरी डिबेट में कही, जो बुधवार को फ्लोरिडा के मियामी में आयोजित हुई।

डिबेट के दौरान विवेक रामास्वामी ने कहा 'हम चीन के खिलाफ सख्ती नहीं बरत सकते क्योंकि हमारी आधुनिक जीवन शैली चीन पर निर्भर है। हमें अपने दुश्मन से आर्थिक आजादी घोषित करने की जरूरत है। थॉमस जेफरसन अगर आज जिंदा होते तो वह जो आजादी के दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते वो चीन से आर्थिक आजादी का दस्तावेज होता। जब मैं अगला राष्ट्रपति बनूंगा तो मैं इसी 'डिक्लेयरेशन ऑफ इंडीपेंडेंस' पर हस्ताक्षर करूंगा।'

विवेक रामास्वामी ने कहा अमेरिका की डिफेंस इंडस्ट्री अपनी सप्लाई चेन के लिए चीन पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि एफ-35 जेट्स के लिए, जहाज बनाने के लिए हम चीन पर निर्भर हैं। वैसे ही हम फार्मास्यूटिक्ल के लिए और सेमीकंडक्टर के लिए भी चीन पर निर्भर हैं। रामास्वामी ने कहा कि हमें ऐसे नेता चाहिए जो चीन पर निर्भर ना हो। चीन हमारे देश में जमीन खरीद रहा है और यूनिवर्सिटीज में दान दे रहा है। भारतीय मूल के रामास्वामी ने कहा कि अमेरिका की कंपनियां चीन के बाजार में विस्तार तब तक ना करें, जब तक चीन भी ऐसा ही ना करे।

बता दें कि मियामी में हुई बहस में विवेक रामास्वामी के अलावा रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की अन्य दावेदार निक्की हेली, फ्लोरिडा के गवर्नर रोन सांतिस, न्यूजर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी और साउथ कैरोलिना से सांसद टिम स्कॉट भी शामिल हुए। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बार भी बहस में शामिल नहीं हुए। बता दें कि बहस में शामिल ना होने के बावजूद अभी भी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप सबसे लोकप्रिय उम्मीदवार हैं।

मगरमच्छ के हमले के बाद भी किसान ने दिखाई हिम्मत, मगरमच्छ को दांत से काट लिया

कैनेबरा।
एक ऑस्ट्रेलियाई किसान ने एक ऐसा किस्सा बताया, जिसे सुनकर कोई भी हैरान रह जाएगा। दरअसल, उन्होंने हाल ही में साझा किया कि कैसे वह मगरमच्छ के हमले से बचे। यह हमला पिछले महीने उस समय हुआ, जब कॉलिन डेवेराक्स फिनिस नदी के पास तारबंदी कर रहे थे।

60 वर्षीय कॉलिन डेवेराक्स एक झील के पास रुक गए, जब उन्होंने देखा कि मछली पानी में तैर रही है। अचानक उन्होंने महसूस किया कि एक मगरमच्छ ने उनके दाहिने पैर को पकड़ लिया। पहले उन्होंने मगमच्छ को हटाने के लिए उल्टे पैर से उस पर हमला किया, लेकिन कोई फायदा नहीं। इसके बाद किसान को कुछ समझ नहीं आया, तो उसने खुद को बचाने के लिए मगरमच्छ की पलक को दांत से काट लिया। किसान ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि 3.2 मीटर लंबे मगरमच्छ के काटने के बाद भी जिंदा है। उन्होंने बताया, 'मगरमच्छ सीधे पैर पर चढ़ गया था और मुझे बुरी तरह हिला दिया। इसके बाद पानी के अंदर खींच लिया। मेरी हालत खराब हो गई थी। हालांकि, गलती से मैंने

मगरमच्छ की पलकों को दांतों से पकड़ लिया। मगरमच्छ की पलकें बहुत मोटी थीं। ऐसे लग रहा था जैसे किसी चमड़े को पकड़ लिया हो। बाद में उसकी पलक को झटकते हुए छोड़ दिया। मगरमच्छ ने कुछ समय तक मेरा पीछा किया, लेकिन फिर रुक गया और वापस चला गया।' किसान ने बताया पैर से खून बह रहा था, उसे रोकने के लिए एक तौलिया और कुछ रस्सी का इस्तेमाल किया। बाद में अपने भाई रॉयल डार्विन के साथ 130 किलोमीटर दूर स्थित अस्पताल गए। तबसे अब तक उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह सब मात्र आठ सेकंड में हुआ। अगर उसने मुझे कहीं और काटा होता तो शायद अलग स्थिती होती। सबसे बड़ी समस्या बैक्टीरिया को साफ करना था। बिल्लाबोंग के सभी पानी कीचड़ से भरे हुए हैं। यहां हंस , बत्तख और मगरमच्छ हैं।

कमला हैरिस ने अपने आवास पर मनाई दिवाली, कहा- दुनिया मुश्किल और कठिन चुनौतियों का सामना कर रही

वाशिंगटन।
अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने आधिकारिक आवास पर दिवाली मनाई। इस दौरान उन्होंने मेहमानों से कहा कि प्रकाश के इस त्योहार को मनाना बहुत जरूरी है क्योंकि दुनिया आज इजराइल-हमास युद्ध के कारण कठिन और अंधेरे क्षण का सामना कर रही है।

भारतीय मूल की हैरिस ने मंगलवार को अपने आवास पर दिवाली मनाई। उन्होंने कहा, 'हम ऐसे समय में दिवाली मना रहे हैं, जब हमारी दुनिया में बहुत कुछ हो रहा है। मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी है कि हम दिवाली मनाएं। यह त्योहार प्रकाश का जश्न मनाने के बारे में है। हम समझते हैं कि यह हमेशा प्रकाश और अंधेरे क्षणों के बीच अंतर को समझने के संदर्भ में है।'

उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से कठिन समय चल रहा है। हम कई

समस्याओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन विशेष रूप से इजराइल और गाजा से आने वाली रिपोर्टों को देखना बहुत ही दुखद है। मैं हम सभी के लिए जानती हूं और निश्चित रूप से मेरे और मेरे पति डौग के लिए यह दिल तोड़ने वाला है। उन्होंने आगे कहा, 'बस यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि राष्ट्रपति जो बाइडन और मैं इजराइल के अपनी रक्षा करने के अधिकार का समर्थन करने के लिए काम कर रहे हैं। हम गाजा में लोगों द्वारा प्राप्त की जाने वाली मानवीय सहायता की आवश्यकता का समर्थन करते हैं। हमारा मानना है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम हमास और फलस्तीनी में अंतर समझ सकें।'

हैरिस ने कहा, 'यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम अमेरिकी बंधकों को घर लाएं और हम उस क्षेत्र में तनाव बढ़ने से रोकें। इसलिए मैं उन शब्दों को बोलूंगी, यह समझते हुए कि यह गंभीर रूप से महत्वपूर्ण है कि जब हम दिवाली जैसी कोई चीज मनाएं, तो यह इस तरह से प्रकाश डालने के बारे में भी है जो सच बोलने के बारे में है।' उन्होंने कहा, 'मैं फलस्तीनी लोगों के लिए भी यह कहना चाहती हूं, मैंने यह कई बार कहा है और मैं इसे फिर से कहूंगी उनके पास एक अधिकार है और वे आत्मनिर्णय और गरिमा के लिए एक अवसर पाने के हकदार हैं। हम इसका भी समर्थन करना जारी रखेंगे।'

उपराष्ट्रपति ने निर्वाचित भारतीय-अमेरिकी सांसदों रो खन्ना, श्री थानेदार, राजा कृष्णमूर्ति और प्रमिला जयपाल को छोड़कर आमंत्रित अतिथियों के साथ बातचीत नहीं की। हैरिस द्वारा दिवाली मनाए जाने से पहले कई समूहों ने समारोहों का बहिष्कार करने का आह्वान किया था। दिवाली समारोह में करीब 300 लोग शामिल हुए।

अमेरिका ने एक बार फिर सीरिया में ईरान समर्थित आतंकी समूहों से जुड़े हथियार भंडारण पर किया हमला

एफ-15 युद्धक विमानों का इस्तेमाल कर किया हमला, नौ की मौत

वाशिंगटन।
अमेरिका ने बुधवार को एक बार फिर सीरिया में ईरान समर्थित आतंकी समूहों से जुड़े हथियार भंडारण पर हमला किया। इस हमले में नौ लोगों के मारे जाने की खबर सामने आई है। बता दें, दो हफ्ते के अंदर दूसरी बार सीरिया की किसी जगह को निशाना बनाया गया। पिछले महीने इन समूहों ने सीरिया में अमेरिकी सैनिकों और मिलिट्री स्टेशनों पर कथित तौर पर हमला कर दिया था। अमेरिकी सेना के सूत्रों के मुताबिक ये कार्रवाई उसी उकसावे को ध्यान में रखकर की गई है।

हथियार भंडारण केंद्र पर हमला

अमेरिकी रक्षा सचिव (रक्षा मंत्री) लॉयड जे. ऑस्टिन ने इस संबंध में आधिकारिक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कर्मियों के खिलाफ हुए हमलों के जवाब में युद्धपोतों ने पूर्वी सीरिया में ईरान से जुड़े हथियार भंडारण केंद्र पर हमला कर दिया।

इजराइल-हमास युद्ध को क्षेत्रीय युद्ध में बदलने से रोकने की कोशिश

अमेरिका का कहना है कि पूर्वी सीरिया में निशाना बनाया गया हथियार भंडारण केंद्र ईरान से जुड़ा हुआ है। यह ऐसे समूहों का समर्थन करता है, जिनको वाशिंगटन मध्य पूर्व में अपनी सेनाओं पर हमलों में बढ़ोतरी के लिए दोषी मानता है। अमेरिका ईरान और उसके प्रतिनिधियों को इजराइल-हमास युद्ध को क्षेत्रीय युद्ध में बदलने से रोकने की कोशिश कर रहा है, लेकिन प्रतिक्रिया में बार-बार होने वाले

हमलों से वाशिंगटन और तेहरान के बीच संघर्ष का खतरा बढ़ गया है।

एफ-15 युद्धक विमानों का इस्तेमाल कर किया हमला

अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने बताया कि अमेरिकी की सेना ने पूर्वी सीरिया में ईरान के जिस भंडारण केंद्र को निशाना बनाया है, उसका इस्तेमाल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और इससे संबंधित समूहों द्वारा किया जाता है। वहीं, कहा जा रहा है कि भंडारण केंद्र पर हमला दो अमेरिकी एफ-15 युद्धक विमानों से किया गया था।

गौरतलब है, इससे पहले अमेरिका ने 27 अक्टूबर की सुबह सीरिया में ईरान समर्थित आतंकी समूहों पर आत्म रक्षात्मक सैन्य कार्रवाई की थी। बीते दिनों इन समूहों ने सीरिया में अमेरिकी सैनिकों और मिलिट्री स्टेशनों पर कथित तौर पर हमला कर दिया था। अमेरिकी सेना के सूत्रों के मुताबिक ये कार्रवाई उसी उकसावे को ध्यान में रखकर की गई थी। रक्षा सचिव ने कहा था कि जब अमेरिकी सेना के ठिकानों पर ईरान समर्थित इन आतंकियों ने हमला किया तो हमले के दौरान शेल्टर लेते समय एक अमेरिकी ठेकेदार की हार्ट अटैक से मौत हो गई, साथ ही इस हमले में 21 अमेरिकी सैनिक मामूली रूप से घायल हो गये थे, हालांकि अभी वह वापस ड्यूटी पर लौट आए हैं।

फिटनेस सेंटर में चाकू से हुए हमले में घायल भारतीय छात्र ने तोड़ा दम,

वाशिंगटन। अमेरिका में इंडियाना के एक फिटनेस सेंटर में 24 वर्षीय भारतीय छात्र वरुण राज पुचा को बीते दिनों चाकू मार दिया गया था। इस घटना के बाद से ही उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी। बुधवार को पुचा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कंप्यूटर साइंस के छात्र वरुण राज को 24 वर्षीय आरोपी जॉरडन अंड्रेड ने जिम में चाकू मारा था। घटना के बाद से वरुण लाइफ सपोर्ट में ही थे। घटना के बाद ही आरोपी जॉर्डन को गिरफ्तार कर पोर्टर सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश जेफरी क्लाइमर के सामने पेश किया गया था।

हमारी सात गारंटियां ही कांग्रेस के वचन, 36 कौम को साथ लेकर चलती है कांग्रेस सरकार : मुख्यमंत्री

गंगापुरसिटी (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पिछले 5 वर्षों में प्रदेश का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया है। महंगाई राहत कैम्प के जरिए 10 योजनाओं से हर परिवार व व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया है। इन्हीं जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर पूरे देश में राजस्थान की चर्चा और सराहना हो रही है। इसी दिशा में आगे बढ़कर अब कांग्रेस 7 गारंटियां प्रदेशवासियों को दे रही है, जिससे महिलाओं, बच्चों, किसानों, पशुपालकों, सरकारी कार्मिकों को सामाजिक और आर्थिक सम्बल मिलेगा। गहलोत गुरुवार को बामनवास के बाटौदा में *कांग्रेस गारंटी संवाद* और कांग्रेस प्रत्याशी इंदिरा मीणा के समर्थन में जनसभा को सबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनसभा में कहा कि कांग्रेस सरकार ने जो वादे किए, उन्हें पूरा किया है। गंगापुर सिटी के विकास में भी कोई

कमी नहीं रखी गई। क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, बिजली सहित हर क्षेत्र में विस्तार कराया गया है। अब आपके विश्वास और जनभावना अनुरूप ही कांग्रेस ने फिर से इंदिरा मीणा को आपका प्रत्याशी बनाया है। इन्होंने विधानसभा में अपने क्षेत्र के विकास के लिए लगातार चर्चा कर विकास कराया। आप अपने बहुमूल्य मत से इन्हें आशीर्वाद प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस कोई एक व्यक्ति नहीं है। यह 36 कौम की पार्टी है, जिन्हें साथ लेकर ही आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि 5 वर्षों से चल रहा विकास का सिलसिला अब रूकेगा नहीं, बल्कि तेज गति से आगे बढ़ेगा। जनसमर्थन से ही फिर राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी और योजनाओं का लाभ निरंतर मिलता रहेगा। गहलोत ने कहा कि अभी कांग्रेस सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना से जुड़े परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। सरकार बनते ही इसका विस्तार होगा और प्रदेश के 1 करोड़ 5 लाख से अधिक परिवारों को भी 500 रुपए में गैस सिलेंडर देंगे। उन्होंने कहा कि 25 लाख रुपए तक का चिकित्सा बीमा, घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 100 यूनिट और कृषि उपभोक्ताओं को 2000 यूनिट निःशुल्क बिजली प्रावधान, निःशुल्क फूड पैकेट, लम्पी रोग से मृत प्रति गाय पर 40 हजार रुपए की सहायता राशि, महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की शुरुआत, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना, रोडवेज बसों में महिलाओं का आधा किराया, राजकीय कर्मचारियों के सुरक्षित भविष्य के लिए फिर से ओपीएस की शुरुआत की गई। इनका लाभ आमजन को मिला रहा है। साथ ही इंदिरा रसोई योजना, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना जैसी जनोपयोगी योजनाओं के माध्यम से आम आदमी को महंगाई से राहत मिली है। गहलोत ने कहा कि प्रदेश के विकास की गति को 10 गुना बढ़ाने के लिए हाल ही में विजन-2030 डॉक्यूमेंट जारी किया है। इसके अनुसार आगामी वर्षों में योजनाबद्ध तरीके से काम होंगे। वहीं, कांग्रेस ने प्रदेशवासियों को 7 गारंटियां है। इनके जरिए हर वर्ग लाभान्वित होगा। जनसभा में कांग्रेस प्रत्याशी इंदिरा मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधि ने सबोधित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

अमृतसर में नशेड़ी बेटे ने माता पिता को मौत के घाट उतारा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के अमृतसर में नशा करने से रोकने पर एक युवक ने अपने ही माता-पिता को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। माता-पिता का कसूर सिर्फ इतना था कि उन्होंने अपने नशेड़ी बेटे को नशा करने के लिए पैसे नहीं दिए। पुलिस ने नशेड़ी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार अमृतसर के मजीठा में पड़ते गांव पंधेर कलां गांव में ही एक युवक का विवाह समागम चल रहा था। बुधवार देर रात गांव में जागो निकाली जा रही थी। इसी दौरान प्रितपाल सिंह नाम का युवक शराब में धुत होकर घर आ गया, जिसे देख माता-पिता गुस्सा हो गए। वह दोबारा जागो में जाने की जिद्द करने लगा, लेकिन माता-पिता ने उसे जाने से रोका। माता-पिता ने कहा कि वह इस शादी में भी नहीं जाएगा। गुस्साए प्रितपाल सिंह ने पास रखा सरिया उठाया और माता-पिता गुरमीत सिंह व कुलविंदर कौर पर हमला कर दिया। वे सिर पर तब तक वार करता रहा, जब तक उनकी जान नहीं निकल गई। घटना की जानकारी मिलने पर मजीठा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने नशे में धुत बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। कत्ल में प्रयोग किया गया हथियार भी जब्त किया गया है। शवों को फिलहाल पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

अमृतसर हवाई अड्डे पर दुबई से आई फ्लाइट में मिला अवैध सोना

चंडीगढ़ (हिंस)। कस्टम विभाग ने अमृतसर हवाई अड्डे पर बुधवार की रात एक यात्री के पास से 641 ग्राम सोना बरामद किया है। सोने की यह खेप इलेक्ट्रिक मोटर के स्पेयर पार्ट्स में छिपाकर लाई गई थी, जिसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपए बताई जाती है। कस्टम के एयर इंटेलीजेंस विंग के अनुसार एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट दुबई से अमृतसर आई थी। अमृतसर हवाई अड्डे पर स्कैनिंग के दौरान कस्टम को बैग से एक मोटर मिली। जब इस मोटर की जांच की गई, तो इसमें से सोने की अंगूठियां व अन्य जेवर मिले। इस लाने वाले व्यक्ति के पास इस सोने का कोई बिल आदि भी नहीं था। पुलिस ने यात्री के खिलाफ मामला दर्ज करके अगली कार्रवाई शुरू कर दी है।

नीतीश की टिप्पणी से नाराज महिला मोर्चा ने फूंका पुतला

झज्जर (हिंस)। बिहार विधानसभा में महिलाओं पर की गई बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की टिप्पणी से महिलाओं में आक्रोश है। भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा की जिला झज्जर इकाई ने प्रदर्शन कर नीतीश कुमार का पुतला फूंका और उनसे इस्तीफा मांगा है। झज्जर जिला भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष व नगर पार्षद डॉ. नीना सतपाल राठी की अगुवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को बहादुरगढ़ में दिल्ली-रोहतक रोड पर नीतीश कुमार का पुतला फूंका। साथ ही उनके खिलाफ नारेबाजी कर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग की। राठी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयानों की कड़ी निंदा की। राठी ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साक्षरता और जनसंख्या नियंत्रण के संदर्भ में की गई टिप्पणी अभद्र व अश्लील है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने सदन में खड़े होकर महिलाओं का अपमान किया है। उन्होंने अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर महिलाओं को अपमानित किया है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। उन्होंने कहा कि ऐसे शब्दों का प्रयोग करने वाले व्यक्ति को मुख्यमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। नीतीश कुमार का बयान महिलाओं के सम्मान के खिलाफ है। महिला के सम्मान को चोट पहुंचाने वाली कोई भी हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

केंद्र में तीसरी बार बनेगी भाजपा सरकार : कैप्टन अभिमन्यु

भारत पूरे विश्व का पहला देश, जहां पर इतनी जनकल्याण की योजनाएं लागू हुईं

हिसार (हिंस)। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई जन कल्याणकारी योजनाओं के बलबूते पर वर्ष 2024 में तीसरी बार केंद्र में एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने दावा किया कि पांच राज्यों के विधानसभा आम चुनाव में भाजपा राजस्थान में पूरे बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। मध्यप्रदेश में पार्टी की जीत निश्चित है, छत्तीसगढ़ में कांटे की टक्कर में भाजपा सरकार बनाने की ओर बढ़ रही है और मिजोरम व तेलंगाना में सत्ता की कुंजी भाजपा के हाथ में रहेगी। कैप्टन अभिमन्यु गुरुवार को हिसार में पीएलए स्थित अपने आवास पर

पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के के नेतृत्व में विश्वभर में भारती की पहली ऐसी सरकार है, जिसने जनकल्याण की इतनी योजनाएं लागू की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनकल्याण की सोच रखते हुए 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने, किसानों को सम्मान निधि देने सहित कई ऐसी योजनाएं लागू की है, जिनसे किसी न किसी रूप में जनता को राहत मिली है और लाभ पहुंचा है। कैप्टन अभिमन्यु ने नायब सैनी के अध्यक्ष बनने पर प्रसन्नता जताई और कहा कि वे अनुभवी नेता है और कई पदों पर कार्य करते हुए प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंचे हैं। हमारी पूरी टीम उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेगी और पार्टी की मजबूती में साथ देते हुए हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने में अपना पूरा सहयोग देगी।

विद्याधर नगर से निर्दलीय प्रत्याशी विष्णु प्रताप नामांकन वापस लेकर भाजपा में शामिल

जयपुर (हिंस)। सांसद एंव जयपुर के विद्याधर नगर से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी दीयाकुमारी के समर्थन में गुरुवार को विद्याधर नगर विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी विष्णु प्रताप ने अपना नामांकन वापस लिया और अपने समर्थकों सहित भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप संस्था के प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने भी अपने समर्थकों सहित भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर सांसद एंव विद्याधर नगर विधानसभा प्रत्याशी दीया कुमारी ने सभी को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण कराई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दीया कुमारी ने कहा कि प्रदेश की महिलाओं में महिला अत्याचारों को लेकर आक्रोश है। महिलाएं आगामी 25 नवंबर का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। जिस तरह से इन पांच सालों में हर दिन महिलाओं के साथ दुष्कर्म और छेड़छाड़ की घटनाएं घटी हैं उसे देखकर स्पष्ट है कि राजस्थान में कांग्रेस पूरी

तरह साफ होगी। कांग्रेस के सहयोगी दल के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को लेकर जो बेहद निंदनीय बयान दिया है उसको लेकर सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की चुप्पी भी शर्मनाक है। प्रियंका गांधी रणथंबौर में घूमने आती हैं लेकिन राजस्थान की दुष्कर्म पीड़िताओं से मिलने का समय उनके पास नहीं है। आज राजस्थान की 35 हजार दुष्कर्म पीड़िता महिलाएं न्याय मांग रही हैं जिन्हे अभी तक न्याय नहीं मिला है। सदस्यता ग्रहण करने वालों में देवेन्द्र सिंह निठारवाल, मनोज चौधरी, कैलाश सिंह चौहान, रविन्द्र सिंह चिराणा, दिनेश करण सिंह खंगारोत, शेर सिंह सिंगोद, सुरेन्द्र चौधरी, हिम्मत सिंह छापोली, गज्जू सैनी, एडवोकेट जतिन पारीक, शक्ति सिंह रासबाबरा, गणेश प्रताप सिंह, धनंजय शर्मा, महावीर गोस्वामी, एडवोकेट ओमप्रकाश खींची और अभिषेक सिंह शेखावत शामिल थे।

दीपावली और छठ पूजा के लिए रेलवे ने चलाई स्पेशल ट्रेन

अजमेर (हिंस)। रेलवे द्वारा दीपावली, छठ पूजा के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए साबरमती-दानापुर-साबरमती एवं साबरमती-दिल्ली सराय-साबरमती एवं भावनगर टर्मिनस-दिल्ली सराय-भावनगर टर्मिनस स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 09403 व 09404, साबरमती-दानापुर-साबरमती सुपरफास्ट स्पेशल 12 नवंबर 23 से 26 नवंबर 23 तक (03 ट्रिप) साबरमती से प्रत्येक रविवार को 08.15 बजे रवाना होकर सोमवार को 14.15 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09404, दानापुर-साबरमती सुपरफास्ट स्पेशल रेलसेवा 13 नवंबर .23 से 27 नवंबर 23 तक (03 ट्रिप) दानापुर से प्रत्येक सोमवार को 18 बजे रवाना होकर मंगलवार को 23.30 बजे साबरमती पहुंचेगी।

यमुनानगर शराबकांड : पीड़ितों से मिले मेयर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का दिया भरोसा

यमुनानगर (हिंस)। जहरीली शराब पीने से सात लोगों की मौत के बाद गुरुवार को मेयर मदन चौहान मंडेबरी व पंजेटो का माजरा गांव पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मिले और उन्हें सांत्वना दी। मेयर ने परिवार के साथ बैठकर उनसे वार्ता की और मौत पर शोक व्यक्त किया। मेयर ने बताया कि इस मामले में उच्च स्तरीय जांच शुरू की रही है। गुरुवार को मेयर मदन चौहान सबसे पहले मंडेबरी निवासी सुरेश कुमार, विशाल, सुरेंद्र व सोनू के घर पहुंचे और परिवारों से बातचीत की। इसके बाद मेयर पंजेटा के माजरा निवासी स्वर्ण सिंह व मेहरचंद के परिजनों से भी मिले। इस मौके पर मेयर मदन चौहान ने परिवारों को सांत्वना देते हुए कहा कि शराब ठेके को सील कर दिया गया है। इस मामले को लेकर उच्च स्तरीय जांच शुरू की जा चुकी है। पुलिस विभाग की कई टीमें इस मामले की जांच में लगी हुई हैं, जांच में जो भी आरोपी पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। अवैध शराब बेचने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जहरीली शराब पीने से अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी। मरने वालों में से चार मंडेबरी, दो पंजेटा के माजरा

गांव और एक फूसगढ़ के निवासी थे। बताया जा रहा है कि इन सभी लोगों ने मंगलवार रात को गांव में ही अवैध रूप से बिक रही शराब खरीदकर पी थी। जिस व्यक्ति ने शराब बेची थी, उसने भी इन लोगों के साथ बैठकर शराब पी थी। उसकी भी मौत हो गई। मरने वालों में मंडेबरी गांव के सुरेश कुमार (45), विशाल (27), सोनू (27) व सुरेन्द्र और पंजेटा के माजरा गांव के स्वर्ण सिंह व मेहरचंद (70) शामिल हैं। सभी मृतक मजदूरी करते थे।

वेतन वृद्धि की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे कर्मचारी

फतेहाबाद (हिंस)। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत काम करने वाले कच्चे कर्मचारियों की वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर सर्व कर्मचारी संघ राज्य कमेटी के आह्वान पर जिला स्तरीय कर्मचारियों ने गुरुवार को यहां प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी दिया। सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान भूप सिंह भड़ोलांवाली के नेतृत्व में कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन किया। इस मौके पर जिला प्रधान भूप सिंह ने बताया कि पूरे हरियाणा में सभी विभागों में लगभग दो लाख कच्चे कर्मचारी काम करते हैं। सरकार ने इन कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम बनाकर उसी में शामिल कर दिया गया है, लेकिन इनकी सामाजिक सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। वेतन केवल नाममात्र है। सरकार ने पिछले तीन सालों से इनके वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल में पक्के कर्मचारियों को लगभग 25 प्रतिशत महंगाई भत्ता दे दिया गया है, लेकिन कच्चे कर्मचारियों को महंगाई के हिसाब से बढ़ोतरी न करना इन कर्मचारियों के साथ अन्याय है। सर्व कर्मचारी संघ सरकार से अनुरोध किया कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत कार्य कर रहे सभी कर्मचारियों के वेतन में आज की महंगाई को देखते हुए सीधी 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाए।

विश्व हिंदू परिषद प्रदेश में पीले चावलों के साथ श्री राम मंदिर का देंगे न्योता

जयपुर (हिंस)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 22 जनवरी 2024 को होने जा रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में होने वाले इस भव्य आयोजन की सभी तैयारियों पूरी कर ली गई है। इस मौके पर आमजन को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रण के लिए अयोध्या से पीले चावल भेजे गए हैं। अब विश्व हिंदू परिषद प्रदेश भर में गांव, ढाणी, शहर और कस्बों में घर-घर जाकर पीले चावल बांटेगा। इसके बाद 23 जनवरी 2024 से मंदिर के द्वार आम जनता के लिए खोल दिए जाएंगे। जिसके आमंत्रण के लिए विश्व हिंदू परिषद यह पीले चावल अभियान के रूप में वितरित कर रहा है। विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय मंत्री सुरेश उपाध्यक्ष ने बताया कि अयोध्या में पांच सौ साल बाद रामलला को भव्य मंदिर में विराजित करने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भागीदारी के लिए विश्व हिंदू परिषद की ओर से पीले चावल देकर आमजन को आमंत्रित करेगा। अयोध्या में हुई अक्षत पूजा के बाद सनातन संस्कृति स्वरूप पीले चावल लेकर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता जयपुर पहुंचे हैं। विश्व हिंदू परिषद 1 से 15 जनवरी तक व्यापक जनसंपर्क निमंत्रण अभियान चलाएगा, जिसमें विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता 2 लाख गांवों में 75 लाख लोगों तक घर-घर पहुंच कर पीले चावल के साथ भव्य मंदिर दर्शन का निमंत्रण देने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को रामलला विराजमान होंगे। उसके बाद 23 जनवरी से मंदिर के द्वार आम जनता के लिए खोल दिए जाएंगे। जिसके आमंत्रण के लिए विश्व हिंदू परिषद की और से पीले चावल का कार्यक्रम रखा गया है। विश्व हिंदू परिषद जयपुर प्रांत द्वारा संत सियाराम दास महाराज कनक बिहारी मंदिर और अयोध्या दास महाराज आमेर के सानिध्य में अयोध्या से अक्षत कलश और पीले चावल आए हैं।

सास की हत्या करने पर दामाद को उम्र कैद की सजा

जींद (हिंस)। एडीजे अमरजीत सिंह की अदालत ने जमीन का हिस्सा न देने पर सास की हत्या करने के जुर्म में दोषी दामाद को उम्र कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने उम्र कैद के अलावा दोषी को 20 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न भरने के पर दोषी को तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। गांव उचाना कलां निवासी कमल ने दस जुलाई 2020 को पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि बड़े भाई सेवा सिंह की बेटी मंजू की शादी गांव सुलचानी निवासी संदीप के साथ हुई थी। सेवासिंह की मौत के बाद उसकी पत्नी इंद्रो ने अपने देवर कमल के साथ रहने लगी थी। इंद्रो और कमल से दो लड़कियां तथा एक लड़का है। संदीप अपने मृतक ससुर सेवा सिंह की जमीन से हिस्सा चाहता था।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान रेंजर्स की अकारण गोलीबारी, बीएसएफ जवान बलिदान

जम्मू (हिंस)। जम्मू संभाग के सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पास बुधवार देर रात पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा की गई अकारण गोलीबारी में बीएसएफ जवान बलिदान हो गया। जानकारी के अनुसार जिले के रामगढ़ सेक्टर में स्थित सीमांत चौकियों को निशाना बनाकर पाकिस्तानी रेंजर्स ने बुधवार देर रात संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। बीएसएफ जवानों ने भी पाकिस्तानी गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। इस दौरान पाकिस्तान द्वारा की गई गोलीबारी में बीएसएफ जवान घायल हो गया और उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि घायल जवान को जीएमसी अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान जवान बलिदान हो गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि देर रात पाकिस्तान रेंजर्स ने रामगढ़ इलाके में अकारण गोलीबारी की, जिसका बीएसएफ जवानों ने माकूल जवाब दिया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 28 अक्तूबर को पाकिस्तान रेंजर्स ने आईबी पर लगभग सात घंटे तक भारी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप बीएसएफ के दो जवान और एक महिला घायल हो गए थे। इसके अलावा 17 अक्तूबर को अरनिया सेक्टर में पाकिस्तानी रेंजर्स द्वारा की गई अकारण गोलीबारी में बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए थे। 25 फरवरी, 2021 को दोनों पक्षों द्वारा युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद से यह छठा समग्र उल्लंघन है।

फरीदाबाद पहुंचे श्रीराम मंदिर पूजित अक्षत कलश, निकली भव्य यात्रा

अयोध्या में श्री रामलला विग्रह प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के निमित निमंत्रण के लिए देशभर में होगा भ्रमण

फरीदाबाद (हिंस)। श्रीरामलला विग्रह प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम निमंत्रण के लिए प्रांत हरियाणा के जिला फरीदाबाद में श्रीराम मंदिर पूजित अक्षत कलश यात्रा पहुंची। शहर में ढ़ोल-नगाडे के साथ निकली यात्रा पर जगह - जगह लोगों द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। समस्त रामभक्तों ने जय श्री राम के जयघोष से वातावरण राममय बना दिया। अयोध्या में 1992 में मंदिर निर्माण आंदोलन में कार सेवा में शामिल रहने वाले कारसेवकों द्वारा कलश का पूजन किया गया। विश्व हिंदू परिषद सह संगठन मंत्री प्रेम शंकर ने बताया कि यह सौभाग्य है बृज भूमि फरीदाबाद का कि यह पूजनीय अक्षत कलश हमारे जिले में पहुंचा है। कलश यात्रा का लक्ष्य है कि हम इसे संपूर्ण भारत में घर - घर तक अपने विश्व हिंदू परिषद की प्रांत की टीम, जिले की टीम और प्रखंडों की टीम के माध्यम से इन पूजनीय अक्षत कलश को शहर - शहर, गांव - गांव, गली - गली हर मोहल्ले के घर - घर में

पहुंचाएं ताकि 22 जनवरी, 2024 को जब प्रभु श्री राम मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में होगी तो हम सब एकत्रित होकर उस पल का आनंद ले सकें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख श्रीमान गंगाशंकर मिश्र ने कहा कि बड़े ही सौभाग्यशाली हैं, हम जो हमारी आंखों के सामने पुनः अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य एवं दिव्य मंदिर निर्माण हुआ है। फरीदाबाद सेक्टर -19 संघ कार्यालय पहुंचे श्री राम मंदिर पूजित अक्षत कलश यात्रा स्वागत कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख श्रीमान गंगाशंकर मिश्र, विश्व हिंदू परिषद सह संगठन मंत्री प्रेम शंकर, मातृशक्ति प्रांत सह संयोजिका किरण, विश्व हिंदू परिषद से प्रेम गोयल, डॉ. पंकज तुली, ओमप्रकाश यादव, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विभाग संघ चालक डॉ. अरविंद सूद, संघचालक त्रिलोक, अशोक सोनी, विभाग कार्यवाह अरुण परिहार, व्यवस्थापक श्री राम अग्रवाल सहित अन्य प्रबुद्धजन नागरिक उपस्थित रहे।

इन देशों में भी होता है दिवाली का जश्न

दीपावली महापर्व आज है। वैसे तो पूरे भारत में इस त्योहार की तैयारियां जोर-शोर से की जाती हैं, परंतु दीपोत्सव के दौरान खरीदारी का कुछ विशेष ही महत्व है। सिर्फ भारत में ही नहीं, कई देशों में दिवाली का त्योहार अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। आइए जानते है इन देशों के बारे में।

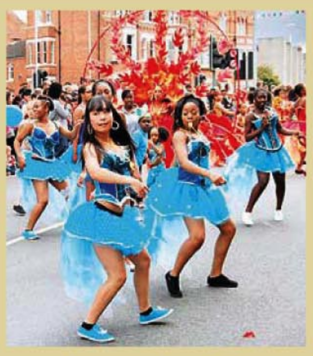

लेस्टर, ग्रेट ब्रिटेन

भारत के बाद अगर दिवाली का सबसे बड़ा सेलिब्रेशन होता है तो वह ब्रिटेन में बसे खूबसूरत शहर लेस्टर में होता है। यहां रहने वाले लोग इस त्योहार को काफी धूम-धाम से मनाते हैं।

थाइलैंड

थाइलैंड में दिवाली को लाम क्रियोंघ के नाम दिया गया है। यहां लोग केले की पत्तियों से बने दीपक और धूप को रात में जलाया जाता है। फिर जलते दीप को नदी के पानी में बहा देते हैं।

स्कॉटलैंड

जनवरी के आखिरी मंगलवार को हर साल लेर्विक में एक प्रकाशोत्सव आयोजित किया जाता है, जिसे अप हेली आ का नाम देते है। लोग प्राचीन समुद्री योद्धाओं जैसी ड्रेस पहने हाथ में मशाल लिए जुलूस निकालते हैं।

जापान

जनवरी महीने में ओनियो फेयर फेस्टिवल मनाया जाता है, जिसे दिवाली जैसा ही त्योहार कहा जाता है। इस दौरान छह मशाल जलाई जाती हैं जो कि आपदा को खत्म करने के प्रतीक के रूप में होती है। करतब दिखाना इस फेस्टिवल को शुभ बनाता है।

फ्लोरिडा

फ्लोरिडा के अल्टूना शहर में हर साल 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक 'सैमहेन' फेस्टिवल मनाया जाता है। मनोरंजन और अलग-अलग थीम्स पर आयोजित होने के कारण बाहरी लोग इस त्योहार का जमकर लुत्फ उठाते हैं।

कनाडा

कनाडा के 'न्यूफाउंड लैंड' में हर साल 5 नवंबर को दिवाली जैसा त्योहार मनाया जाता है। यहां होने वाली बोनफायर में मकान, खिड़कियां भी रंगीन हो जाती हैं।

दीपावली पर घरौंदा बनाने की परंपरा

• ••• • संस्कृति में हर पर्व का अपना विशेष महत्व रहा है और जब बात रोशनी के महापर्व दीपावली की हो तो इसका अपना ही अलग महत्व है। दीपावली में जितने जरूरी पटाखे, रंगोली, लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति हैं, उतना ही महत्वपूर्ण 'घरौंदा' है। कार्तिक माह के आरंभ होते ही लोग अपने अपने घरों में साफ सफाई का काम शुरू कर देते हैं। इस दौरान घरों में घरौंदा बनाने का निर्माण आरंभ हो जाता है।

••• घरौंदा 'घर'शब्द से बना है। माह के आरंभ से ही सामान्य तौर पर दीपावली के आगमन पर अविवाहित लड़कियां घरौंदा का निर्माण करती है। अविवाहित लड़कियों द्वारा इसके निर्माण के पीछे मान्यता है कि इसके निर्माण से उनका घर भरा पूरा बना रहेगा। हालांकि कई जगहों पर घरौंदा बनाने का प्रचलन दीपावली के दिन होता है।

••• प्रभु श्री राम जब चौदह वर्ष का वनवास काटकर अपनी नगरी अयोध्या लौटे थे उनके आने की खुशी में अयोध्यावासियों ने अपने -अपने घरों में दीपक जलाकर उनका स्वागत किया था। लोगों ने यह माना कि अयोध्या नगरी एक बार उनके आगमन से हीं बसी। इसी परम्परा के कारण घरौंदा बनाकर उसे सजाने का प्रचलन हुआ।

••• घरौंदा में सजाने के लिये कुल्हिया-चुकिया का प्रयोग किया जाता है और उसमें अविवाहित लड़कियां उसमेंलाबा, फरही..मिष्ठान आदि भरती है इसके पीछे मुख्य वजह रहती है कि भविष्य में जब वह शादी के बाद अपने घर जाये तो वहां भी भंडार अनाज से भरा रहे। कुल्हियां चुकिया में भरे अन्न का प्रयोग वह स्वयं नही करती है और इसे अपने भाई को खिलाती है। इसके पीछे मुख्य वजह यह रहती है कि घर की रक्षा और उसका भार वहन करने का दायित्व पुरूष के कंधे पर रहता है।

••• जहां तक घरौंदे के निर्माण का सवाल है तो इसका निर्माण सामान्यतः मिट्टी से होता है लेकिन मौजूदा समय में लकड़ी, कूट और थर्मोकोल के भी घरौंदे का निर्माण किया जा रहा है। घरौंदा से खेलना लड़कियों को काफी भाता है।

दीपावली के दौरान ही घर में रंगोली बनाये जाने की भी परंपरा है। दीपावली के दिन घर की साज-सज्जा पर विशेष ध्यान दिया जाता है और रंगोली घर की सुंदरता में चार चांद लगा देती है। घर चाहे कितना भी अधिक सुंदर हो यदि रंगोली घर के मुख्य द्वार पर नहीं सजायी गयी तो घर की सुंदरता अधूरी सी लगती है। सामान्य के तौर पर रंगोली का निर्माण चावल, गेंहू, मैदा, पेंट और अबीर से किया जाता है, लेकिन सर्वश्रेष्ठ रंगोली फूलों से ही बनायी जाती है। इसके लिये गेंदा और गुलाब के साथ हर सिंगार के फूलों का इस्तेमाल किया जाता है जो देखने में सुंदर तो लगता ही है साथ ही सात्विकता को भी उजागर करता है।

रंगोली से सजाएं घर-आंगन

••• की जगमगाहट का त्योहार यानि की दीपावली आज देशभर में पारंरिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर लोग अपनी दुकान, घर और आफिस की अच्छे से साफ सफाई व डैकोरेशन करते हैं। दीवाली पर रंगोली बनाना भी बहुत शुभ माना जाता है। यह परंपरा बरसों से चली आ रही है और ऐसा माना जाता है कि मां लक्ष्मी जी के स्वागत के लिए बनाई गई रंगोली बनाने से सुख समृद्धि का वास होता है व नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। इसके अलावा अतिथि के स्वागत, खास इंवेट या फैमिली फंक्शन के मौके पर भी रंगोली बनाई जाती है। रंगोली बनाने के बहुत सारे तरीके हैं। पहले लोग चावल, हल्दी, सिंदूर और लकड़ी के बूरे, रंग बिरंगे फूलों से ही रंगोली बनाते थे जबकि आजकल आपको मार्कीट में बहुत तरह के रंग मिल जाएंगे। इसके अलावा आप दीया रंगोली, ग्लिटरी रंगों वाली रंगोली भी बना सकते हैं। वैसे इस बार स्टिकर रंगोली व कुंदन रंगोली भी काफी पसंद की जा रही हैं।

रंग बिरंगे फूलों वाली रंगोली

पहले चॉक की मदद से रंगोली का डिजाइन तैयार कर लें फिर उसमें रंग बिरंगे फूलों को काटकर इसे कंट्रास्ट या अपने पसंद के हिसाब से रंग भरते जाएं। लकडी के बुरादे की रंगोली बहुत अच्छी बनती है। बाजार से अलग अलग रंगों वाले भूरों से भी आप रंगोली बना सकते हैं।

सिंदूर की रंगोली

पुराने जमाने में लोग आटे, हल्दी, सिंदूर की मदद से रंगोली तैयार करते थे। आप भी इन रंगों का इस्तेमाल कर रंगोली तैयार कर सकते हैं ग्रीन रंग के लिए आप हीना पाऊडर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

चावलों की रंगोली

किसी भी शुभ काम की शुरुआत के लिए चावल का इस्तेमाल बहुत ही शुभ माने जाते हैं। आप चावलों की रंगोली बना सकते हैं। अलग अलग रंग पाने के लिए चावलों को हल्दी, सिंदूर व अन्य रंगों में भिगोकर सूखा लें तो यह कलरफुल हो जाएंगे। बस अब चावलों से अपनी मनपसंद डिजाइनिंग कर रंगोली तैयार करें।

सांचे से बनाएं रंगोली

मार्कीट से आपको रंगोली बनाने के लिए सांचे भी मिल जाएंगे। बस सांचे को जमीन पर रखकर ऊपर रंग भरते जाएं नीचे डिजाइनिंग होती जाएंगी। सांचा उठाते समय सावधानी जरूर बरतें नहीं तो रंग बिखर जाएंगे। इसे और ज्यादा सजावट देने के लिए आप दीया और मोमबत्ती का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

स्टीकर रंगोली

अगर आपके पास रंगोली बनाने का समय नहीं हैं तो इसे बनाने का सबसे आसान तरीका से स्टीकर रंगोली। बाजार से बने बनाई स्टीकर रंगोली आसानी से मिल जाती है। बस जहां पर भी आपने रंगोली बनानी हैं स्टिकर के पीछे का कागज उतार कर इसे जमीन और दीवारों पर चिपकाते जाएं।

कुंदन रंगोली

आजकल दीवारों पर रंगोली बनाने का खूब भी ट्रैंड चल रहा है। कुंदन रंगोली इसके लिए बैस्ट ऑप्शन है। ड्राइंग रूम की दीवारों पर रंग-बिरंगी कुदंन से जड़ी रंगोली से घर की खूबसूरती और भी बढ़ जाएगी।

इस बात का रखें ध्यान रंगोली में लाल,हरा, गुलाबी रंगों का इस्तेमाल करना शुभ होता है। इसमें रंगोली काले और नीले रंग का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

इन जगहों पर जलाएं दीया, होगा लक्ष्मी का वास

••• भारत के सबसे बड़े त्यौहारों में से एक है। देश के हर कोने में यह त्यौहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। लोगों के मन में भी इस त्यौहार को लेकर बहुत उत्साह होता है। दीवाली के दिन लोग अपने घर को दुल्हन की तरह सजाते हैं और खूब दीपमाला करते हैं। इस दिन सिर्फ घर के मंदिर में ही नहीं बल्कि और भी कई ऐसी जगहें हैं जहां दीए जलाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा नहीं आती। आइए जानिए दीवाली के दिन कहां-कहां दीया जलाना शुभ होता है।

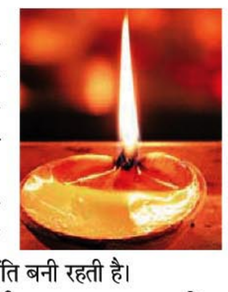

- दीवाली की रात लक्ष्मी मां की पूजा की जाती है और घर के मंदिरों में दीया जलाते हैं लेकिन यह दीया पूरी रात के लिए जलाना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी खुश हो जाती हैं और घर में धन-समृद्धी आती है।
- घर के मेन गेट की चौखट पर ही दीया जलाना शुभ माना जाता है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा नहीं आती और सुख-शांति बनी रहती है।
- दीवाली पर घर के नजदीक चौराहे पर भी दीपक जरूर जलाना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न हो जाती हैं।
- घर के पास वाले मंदिर में भी दीया जरूर जलाना चाहिए।
- दीवाली के दिन घर के मंदिर के साथ-साथ आंगन में भी दीया जलाना शुभ होता है।
- इस दिन पीपल के पेड़ के नीचे भी दीपक जरूर जलाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि पीपल पर दीया जलाने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए।

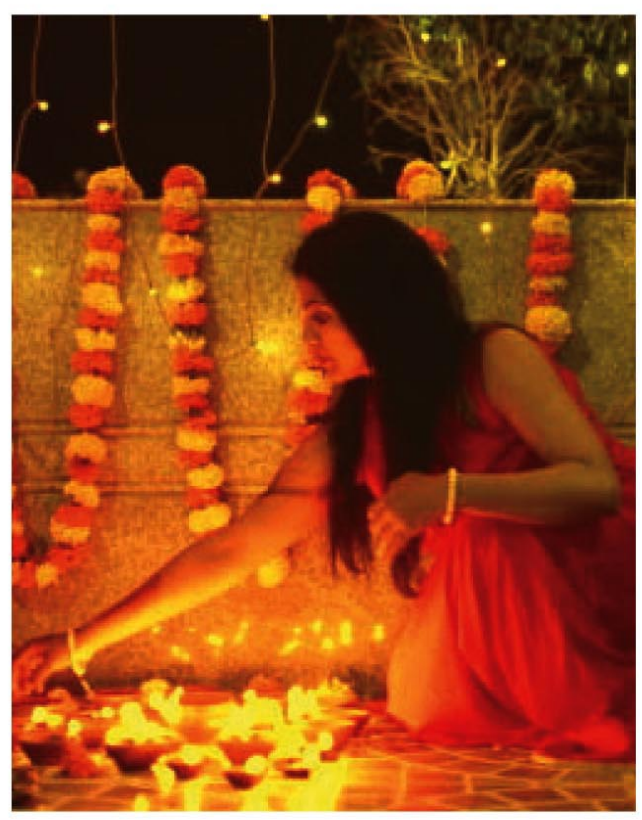

दिवाली पर पांच दिनों तक ऐसे करें पूजन

दीपावली का त्योहार पांच दिनों तक चलने वाला महापर्व है। धन तेरस से शुरू होकर यह त्योहार नरक चतुर्दशी, मुख्य पर्व दीपावली, गोवर्धन पूजा से होते हुए भाई दूज पर समाप्त होता है। इन पांच दिनों में अलग-अलग कथानुसार देवी देवताओं का पूजन कर परंपरा का निर्वाह किया जाता है। जानिए इस पांच दिवसीय पर्व पर पांच दिनों का महत्व और पूजन विधि -

धन त्रयोदशी

पांच दिवसीय दीपावली पर्व का आरंभ धन त्रयोदशी से होता है। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी का जन्म हुआ था। समुद्र मंथन के समय इसी दिन धनवंतरी सभी रोगों के लिए औषधि कलश में लेकर प्रकट हुए थे। अत: इस दिन भगवान धनवंतरी का पूजन श्रद्धापूर्वक करना चाहिए जिससे दीर्घ जीवन एवं आरोग्य की प्राप्ति होती है।

धनतेरस के दिन अपनी शक्ति अनुसार बर्तन क्रय करके घर लाना चाहिए एवं उसका पूजन करके प्रथम उपयोग भगवान के लिए करने से धन-धान्य की कमी वर्ष पर्यन्त नहीं रहती। इस दिन सायंकाल घर के मुख्य द्वार पर यमराज के निमित्त एक अन्न से भरे पात्र में दक्षिण मुख करके दीपक रखने एवं उसका पूजन व प्रज्जवलन कर यमराज से प्रार्थना करने पर असामयिक मृत्यु से बचा जा सकता है

नरक चतुर्दशी

दीपोत्सव का दूसरा दिन नरक चतुर्दशी अथवा रूप चैदस होता है। इस दिन सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तेल लगाकर स्नान करना चाहिए। ऐसा माना जाता है, कि इस दिन सूर्योदय के पश्चात स्नान करने वाले मनुष्य के वर्षभर के शुभ कार्य नष्ट हो जाते हैं। एवं इस दिन स्नान के पश्चात दक्षिण मुख करके यमराज से प्रार्थना करने पर व्यक्ति के वर्ष भर के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस दिन सायंकाल देवताओं का पूजन करके घर, बाहर, सड़क आदि प्रत्येक स्थान पर दीपक जलाकर रखना चाहिए।

लक्ष्मी पूजन

पांच दिवसीय इस पर्व का प्रमुख दिन लक्ष्मी पूजन अथवा दीपावली होता है। इस दिन रात्रि को जागरण करके धन की देवी लक्ष्मी माता का पूजन विधिपूर्वक करना चाहिए एवं घर के प्रत्येक स्थान को स्वच्छ करके वहां दीपक लगाना चाहिए जिससे घर में लक्ष्मी का वास एवं दरिद्रता का नाश होता है। इस दिन देवी लक्ष्मी, भगवान गणेश तथा द्रव्य, आभूषण आदि का पूजन करके 13 अथवा 26 दीपकों के मध्य एक तेल का दीपक रखकर उसकी चारों बातियों को प्रज्जवलित करना चाहिए एवं दीपमालिका का पूजन करके उन दीपों को घर में प्रत्येक स्थान पर रखें एवं चार बातियों वाला दीपक रातभर जलता रहे ऐसा प्रयास करें।

गोवर्धन पूज

कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट उत्सव मनाना जाता है। इस दिन प्रात: जल्दी उठकर घर के द्वार पर गोबर से गोवर्धन बनाकर उसे पेड़ की शाखों एवं फूलों से सजाकर उसका एवं गायों का पूजन करना चाहिए। इस दिन मंदिरों में भगवान को छप्पन प्रकार का भोग लगाकर उसे प्रसाद रूप में वितरित करना चाहिए।

यम द्वितीया या भाईदूज

कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया को भाईदूज या यम द्वितीया का पर्व मनाया जाता है। इस दिन यमराज की पूजा की जाती है। भाईदूज के दिन बहनों को अपने भाइयों को आसन पर बैठाकर तिलक लगाकर आरती उतारनी चाहिए एवं उसे विभिन्न प्रकार के व्यंजन अपने हाथ से बनाकर खिलाना चाहिए। भाई को अपनी शक्ति अनुसार बहन को वस्त्र, स्वर्ण आदि देकर आशीर्वाद लेना चाहिए।

सत्यमेव जयते

Government of Assam

Cultural Affairs Department

অসম সাংস্কৃতিক মহাসংগ্ৰাম ২০২৩-২৪

Gaon Panchayat/ Ward/ VCDC/MAC level competitions

10 November- 30 November 2023

Category A 12-18 Years | Category B 19-24 Years | Category C 25-35 Years

To participate in the competition, interested candidates may contact mobile nos mentioned below for spot registration

Sl No	Name of District	Number of Gaon Panchayat/Ward/ VCDC/MAC	Mobile No
1	Bajali	33	86389-71992
2	Baksa	57	60020-99923,9707389639
3	Barpeta	103	9435310382, 8876436719
4	Biswanath	68	8812017757
5	Bongaigaon	67	9954967127
6	Cachar	165	8812877977
7	Charaideo	38	9810789639
8	Chirang	64	8256022434
9	Darrang	78	8638015290
10	Dhemaji	67	9706519455
11	Dhubri	138	9678713623,8811070877
12	Dibrugarh	97	7637815131
13	Dima Hasao	28	8822147710
14	Goalpara	83	9854026086,8638194773
15	Golaghat	107	9395183211
16	Hailakandi	64	6901641044
17	Hojai	71	9864329979
18	Jorhat	94	8811035070
19	Kamrup	142	8471905953
20	Kamrup Metropolitan	83	9854085331
21	Karbi Anglong	18	9707470615,7002798783
22	Karimganj	98	9401188313
23	Kokrajhar	140	9864038246
24	Lakhimpur	85	8822129914
25	Majuli	20	8473077701
26	Morigaon	86	9508374110,9435046034
27	Nagaon	176	9954195814,9678849960
28	Nalbari	67	9954703348
29	Sibasagar	87	8638507830
30	Sonitpur	87	9864042047
31	South Salmara	35	9435089619
32	Tamulpur	46	8876828712,8638828566
33	Tinsukia	91	8761879599,9137230966
34	Udalguri	112	9954023451
35	West Karbi Anglong	9	7002243598

No of Applicants so far

Jyoti Sangeet
182026 +

Bishnu Rabha Sangeet
158682 +

Rabindra Sangeet
163035 +

Bhupendra Sangeet
110985 +

Bihu Dance Troupe
7028 +

Assam's Folk Dance Troupe
9279 +

Total applicants
631035 +

Total Participants
761799 +

Director
Cultural Affairs, Assam

Published by Directorate of Information & Public Relations, Assam   Connect with us @diprassam   dipr.assam.gov.in

Subscribe to Asom Barta   Whatsapp 'Assam' at 8287912158   -- Janasanyog /D/13300/ 23

ऑस्ट्रेलिया की महिला कप्तान मेग लैनिंग ने संन्यास की घोषणा की

मेलबर्न ।
ऑस्ट्रेलिया की महिला कप्तान मेग लैनिंग ने दुनिया को उस वक्त चौंका दिया जब उन्होंने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। दो आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप ट्रॉफी और पांच आईसीसी महिला टी20 विश्व कप खिताब की विजेता लैनिंग ने अपने देश के लिए सभी प्रारूपों में 8000 से अधिक रन बनाने के बाद 31 साल की उम्र में खेल से संन्यास ले लिया।

लैनिंग ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से दूर जाने का निर्णय लेना कठिन था, लेकिन मुझे लगता है कि अब मेरे लिए सही समय है। मैं 13 साल के अंतर्राष्ट्रीय करियर का आनंद लेने के लिए अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली रही हूं, लेकिन मुझे पता है कि अब मेरे लिए कुछ नया करने का सही समय है। टीम की सफलता के कारण ही आप खेल खेलते हैं, मैं जो करने में सक्षम हूं उस पर मुझे गर्व है और रास्ते में टीम के साथियों के साथ साझा किए गए क्षणों को संजोकर रखूंगी। उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार, अपने साथियों, क्रिकेट विक्टोरिया, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन को मेरे पसंदीदा खेल को उच्चतम स्तर पर खेलने की अनुमति देने में उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं उन सभी प्रशंसकों को भी बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मेरे पूरे अंतर्राष्ट्रीय करियर में मेरा समर्थन किया है।

लैनिंग का पहला आईसीसी खिताब 2012 में श्रीलंका में टी20 विश्व कप था और इसके बाद 2013 में भारत में 50 ओवर का विश्व कप खिताब जीता। लैनिंग ने 2014 की शुरुआत में जोड़ी फील्ड्स से कप्तानी की बागडोर ली और इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने 182 मौकों पर आत्मविश्वास के साथ अपने देश का नेतृत्व कर स्वर्णिम दौड़ के दौरान ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के लिए पांच आईसीसी खिताब जीते। लैनिंग को 2014 में आईसीसी महिला टी20आई क्रिकेटर ऑफ द ईयर नामित किया गया था और अगले वर्ष आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। लैनिंग की निगरानी में ऑस्ट्रेलिया ने और भी खिताब जीते और इस खतरनाक कप्तान ने अपने देश को बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक भी दिलाया। लैनिंग ने अपना करियर कुल 17 अंतर्राष्ट्रीय शतकों के साथ समाप्त किया जिनमें से 15 वनडे क्रिकेट में आए और 2017 में ब्रिस्टल में श्रीलंका के खिलाफ करियर की सर्वश्रेष्ठ 152* रन की पारी भी खेली। 15 शतकों की यह संख्या महिला वनडे क्रिकेट में सबसे अधिक है। लैनिंग का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच तब था जब उन्होंने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका में अपने देश को टी20 विश्व कप खिताब दिलाया था। छह टेस्ट मैचों में लैनिंग ने 31.36 की औसत से 345 रन बनाए जिसमें 93 का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर और दो अर्धशतक शामिल हैं। 103 वनडे मैचों में उन्होंने 53.51 की औसत से 4,602 रन बनाए। लैनिंग ने 102 पारियों में 15 शतक और 21 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 152* था। अंत में 132 टी20आई में लैनिंग ने 121 पारियों में 36.61 की औसत और 116 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से 3,405 रन बनाए। उन्होंने 133* के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ दो शतक और 15 अर्द्धशतक भी बनाए।

न्यूज़ ब्रीफ

चाइना मास्टर्स में हिस्सा लेने के लिए लक्ष्य को वीजा का इंतजार, पीएम मोदी से लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी और राष्टमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन को चाइना मास्टर्स में हिस्सा लेने के लिए अभी तक वीजा प्राप्त नहीं हुआ है। उत्तराखंड के लक्ष्य ने वीजा की समस्या का समाधान निकालने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, विदेश मंत्री एस जयशंकर से मदद की गुहार लगाई है। लक्ष्य ने एक्स (ट्विटर) पर लिखा, मुझे जापान और चीन ओपन में शिरकत करने के लिए रवाना होना है। मैंने और मेरी टीम ने 30 अक्तूबर को जापान वीजा के लिए आवेदन किया था। हमें अभी तक वीजा प्राप्त नहीं हुआ है। मैंने साथ में ही चीन वीजा के लिए भी आवेदन किया था। मुझे, मेरे कोच और फिजियो के लिए वीजा की तत्काल उपलब्ध कराने की कृपा करें। कृपया अनुराग सर, पीएम मोदी जी और विदेश मंत्री जयशंकर जी मदद करें। जापान मास्टर्स 14 से 19 नवंबर तक खेला जाएगा। वहीं, चाइना मास्टर्स 21 से 26 नवंबर तक शेंजेन में होगा। लक्ष्य ने 2021 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2022 राष्टमंडल खेलों में एक स्वर्ण और एक रजत (मिश्रित टीम स्पर्धा) जीता था। लक्ष्य सेन थॉमस कप 2022 में चैंपियन बनने वाली पुरुष टीम के सदस्य थे। उन्होंने 2022 एशियाई खेलों में रजत पदक हासिल किया था।

एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप : परनीत ने ज्योति को हराकर जीता स्वर्ण

बैंकॉक। अठारह वर्षीय परनीत कौर ने गुरुवार को एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 में महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में अनुभवी तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम को हराकर स्वर्ण पदक जीता। पांच सेटों की समाप्ति पर दोनों तीरंदाज 145 पर बराबरी पर थीं , जिसके बाद परनीत ने शूट-ऑफ में ज्योति को 9-8 से हरा दिया। क्वालीफाइंग राउंड में चौथे स्थान पर रही परनीत ने पहले कजाकिस्तान के लियान विक्टोरिया को 147-145 से हराया था, जबकि ज्योति ने चीनी ताइपे के हुआंग आई-जौ को 148-145 से हराकर फाइनल में जगह बनाई । मौजूदा दोहरी विश्व तीरंदाजी चैंपियन अदिति गोपीचंद स्वामी क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहीं लेकिन तीसरे दौर में उन्हें उलटफेर का सामना करना पड़ा। हालांकि परनीत, ज्योति और अदिति की तिकड़ी ने फाइनल में चीनी ताइपे की वांग लू-यून, चेन यी ह्वान, हुआंग आई-जौ पर 234-233 की जीत के साथ महिलाओं की कंपाउंड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

कमाई में भी अव्वल हैं मैक्सवेल

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के खिलाफ आतिशी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने वाले ऑस्ट्रिलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल कमाई में भी आगे हैं।

मैक्सवेल ने अपने दोहरे शतक से टीम को रोमांचक जीत दिलायी थी। तेजी से रन बनाने की तरह ही मैक्सवेल पैसे भी कमाते हैं। मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह से उन्हें भारी कमाई होती है उन्होंने अपने अब तक के सफर में जमकर संपत्ति बनायी है। मैक्सवेल की आय ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम, आईपीएल और विज्ञापनों से होती है। इसके अलावा उनके पास काफी अचल संपत्ति है। वह निवेश से भी हैं कमाई करते हैं। इस प्रकार उनकी कुल कमाई करीब 98 करोड़ रुपये है। उनकी मासिक आय करीब 1.5 करोड़ रुपये है। वहीं, उनकी सालाना आय 18 करोड़ रुपये के करीब है। हर एकदिवसीय मैच के लिए उन्हें 8.5 लाख रुपये मिलते हैं। हर टी-20 मैच 5.6 लाख रुपये और टेस्ट मैच के लिए 11 लाख रुपये मिलते हैं। मैक्सवैल ने आईपीएल के 14 सीजन में 63 करोड़ रुपये कमाए हैं। आईपीएल में उन्होंने कई अलग फ्रेंचाइजी से खेला है। इनमें मुंबई इंडियन्स, दिल्ली डेयरडेविल्स, किंग्स इलेवन आदि हैं। आईपीएल 2022 में बेंगलुरु की टीम ने 11 करोड़ रुपये देकर उन्हें रिटेन किया था। उनके पास 10 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। उनके पास कई देशों में रियल एस्टेट प्रॉपर्टी है। वह ऑस्ट्रेलिया में एक लग्जरी घर में रहते हैं।

भारत पर उलटफेर भरी जीत हासिल कर करने का मौका, भारत और नीदरलैंड पर बोले तेजा निदामानुरु

नई दिल्ली ।
हालांकि नीदरलैंड 2023 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप से बाहर हो गया है, लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज तेजा निदामानुरु का मानना है कि उनकी टीम एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में भारत पर उलटफेर भरी जीत हासिल कर सकती है उन्होंने कहा कि मजेदार बातें खेल में हुई हैं

इंग्लैंड से 160 रनों की हार के बाद नीदरलैंड्स की सेमीफाइनल की उम्मीदें खत्म हो गई और अब वह अंक तालिका में सबसे नीचे है. उन्हें शीर्ष आठ में जगह बनाने के लिए बेंगलुरु में भारत पर जीत की जरूरत है, जो इस समय प्रतियोगिता में अजेय है, और यह जीत 2025 चैंपियंस ट्रॉफी क्वालीफिकेशन के लिए जरूरी है।

यह क्रिकेट का खेल है. इसलिए, यह संभव हो सकता है. हम अपने ब्रांड का क्रिकेट खेलते हैं. हम वही करते हैं जो हम अच्छा करते हैं. हमारे पास गेंद के कुछ बेहतरीन पैंतरे हैं. हमारे पास ऐसे लोग हैं जो स्पिन को अच्छी तरह से खेल सकते हैं. हमारे पास ऐसे लोग भी हैं जो विकेट ले सकते हैं।

यह वास्तव में स्पष्ट है कि आपको थोड़े से भाग्य की आवश्यकता है. इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे एक बहुत मजबूत टीम हैं और वे बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं. लेकिन खेल में मजेदार चीजें हुई हैं. यकीनन कॉम्प में सर्वश्रेष्ठ टीम से खेलने के लिए मौका मिलना कुछ ऐसा है जिससे हम बहुत उत्साहित हैं और यह हमारे लिए एक और अवसर है।

निदामनुरु ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हर बार जब हम पार्क में कदम रखते हैं, तो हम अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे होते हैं, विशेष रूप से विश्व कप में और उस यात्रा के दौरान जो हमने किया है। हम किसी भी मैच को अपने ऊपर नहीं लेते हैं. मैं निश्चित रूप से भारत के खिलाफ वहां पहुंचने के लिए उत्सुक हूं।

नीदरलैंड ने भी बेन स्टोक्स का मौका गंवा दिया, जब उन्हें 41 रन पर आर्यन दत्त की गेंद पर लोगान वैन बीक ने फाइन लेग पर जीवनदान दिया. इंग्लैंड के करिश्माई ऑलराउंडर ने अंततः 84 गेंदों पर 108 रन बनाए और जीत का आधार तैयार किया।

जब बड़े मैच की बात आती है और उन आधे मौकों को भुनाने की बात आती है, तो हम निश्चित रूप से एक क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में ऐसा करने पर गर्व करते हैं और हम उनका बहुत अभ्यास भी करते हैं। इसलिए, हमारे लिए, यह थोड़ा निराशाजनक है, लेकिन फिर, मुझे नहीं लगता कि आप इसे केवल एक अवसर तक सीमित रख सकते हैं।

इंग्लिश सुधर गई तो पायल बन जाएंगी मोहम्मद शमी की दूसरी बेगम, साउथ की एक्ट्रेस ने अजीब सी शर्त रखकर दिया खुल्लम खुला शादी का प्रपोजल

मुंबई । एक्ट्रेस पायल घोष इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की दीवानी हो गई हैं। भले ही शमी ने अपनी गेंदबाजी के हुनर से आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में कमाल किया है। लेकिन उनकी गेंदबाजी से साउथ की एक एक्ट्रेस इतनी प्रभावित हो गई हैं कि उन्होंने खुल्लम खुल्ला शादी का प्रपोजल दे दिया है। हालांकि इसके लिए पायल ने इंग्लिश सुधारने की शर्त भी रखी है। एक्ट्रेस ने खुले आम क्रिकेटर को शादी का प्रपोजल देते हुए शमी की दूसरी बेगम बनना स्वीकार किया हैं लेकिन उन्होंने क्रिकेटर के सामने एक अजीबो गरीब शर्त रख दी है। एक्ट्रेस की एक पोस्ट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है ।साउथ एक्ट्रेस पायल घोष ने शमी को सोशल प्लेटफॉर्म पर शादी के लिए प्रपोज किया है। उनकी परफॉर्मेंस देखकर खुश पायल घोष शमी की दूसरी बेगम बनने के लिए तैयार हैं। पायल ने बीते दिनों ट्विटर पर शमी को प्रपोज करने वाला पोस्ट शेयर किया था, जो अब वायरल हो रहा है। पायल ने लिखा था, 'शमी तुम अपना इंग्लिश सुधार लो, आई एम रेडी टू मैरी यू।' इसके साथ उन्होंने लाफ्टर इमोजी शेयर की थी। पायल ने शमी को शादी का प्रपोजल तो दिया है लेकिन वे चाहती हैं कि पहले क्रिकेटर अपनी इंग्लिश को सुधारें। गौरतलब है कि पायल घोष का जन्म 1992 में कोलकाता में हुआ था। पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने कम उम्र में ही बीबीसी की एक टेलीफिल्म में काम किया था। इसके बाद वे एक कैनेडियन मूवी में भी नजर आई थीं। पायल ने एक्टिंग कोर्स किया था और इसी दौरान उन्हें पहली साउथ फिल्म का प्रस्ताव मिला था।

भारत - पाक में हो सकता है सेमीफाइनल : गांगुली

नई दिल्ली ।
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि विश्वकप मे भारत और पाकिस्तान के बीच सेमीफाइनल हो सकता है। पाक ने लगातार 4 मैच हारने के बाद वापसी की है और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। गांगुली को उम्मीद है कि भारत और पाक ही विश्वकप के सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी। गांगुली ने कहा, मुझे उम्मीद है कि पाक टीम भी भी सेमीफाइनल में जगह बना लेगी क्योंकि ये सबसे बड़ा मैच होगा। गांगुली ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा, विराट महान खिलाड़ियों में से एक है। ईडन गॉर्डन में उनका 49 वां शतक देखकर खुशी हुई। वहीं हालात पाक के खिलाफ नजर आते हैं क्योंकि नेट रन रेट में न्यूजीलैंड की टीम पाक से काफी आगे चल रही है। ऐसे में पाक के लिए सेमीफाइनल की राह आसान नहीं है। इस समय पाकिस्तान का नेट रन रेट 0.036 है जबकि न्यूजीलैंड 0.398

नेट रन रेट के साथ ही काफी आगे है। वहीं अगर न्यूजीलैंड टीम श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज करती है तो पाक इंग्लैंड के खिलाफ 130 रन से जीत की जरुरत होगी जो आसान नहीं है। वहीं अगर दोनों टीमें जीत जाती है तो फिर नेट रन रेट के अनुसार सेमीफाइनल का फैसला होगा। वहीं पाक और न्यूजीलैंड की टीम अगर अपने अगले मुकाबले में हार जाती है और अफगानिस्तान अपना अगला मुकाबला दक्षिण् अफ्रीका के खिलाफ जीत जाती है तो वह अफगानिस्तान की टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेगी।

कमिंस को उम्मीद , मैक्सवेल अगला मैच खेल पायेंगे

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने चोटिल होने के बाद भी अपनी टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय विश्वकप मुकाबले में जीत दिलायी। ऐसे में उनके अगले मैच में खेलने पर आशंकाएं जतायी जा रही थीं। इस को लेकर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि मैक्सवेल की चोट ठीक है और हम उनसे लगातार इस बारे में बात कर रहे हैं। मैक्सवेल ने दर्द के बाद भी बल्लेबाजी की थी। उससे पूरी ताकत से पिछला मैच खेला और वह इसी प्रकार आने वाला मैच भी खेल सकता है। कमिंस ने कहा कि जिस प्रकार उसने खेला है उससे तय है कि वह फिट है हालांकि माना जा रहा है कि उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ अगले मुकाबले में मैक्सवेल को आराम दिया जा सके जिससे वह विश्वकप के सेमीफाइनल तक तरोताजा हो सकें। मैक्सवेल ने अब तक सात पारियों में 397 रन बनाये हैं जिसमें एक शतक और एक दोहरा शतक भी शामिल है। वहीं मैक्सवेल इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले भी चोटिल हो गए थे। इसी कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला भी भी नहीं खेल पाएं थे।

शतक से ज्यादा खुशी तो बेन स्टोक्स को इंग्लैंड की जीत से मिली

पुणे ।
इंग्लैंड को दूसरी जीत दिलाने वाले हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स का कहना है कि उन्हें शतक बनाने से ज्यादा खुशी तो इंग्लैंड की जीत से हुई। गौरतलब है कि नीदरलैंड के खिलाफ 84 गेंद में 108 रन की आक्रामक पारी खेल कर आईसीसी वनडे विश्व कप में बेन स्टोक्स इंग्लैंड को दूसरी जीत दिलाई है। बेन स्टोक्स ने यहां कहा कि उन्हें अपनी शतकीय पारी से टीम के जीत की राह पर लौटने की खुशी है। गत चैम्पियन इंग्लैंड की यह लगातार 5 हार के बाद पहली जीत है। खिताबी दौड़ से पहले ही बाहर होने के बाद भी टीम के लिए इस जीत के काफी मायने है क्योंकि विश्व कप की तालिका में शीर्ष 8 स्थान पर रहने वाली टीमें चैम्पियन्स ट्रॉफी 2025 के लिए क्वालीफाई करेंगी। इस मुकाबले से पहले इंग्लैंड 10वें स्थान पर था लेकिन नीदरलैंड पर 160 रन की जीत से टीम 7वें पायदान पर पहुंच गई। इंग्लैंड ने 339 रन बनाने के बाद नीदरलैंड को 179 रन पर आउट कर दिया।

मैच समाप्त होने के बाद मैन ऑफ द मैच स्टोक्स ने कहा कि मुझे शतक से ज्यादा इस बात की खुशी है कि टीम जीत की राह पर लौटी है। हमारे लिए यह विश्व कप मुश्किल रहा लेकिन इस जीत और शतक को देखकर अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि यह पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी। मुझे पता था कि यहां गेंद को टेनिस बॉल की तरह उछाल मिलती है। मेरी योजना आखिरी ओवरों तक बल्लेबाजी करने की थी। इंग्लैंड को इस मैच में सलामी बल्लेबाज डाविड मलान ने 10 चौके और 2 छक्के की मदद से 74 गेंद में 84 रन की पारी खेल तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद स्टोक्स को आखिरी ओवरों में क्रिस वोक्स (45 गेंद में 51 रन) का अच्छा साथ मिला। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 81 गेंद में 129 रन की आक्रामक साझेदारी की।

विराट का मजाक उड़ाने पर वॉन ने मोहम्मद हफीज को दिया जवाब

नई दिल्ली ।
पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज ने भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया, लेकिन इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने इसका जवाब देते हुए पुराने दिन याद दिलाकर कोहली का कद ऊंचा कर दिया। महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में नीदरलैंड बनाम इंग्लैंड मैच के दौरान बेन स्टोक्स ने शतक बनाकर थ्री लायंस को 339 के स्कोर तक पहुंचाया। 84 गेंदों में उनकी 108 रन की पारी ने खेल की दिशा तय कर दी, जिससे इंग्लैंड को जीत मिली थी। दबाव में असाधारण प्रदर्शन करने के लिए स्टोक्स की सराहना करते हुए, साथ ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में विराट के शतक को स्वार्थी दृष्टिकोण बताते हुए परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए हफीज ने एक्स पर पोस्ट किया कि जहाज के रक्षक बेनस्टोक्स, दबाव में पारी की शुरुआत करना अच्छा है। अंत में टीम को जीत दिलाने के लिए अधिकतम रन बनाने के लिए आक्रामक इरादे की आवश्यकता है। स्वार्थी बनाम नि:स्वार्थ दृष्टिकोण को अलग करने का सरासर उदाहरण है।

इधर जैसे ही हफीज का यह ट्वीट आया, वॉन ने इस पर कमेंट करने में देर नहीं लगाई। वॉन ने एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें विराट कोहली गेंदबाजी करते नजर आ रहे हैं और वह हफीज को बोल्ड आऊट करने का जश्न मनाते दिख रहे हैं। यह मुकाबला 2012 का है जब भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने सामने थीं। वॉन ने फोटो के साथ लिखा कि मुझे लगता है मोहम्मद हफीज आपको विराट कोहली ने बोल्ड किया है, क्या यही कारण है कि आप लगातार उस पर गुस्सा करते हैं। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विराट की पारी

काफी खास थी क्योंकि उन्होंने अपने 35वें जन्मदिन पर अपना 49वां वनडे शतक बनाया था। इसी शतक के साथ उन्होंने सचिन तेंदुलकर के सर्वाधिक वनडे शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी की।

बटलर को ऐसी खराब फॉर्म में पहले कभी नहीं देखाः नासिर हुसैन

पुणे ।
पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मानना है कि मौजूदा 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में कप्तान जोस बटलर बल्ले से पूरी तरह से लय में नहीं हैं और उन्होंने इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को पहले कभी इस तरह की खराब फॉर्म में नहीं देखा था। बटलर आठ पारियों में केवल 13.87 की औसत से 111 रन बनाने में सफल रहे, टूर्नामेंट में आग लगाने में असमर्थ रहे। पुणे में नीदरलैंड पर इंग्लैंड की 160 रन की जीत में एक बार फिर एकल अंक के स्कोर पर आउट होने के बाद, बटलर ने स्वीकार किया कि वह अपने बल्लेबाजी प्रदर्शन से निराश थे।

बटलर बुरी तरह से खराब स्थिति में हैं। मुझे नहीं लगता कि मैंने उन्हें कभी इस तरह के रूप में देखा है - या तो लंकाशायर शर्ट, समरसेट शर्ट या इंग्लैंड शर्ट में। वह इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ सफेद गेंद खिलाड़ी हैं। इसलिए यदि आप मुझसे पूछ रहे हैं कि टीम के अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के प्रमुख कारणों में से एक क्या है, तो इसका कारण यह है कि उनकी फॉर्म में ऐसी गिरावट है जैसा हमने पहले कभी नहीं देखा है।

जब आप किसी खिलाड़ी के पास जा रहे हैं, जैसे आज लियाम लिविंगस्टोन के साथ, और कह रहे हैं हम तुम्हें बाहर छोड़ रहे हैं दोस्त, तो आप उन निर्णयों को लेते समय स्वयं रन बनाना चाहेंगे। वह कड़ी मेहनत कर रहा है, और टीम में उनकी शारीरिक भाषा काफी अच्छी है लेकिन वह इस समय एक भी रन नहीं खरीद सकते।

हुसैन ने कहा, हम सभी भूल जाते हैं कि खराब स्थिति का मतलब क्या होता है। आपका दिमाग पूरी तरह से अस्त-

व्यस्त हो गया है। फॉर्म को कायम रखना और बनाए रखना अविश्वसनीय रूप से कठिन चीज है। एक बार जब आप इसे प्राप्त कर लेते हैं, तो इसे कभी भी जाने न दें क्योंकि यह अस्थिर है।

हालाँकि बेन स्टोक्स ने 84 गेंदों में 108 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत दिलाई, यह उनका पहला वनडे विश्व कप शतक था और गेंदबाजों ने मिलकर नीदरलैंड को 37.2 ओवर में 179 रन पर आउट कर दिया, बीच के ओवरों में कुछ कैच छूटे, जिसने हुसैन का ध्यान खींचा।

वे (इंग्लैंड) अच्छे थे। लेकिन मैदान में कुछ लापरवाही थी। अगर आप कुछ शीर्ष देशों को लगातार आधार पर हराना चाहते हैं तो आपको 100 प्रतिशत होने की जरूरत है। और वह फिर से ढह गए । लेकिन अन्य टीमों , नीदरलैंड की तुलना में बेहतर टीमें , के खिलाफ आपको इसके लिए भुगतान करना होगा। जब ऐसा हो रहा है तो वे पतन को रोक नहीं सकते हैं, और उन्हें बचाने के लिए स्टोक्स और वोक्स की साझेदारी की जरूरत पड़ी।

स्टोक्स के शतक की बात करते हुए हुसैन ने उनकी पारी की जमकर तारीफ की। वह एक अविश्वसनीय क्रिकेटर है। उसकी गति में बदलाव है; हमने इसे टेस्ट क्रिकेट में देखा है, 50 ओवर के क्रिकेट में, हमने इसे विश्व फाइनल में देखा है। वह सामान्य, मानवीय गति से आगे बढ़ रहा था लेकिन फिर वह उस स्विच को फ्लिक करता है और हिटिंग मोड में चला जाता है। और एक बार जब वह ऐसा करता है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं होता, खासकर जब लेगसाइड पर हिट होता है।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, हो सकता है कि वह भारत के खिलाफ कुछ गलत हो गया हो, मोहम्मद शमी ने उस पर 10 गेंदों का स्पैल डाला, जहां वह उसे दूर नहीं कर सका और फिर थोड़ी सी हैक के कारण बोल्ड हो गया। हमेशा वह इसे सही करता है और, आज, उन्होंने इसे बिल्कुल सही पाया। जाहिर तौर पर इंग्लैंड पहले ही विश्व कप से बाहर हो चुका है, लेकिन यहां एक ऐसा व्यक्ति है, जो हर बार जब भी खेलता है, तब भी अपना सब कुछ झोंक देगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**